नई दिल्ली ■ मंगलवार, 26 सितंबर 2023 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 11 ■ अंक 176 ■ पृष्ठ 12

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 नए गलियारे से भारतीय संस्कृति का विस्तार | 11 बोपन्ना और युकी की अप्रत्याशित हार | एकदूजे के हुए परिणीति -राघव चड्ढा 10

प्रधानमंत्री मोदी ने भोपाल और जयपुर से कांग्रेस पर किए करारे वार

'कांग्रेस जंग लगे लोहे की तरह, अर्बन नक्सल इसे चलाते हैं'

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस और उसके नए घमंडिया गठबंधन के सहयोगियों ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक का अनिच्छा से समर्थन किया क्योंकि उनके पास कोई रास्ता नहीं था। उन्होंने लोगों को चेतावनी दी कि अगर उन्हें (विपक्षी गठबंधन) मौका दिया गया तो वे इस विधेयक से पीछे हट जायेंगे। इसके बाद पीएम मोदी ने राजस्थान के जयपुर में जनसभा को संबोधित कर कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरा।

भाजपा के कार्यकर्ता महाकुंभ को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पार्टी की तुलना जंग लगे लोहे से की। मोदी ने आरोप लगाया कि इसे अब कांग्रेस के नेता नहीं बल्कि कुछ अर्बन नक्सलियों द्वारा चलाया जा रहा है। इसके नारों से लेकर नीतियों तक हर चीज आउट सोर्स की जा रही है। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद अपने लंबे शासन के दौरान कांग्रेस ने मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था। अगर उसे मौका मिला तो वह मध्यप्रदेश को फिर से बीमारू राज्य बना देगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि घमंडिया गठबंधन में कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने खट्टे मन और मजबूरी से महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन किया क्योंकि अब उन्हें नारी शक्ति समझ आ गयी है। उन्होंने कहा कि विधेयक केवल इसलिए पारित हो पाया, क्योंकि मोदी है तो मुमकिन है। मोदी का मतलब गारंटियों को पूरा करने की गारंटी है। उन्होंने सत्ता में रहते हुए इस विधेयक को पारित नहीं करने के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की आलोचना भी की। मोदी ने कांग्रेस और घमंडिया गठबंधन पर सनातन धर्म को समाप्त करने का आरोप लगाते हुए कहा कि एमपी की जनता को सावधान रहना चाहिए। कांग्रेस के नेताओं ने सनातन की आलोचना पर अपने मुंह में ताला लगा लिया।

पीएम मोदी ने बिना नाम लिए राहुल पर भी निशाना साधा। कहा कि चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए कांग्रेस नेताओं के लिए गरीब लोगों का जीवन एक साहसिक पर्यटन और गरीब व्यक्ति का खेत वीडियो शूटिंग और फोटो सत्र की जगह है। कांग्रेस अपने हित के लिए लोगों को गरीब बनाए रखना चाहती है। जबकि देश में पिछले पांच सालों में भाजपा शासन के तहत 13.5 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आ गए।

'राजस्थान में कांग्रेस जीरो नंबर पाने की हकदार'

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने राज्य के युवाओं के पांच महत्वपूर्ण साल बर्बाद कर दिए हैं। मोदी ने विश्वास जताया कि राज्य में सत्ता बदलने वाली है। वह जयपुर के बाहरी इलाके के दादिया गांव में परिवर्तन संकल्प महासभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति पाने का बिगुल फूंक दिया है। पिछले पांच साल में जिस तरह की सरकार कांग्रेस ने यहां चलाई है वह जीरो नंबर पाने की हकदार है। मोदी ने कहा कि मैंने आपको सेवा की गारंटी दी है। मोदी यानी गारंटी। वादा पूरा होने की गारंटी। मैं यहां सेवा करने के लिए हूं। मैं जो कहता हूं, करके दिखाता हूं। गहलोत सरकार पर पेपर लीक माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी माफिया को बख्शा नहीं जाएगा।

'महिला आरक्षण विचारधारा की जीत'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को भाजपा के विचारक दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय के सामने 72 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि राजनीति में महिलाओं की उचित भागीदारी के बिना समावेशी समाज और लोकतांत्रिक एकीकरण की बात नहीं की जा सकती। संसद में महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना न केवल लोकतंत्र की जीत है, बल्कि पार्टी की विचारधारा की भी जीत है। उन्होंने नौ वर्षों के कार्यकाल में उपाध्याय के एकात्म मानववाद और अंत्योदय के दर्शन पर काम किया है।

राहुल गांधी ने फिर पूछा, जातीय जनगणना से डरते क्यों हैं पीएम

बिलासपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा। बिलासपुर जिले के परसदा गांव में 'आवास न्याय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातीय जनगणना से क्यों डरते हैं? राहुल ने कहा कि कांग्रेस ने जातीय जनगणना कराई थी जिसमें देश की हर जाति की आबादी का रिकॉर्ड है। भारत सरकार के पास यह रिपोर्ट है लेकिन मोदी जी इसे लोगों के सामने नहीं लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी जातीय जनगणना नहीं कराएंगे, तो यदि हम सत्ता में आए तो हमारा पहला कदम जातीय जनगणना कराना और ओबीसी की भागीदारी सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने अपना ये आरोप भी दोहराया कि केंद्र सरकार को विधायक और सांसद नहीं बल्कि सचिव और कैबिनेट सचिव चलाते हैं। सभा को संबोधित करने के बाद राहुल गांधी इंटरसिटी एक्सप्रेस से रायपुर के लिए रवाना हुए। उनके साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पार्टी की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और अन्य नेता थे।

एशियाड में शूटिंग के बाद महिला क्रिकेट ने भारत को दिलाया सोना

हांगझू। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सोमवार को श्रीलंका को 19 रन से हराकर भारत को एशियाई खेलों में दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 116 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 97 रन ही बना सकी। इससे पहले, भारतीय निशानेबाजों ने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्वर्ण पदक सहित तीन पदक जीते, जिससे निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत दो दिन में पांच पदक जीत चुका है। रुद्रांक्ष पाटिल की अगुआई में भारत की 10 मीटर एयर राइफल टीम ने विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता।

मुजफ्फरनगर के थप्पड़ कांड पर कोर्ट सख्त, IPS से जांच के निर्देश दिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के मुजफ्फरनगर में टीचर द्वारा एक बच्चे को बाकी बच्चों से थप्पड़ लगवाने की घटना पर गंभीर चिंता जताई है। जस्टिस एएस ओका की बेंच ने कहा कि सांप्रदायिक आधार पर स्कूल में बच्चे के साथ हिंसा बेहद गलत है। इस घटना से सरकार की अंतरात्मा हिल जानी चाहिए थी।

कोर्ट ने मामले की जांच के लिए सीनियर आईपीएस अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया, जो रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करेंगे। कोर्ट ने पीड़ित बच्चे की पढ़ाई दूसरे स्कूल में करवाने और उसकी मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग भी कराने को कहा। घटना में शामिल अन्य छात्रों की पेशेवर तरीके से काउंसलिंग कराने का भी निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि पहली नजर में यह मामला शिक्षा के अधिकार अधिनियम के पालन में नाकामी का मामला है।

एनडीए में वापसी की अटकलें फालतू बात: नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में वापसी की अटकलों को फालतू बात कहकर खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनका पूरा जोर विपक्षी दलों के गठबंधन को मजबूत करने पर है। जदयू नेता महेश्वर हजारी द्वारा 'पीएम मैटीरियल' बताये जाने पर मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि मुझे किसी पद की लालसा नहीं है, मैं सभी विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने में लगा हूं। मैंने अपने पार्टी सहयोगियों को कहा है कि इस तरह के बयान न दें।

संक्षिप्त खबरें

कनाडा में बसे आतंकी लखबीर के करीबियों पर पंजाब में 48 जगह छापे

फिरोजपुर (पंजाब)। कनाडा से भारत में आपराधिक गतिविधियां चला रहे आतंकवादियों पर सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई जारी है। पंजाब पुलिस ने अब कनाडा स्थित आतंकवादी लखबीर सिंह लांडा उर्फ लांडा हरिके के करीबी सहयोगियों से जुड़े 48 स्थानों पर छापेमारी की है। एक व्यापारी ने दावा किया था कि एक व्यक्ति ने उसे फोन करके खुद को लांडा हरिके बताया और 15 लाख रुपये मांगे। एसपी रणधीर कुमार ने कहा कि मक्खू, जीरा, गुरुहरसहाय आदि जगहों पर छापे मारे गए हैं। कुछ गिरफ्तारी भी हुई हैं। तरनतारन के सरहली थाने पर आरपीजी हमले में भी लांडा का नाम सामने आया था।

भारत से मॉनसून की वापसी शुरू, लगातार 13वीं बार देरी से लौट रहा

नई दिल्ली। भारत में 17 सितंबर की सामान्य तिथि से आठ दिन बाद सोमवार से मॉनसून की वापसी शुरू हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक बयान में कहा कि दक्षिण पश्चिम मॉनसून सोमवार से दक्षिण पश्चिम राजस्थान के कुछ हिस्सों से लौटना शुरू हो गया। दक्षिण पश्चिम राजस्थान से इसके लौटने की सामान्य तिथि 17 सितंबर थी। इस साल मॉनसून की वापसी में देरी के साथ यह लगातार 13वीं बार है जब मॉनसून देरी से लौट रहा है। उत्तर पश्चिम भारत से मॉनसून की वापसी भारतीय उपमहाद्वीप से इसकी वापसी की शुरुआत का प्रतीक है।

1500 रुपये के लिए दलित महिला को निर्वस्त्र कर पीटा, बर्बरता की

पटना। पटना जिले के खुसरूपुर की मोसिमपुर पंचायत के एक गांव में एक साहूकार द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर दलित महिला को निर्वस्त्र कर पीटने और उसके मुंह पर पेशाब करने का वीभत्स मामला सामने आया है। पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता के पति ने कुछ महीने पहले साहूकार प्रमोद सिंह से 1,500 रुपये उधार लिए थे और ब्याज सहित पैसे वापस कर दिए थे, लेकिन साहूकार ने और पैसों की मांग की। इसे लेकर महिला से बर्बरता की।

AIADMK ने बीजेपी से चार साल की दोस्ती तोड़ी, कहा- अलग मोर्चा बनाएंगे

चेन्नई। ऑल इण्डिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (AIADMK) ने बीजेपी के साथ अपने चार साल पुराने गठबंधन को खत्म करने का ऐलान कर दिया। पार्टी ने कहा कि वह 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अलग मोर्चे का नेतृत्व करेगी।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से बाहर निकलने का फैसला अन्नाद्रमुक मुख्यालय में पार्टी प्रमुख ई के पलानीस्वामी की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में किया गया। इस फैसले के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्यालय के बाहर पटाखे भी चलाए। हाल ही में

अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेताओं ने नयी दिल्ली में भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा से मुलाकात की थी और उन्हें भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई की राजनीति की आक्रामक शैली से पैदा हालात से अवगत कराया था। अन्नाद्रमुक नेताओं ने मांग की थी कि मशहूर द्रविड़ हस्ती दिवंगत सीएन अन्नादुरै पर टिप्पणी को लेकर अन्नामलाई माफी मांगें या उन्हें पद से हटा दिया जाए। इधर, तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई ने कहा कि इस संबंध में राष्ट्रीय नेतृत्व सही समय पर बात करेगा। हमारा एक प्रोटोकॉल है। वहीं, केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि यह सब चलता रहता है कि कौन कब किसके साथ आएगा और जाएगा... अभी चुनावी बरसात है। इस बरसात में कौन किसके साथ आएगा, कौन किसके साथ जाएगा यह कहना मुश्किल है। बहुत लोग कतार में लगे हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बीबीसी को फिर भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एनजीओ जस्टिस ऑन ट्रायल की याचिका पर बीबीसी के वृत्त चित्र 'इंडिया : द मोदी क्वेश्चन' को लेकर बीबीसी के ब्रिटेन और भारत स्थित कार्यालयों को नया नोटिस भेजा है। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया था कि बीबीसी (ब्रिटेन) और बीबीसी (भारत) को पहले नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन तामील नहीं किया जा सका। एनजीओ के वकील सिद्धार्थ शर्मा ने प्रतिवादियों को नोटिस देने के लिए और समय मांगा। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि प्रतिवादियों को सभी स्वीकार्य तरीकों से नए सिरे से नोटिस जारी करें। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की गई है।

ड्यूटी से गायब 700 डॉक्टर होंगे बर्खास्त: ब्रजेश पाठक

लखनऊ। यूपी में सेवा से नदारद सात सौ से अधिक सरकारी डॉक्टरों को बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए सभी 75 जिलों में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की तैयारी चल रही है।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि राज्य में लगभग 724 चिकित्सक हैं जो ड्यूटी के दौरान लगातार गायब पाए गए हैं। जांच के बाद ऐसे लोगों को नोटिस दिया गया है और सेवा से बर्खास्त किया जा रहा है। पाठक ने कहा कि अभी ऐसे 50 चिकित्सक बर्खास्त किए जा चुके हैं, बाकी लोगों को नोटिस देकर ड्यूटी पर वापस आने के लिए कहा गया है। अगर वे नहीं आते हैं तो तो प्रक्रिया पूरी कर सेवा से उन्हें बर्खास्त किया जाएगा।

राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के दावे के बारे में पाठक ने कहा कि पहली बार उप्र सरकार ने पांच लाख रुपये प्रतिमाह वेतन देकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती शुरू की है। उन्होंने कहा कि कई विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती की गयी है साथ ही और चिकित्सकों की कमी भी जल्द ही दूर की जाएगी।

वायुसेना के बेड़े में पहला सी-295 विमान शामिल, रक्षामंत्री ने बनाया स्वास्तिक, रक्षा सूत्र भी बांधा

गाजियाबाद। भारत के पहले परिवहन विमान सी-295 को विधि-विधान से पूजा कर वायु सेना के बेड़े में शामिल किया गया। हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विमान पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाकर पूजा अर्चना की। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रक्षा मंत्री को विमान की इंडक्शन चाबी सौंपी। इस दौरान यहां भारत ड्रोन शक्ति-2023 कार्यक्रम में विभिन्न क्षमताओं वाले ड्रोन का प्रदर्शन किया गया।

सोमवार को हिंडन एयरबेस पर आयोजित सर्व धर्म पूजा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री एवं स्थानीय सांसद जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त), वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी के साथ शामिल हुए। राजनाथ सिंह ने रोली से एयरक्राफ्ट पर स्वास्तिक बनाया और एयरक्राफ्ट को रक्षा सूत्र बांधा। इसके बाद राजनाथ सिंह और वायुसेना प्रमुख एयरक्राफ्ट के अंदर गए। इस दौरान पहला सी-295 विमान वायुसेना की स्क्वाड्रन संख्या 11 में शामिल किया गया है। यह भारतीय वायु सेना के सबसे पुराने स्क्वाड्रन में से एक है और वर्तमान में वडोदरा वायु सेना स्टेशन में इसका बेस है। इस विमान से सेना की रसद एवं अन्य क्षमताओं का विकास होगा।

गौरतलब हो कि भारतीय वायु सेना के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से सरकार ने एयरबस डिफेंस एंड स्पेस कंपनी के साथ दो साल पहले 21,935 करोड़ रुपये में 56 सी295 परिवहन विमानों को खरीदने का सौदा किया था। ये विमान पुराने होते एवरो-748 बेड़े का स्थान लेंगे।

ड्रोन से दिखाई भारत की ताकत

हिंडन एयरबेस पर भारत की ड्रोन शक्ति का भी अदभुत प्रदर्शन हुआ। देशभर की 50 कंपनियां अपने हाईटेक ड्रोन लेकर पहुंचीं। इस दौरान किसी ड्रोन ने आसमान से ही संदिग्ध चीज को कैप्चर किया तो किसी ड्रोन ने आतंकियों के डमी ठिकानों पर बम गिराकर उसे नेस्तनाबूद किया। यहां 50 किलो से 100 किलो तक वजन ले जाने की क्षमता वाले ड्रोन का अद्भुत प्रदर्शन किया गया।

बहुमंजिला इमारतों, आबादी के बोझ से धंसी जोशीमठ में जमीन

देहरादून। जोशीमठ में भूधंसाव का वैज्ञानिक और तकनीकी अध्ययन करने वाले संस्थानों ने इस समस्या के लिए पर्वतीय नगर का ढीली मिटटी वाले ढलान पर बसे होने, जनसंख्या का दवाब, बहुमंजिला इमारतों का निर्माण और ऊंचाई वाले इलाकों से आने वाले पानी के लिए उचित निकासी की व्यवस्था न होने को जिम्मेदार ठहराया है।

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय भूजल बोर्ड, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान और

आईआईटी रुड़की जैसे आठ केंद्रीय तकनीकी व वैज्ञानिक संस्थानों को जोशीमठ भूधंसाव की समस्या और उसके कारणों का अध्ययन करने के लिए कहा गया था। इन सभी ने अपनी अपनी रिपोर्ट में समस्या को अलग-अलग नजरिए से देखा गया है लेकिन मोटे तौर पर इन सभी की राय एक जैसी है।

मिशन इंद्रधनुष टीकाकरण का तीसरा चरण 9 अक्टूबर से

दूसरे चरण में 8116 बच्चों और 3012 गर्भवती महिलाओं को लगाए गए टीके

❖ जनभावना टाइम्स

- 14 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, टीकाकरण से छूटे बच्चों और गर्भवती को अवश्य कराएं प्रतिरक्षित

नोएडा। विशेष टीकाकरण अभियान मिशन इंद्रधनुष-5.0 का तीसरा चरण नौ अक्टूबर से शुरू होगा। तीन चरणों में आयोजित होने वाले इस अभियान के दो चरण अब तक पूरे हो चुके हैं। यह जानकारी उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर उबेद कुरैशी ने दी।

उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. उबेद कुरैशी ने बताया कि विशेष टीकाकरण अभियान मिशन इंद्र धनुष-5.0 में टीकाकरण से छूटे हुए शून्य से पांच साल तक के बच्चों और गर्भवती का टीकाकरण किया जा रहा है। इसका पहला चरण सात से 12 अगस्त तक चला। दूसरा चरण 11 से 16 सितम्बर तक चला। मिशन इंद्रधनुष टीकाकरण का विशेष अभियान है। इसमें टीकाकरण से छूटे बच्चों व गर्भवती को प्रतिरक्षित किया जाता है। नियमित टीकाकरण के लिए जनपद में सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर व्यवस्था है। शहरी क्षेत्रों में शून्य से पांच साल तक के सभी बच्चों के लिए प्रतिदिन टीकाकरण की व्यवस्था की गयी है। रविवार समेत सभी सातों दिन जिला संयुक्त अस्पताल में टीकाकरण किया जाता है।

मंगलवार से रविवार तक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध है। कहीं भी बच्चे को टीका लगवा सकते हैं। इसके अलावा टीकाकरण से छूटे बच्चों को प्रतिरक्षित करने के लिए समय- समय पर विशेष अभियान चलाए जाते हैं।

जिला वैक्सीन भंडार प्रबंधक अखिलेश कुमार ने बताया कि दूसरे चरण में 1006 नियोजित सत्र आयोजित किये गये। 8116 बच्चों और 3012 गर्भवती का टीकाकरण किया गया। अभियान के पहले चरण में 9383 बच्चों और 3365 गर्भवती का टीकाकरण किया गया। मीजल्स-रूबेला से प्रतिरक्षित करने के लिए 2140 बच्चों को एमआर-1 और 1861 बच्चों को एमआर-2 का टीका लगा। तीसरे चरण के लक्ष्य के लिए हेडकाउंट सर्वे किया जा रहा है।

स्टालिन के खिलाफ संतों का विरोध प्रदर्शन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। हिंदू संतों ने सोमवार को सनातन धर्म विवाद को लेकर द्रमुक के उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और दिल्ली में तमिलनाडु भवन के पास उनके पुतले जलाए। प्रदर्शनकारियों ने उन राजनीतिक नेताओं के खिलाफ भी नारे लगाए जिन्होंने इसी तरह की टिप्पणियां कीं और द्रमुक नेता के समर्थन में बयान जारी किए।

दिल्ली संत महामंडल के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने उदयनिधि स्टालिन और अन्य नेताओं की निंदा करने वाली तख्तियां ले रखी थीं और सरोजिनी नगर के एक मंदिर से तमिलनाडु भवन की ओर मार्च किया। पुलिस ने उन्हें अफ्रीका एवेन्यू पर रोका जिसके बाद उन्होंने उदयनिधि और अन्य के पुतले फूंके। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुखों को अपने नेताओं को 'सनातन धर्म' के खिलाफ बयान जारी करने से रोकना चाहिए और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन से अपने बेटे के कार्यों के लिए माफी की मांग की।

दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष नारायण गिरि महाराज ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि राज्य सरकारें इस मुद्दे पर चुप हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सनातन धर्म के खिलाफ राजनेताओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करती है और ऐसे राजनीतिक नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि ने हाल ही में सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से करके हंगामा खड़ा कर दिया था और इसे सामाजिक न्याय के खिलाफ बताते हुए इसके उन्मूलन का आह्वान किया था।

छोटे मोटे मामलों को पुलिस अधिकारी स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर सुलझाएंगे

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-एक (जीके) में आने वाले छोटे मोटे मामलो को पुलिस अधिकारी स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर सुलझाएंगे। इस तरह की पहल से पब्लिक और पुलिस के बीच का संबंध और माधुरी होगा। इसी पहल से स्थानीय लोगों की समस्या स्थानीय थाना स्तर पर ही खत्म हो जाएगी। इससे दिल्ली पुलिस पर बढ़ता केसों को बोझ कम होगा। और लोगों को मौके पर ही न्याय मिल सकेगा। इस तरह की बैठक के लिए आरडब्ल्यूए जीके थाना पुलिस का पूरा सहयोग करेगी।

दक्षिण जिले की डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि यहां एक जूरी प्रणाली है जिसमें क्षेत्र के सम्मानित लोगों को आमंत्रित किया जाता है। रोजमर्रा की समस्याओं जैसे पार्किंग की समस्या, घरेलू मुद्दे, छोटी-मोटी समस्याओं के लिए मामलों को उठाया जाता है और सामूहिक रूप से हल किया जाता है। उन्होंने बताया कि कई बार खास हाई सोसाइटी के लोग छोटे-छोटे मुद्दे को लेकर केस कराने पुलिस स्टेशन आ जाते हैं और पुलिस अधिकारी के समझाने पर ही वह नही मानते है। ऐसे में पुलिस को इन मामलों में भी प्राथमिकी दर्ज करनी पड़ती है। इन लोगों को लगता है पुलिस अधिकारी या तो दूसरी पार्टी का पक्ष ले रहें हैं या फिर उनका कोई लोभ है।

सांसद ने पंडित दीनदयाल उपाध्यक्ष को किया नमन

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रत्येक मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनायी। कृष्णा नगर मंडल के छिजारसी शक्ति केंद्र पर संगोष्ठी कार्यक्रम के दौरान गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा मौजूद रहे। गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल के सपने को आज भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार लगातार पूरा कर रही है। पंडित दीनदयाल का जीवन राष्ट्रसेवा और समर्पण का विराट प्रतीक है। जब भी मानवता के कल्याण की बात होगी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म, मानववाद दर्शन का सिद्धांत सम्पूर्ण मानवजाति को सदैव ध्रुव तारे की तरह मार्गदर्शित करता रहेगा। इसके अलावा श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल में महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के बारे में धारणाएं बहुत ही स्पष्ट थीं और व्यक्ति की आर्थिक उन्नति और प्रगति का पैमाना ऊंचे पायदान पर बैठे व्यक्ति से नहीं बल्कि सबसे निचले पायदान पर बैठे व्यक्ति से किया जाना चाहिए। इसी मूल मंत्र पर भाजपा की केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार काम कर रही हैं।

वहीं, महाराणा प्रताप मंडल में उपाध्यक्ष महेश अवाना, अटल विहारी मंडल में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, सैनिक विहार मंडल में क्षेत्रीय मंत्री बिजेंदर नागर, शहीद भगत सिंह मंडल में महामंत्री उमेश त्यागी, सरस्वती मंडल में महामंत्री गणेश जाटव और पंडित दीनदयाल मंडल में प्रदेश आईटी सह संयोजक हर्ष चतुर्वेदी रहे। इस मोके पर अशोक मिश्रा, बबलू यादव, पंकज झा, लोकेश कश्यप, कल्लू सिंग, गोपाल गौड़, सूरजपाल राणा, रवि यादव और उमेश यादव समेत कई लोग मौजूद रहे।

जेई पर उत्पीड़न का आरोप, परेशान परिवार पलायन को मजबूर

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। सेक्टर 49 में रहने वाला एक परिवार नोएडा से अब पलायन करने को मजबूर हो गया है। इस पूरे मामले में नोएडा प्राधिकरण के एक जूनियर इंजीनियर (जेई) के ऊपर आरोप लगाया जा रहा है। आरोप है कि प्राधिकरण के जेई ने परिवार का उत्पीड़न करने के लिए सारी हदें पार कर दी है।

सेक्टर 49 में रहने वाली वरिष्ठ नागरिक वीना चोपड़ा के परिवार का आरोप है कि वह नोएडा प्राधिकरण के जेई से काफी परेशान हो चुके हैं। बात यहां तक पहुंच गई है कि वीना चोपड़ा का परिवार नोएडा प्राधिकरण के जेई से परेशान होकर नोएडा से पलायन करके दिल्ली में बसने की तैयारी कर रहा है। इस मामले को लेकर सेक्टर 49 में रहने वाली वीना चोपड़ा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी पत्र लिखा है। इस पत्र के माध्यम से नोएडा प्राधिकरण के जेई पर उत्पीड़न करने और कराने का गंभीर आरोप लगाया है। पत्र में वीना चोपड़ा ने मुख्यमंत्री योगी से जल्द से जल्द न्याय दिलाने की मांग की है।

डायबिटीज पेशेंट को रहता है डेंगू शॉक सिंड्रोम का ज्यादा खतराः डीके गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। जो लोग डायबिटीज के शिकार होते हैं। उन्हें इस मौसम में अपनी सेहत के प्रति सावधानी बरतने की आवश्यकता है। असल में, डायबिटीज के मरीजों में रोग प्रतिरोधक क्षमता स्वस्थ लोगों की तुलना में काफी कम होती है। इसलिए, उन्हें इंफेक्शन होने के साथ-साथ डेंगू का खतरा भी ज्यादा रहता है।

फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डीके गुप्ता ने बताया कि डायबिटीज के मरीजों में ब्लड वेसल्स बहुत नाजुक हो जाती हैं। ऐसे में, ब्लड फ्लो का खतरा ज्यादा रहता है। यही कारण है कि डायबिटीज के मरीजों में डेंगू के लक्षण गंभीर हो सकते हैं। डायबिटीज मरीजों में डेंगू की स्थिति में इंटरनल ब्लीडिंग का रिस्क भी बढ़ जाता है। यही नहीं, डायबिटीज के मरीजों को डेंगू से रिकवरी में काफी ज्यादा समय भी लगता है। डेंगू होने पर मरीज का मेटाबोलिक रेट बढ़ जाता है। इससे ब्लड शुगर काफी ज्यादा फ्लक्चुएट करता है। डायबिटीज के मरीज को जब डेंगू हो जाता है, तो उनमें थ्रोम्बोसाइटोपेनिया यानी कम प्लेटलेट काउंट का खतरा बढ़ जाता है। इससे उनकी रिकवरी भी काफी धीमी हो जाती है। अनियंत्रित रक्त शर्करा के स्तर वाले लोगों को विशेष रूप से डेंगू की दुर्लभ जटिलताओं जैसे कि डेंगू शॉक सिंड्रोम विकसित होने का खतरा अधिक होता है। इससे उनमें तेज बुखार, लिवर को नुकसान और तेज ब्लीडिंग का कारण बनता है।

डेंगू शॉक सिंड्रोम डेंगू की एक ऐसी स्थिति हैं जिसमें तेज बुखार आने लगता है और साथ ही नाक और मसूड़ों से खून बहने लगता है। इसमें लिम्फ और ब्लड कोशिकाओं को नुकसान पहुंचता है। डेंगू शॉक सिंड्रोम में पीड़ित मरीज की संचार प्रणाली खत्म होने लगती है।

अगर इसे शुरुआत में ही कंट्रोल नहीं किया गया तो यह सदमे, तीव्र ब्लीडिंग से लेकर मृत्यु तक का कारण बनती है। डायबिटी रोगियों को बुखार आने को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, अगर ब्लड शुगर कंट्रोल में नहीं है तो हल्का सा भी बुखार आने पर तुरंत जांच करानी चाहिए। ब्लड टेस्ट से डेंगू को शुरुआती दिनों में ही पकड़ा जा सकता है और इसे आउट ऑफ कंट्रोल होने से पहले ही रोका जा सकता है। डेंगू से बचने के लिए डायबिटीज पेशेंट को अपने ब्लड शुगर को कंट्रोल करना होगा ताकि इसके गंभीर जटिलताओं के जोखिम को कम किया जा सके।

देसी तमंचा लेकर मेट्रो में सफर करने वाला युवक गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-52 के मेट्रो स्टेशन पर एक युवक तमंचा लेकर पहुंच गया। जांच के दौरान सीआइएसएफ के जवान ने तलाशी के दौरान तमंचा बरामद किया। सीआइएसएफ के जवानों ने आरोपी युवक को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ अवैध हथियार रखने का मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। सीआइएसएफ के उप निरीक्षक नीरज कुशवाह ने दर्ज कराई एफआइआर में बताया कि बीती देर शाम वह सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर ड्यूटी कर रहे थे। रात करीब आठ बजकर 23 मिनट पर एक यात्री आया। उसने बताया कि उसके पास हस्तनिर्मित तमंचा है। सुरक्षाकर्मियों ने उससे दिखाने को कहा। उसने बताया कि वह गलती से तमंचा अपने साथ ले आया है। आरोपी ने अपना नाम मुनव्वर निवासी जाकिर करालोनी मेरठ बताया। सीआइएसएफ के जवानों ने आरोपी मुनव्वर को हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया। वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संदीप चौधरी ने बताया कि आरोपित के खिलाफ अवैध हथियार रखने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

सीएम योगी से मुलाकात नहीं होने से धरना दे रहे किसान नाराज

❖ जनभावना टाइम्स

- प्रसीपी ने किसानों को दिया था आश्वासन
- जल्द सीएम से होगी किसानों की मुलाकातःसीपी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर पिछले कई महीनों से चल रहे किसानों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने की इच्छा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से की थी। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने किसानों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कराने का आश्वासन भी दिया था। लेकिन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से किसानों की मुलाकात नहीं होने के चलते अब किसान काफी ज्यादा नाराज हो गए हैं।

वहीं, किसानों को पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने दोबारा आश्वासन दिया है कि काफी जल्द ग्रेटर नोएडा के किसानों की लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करवाई जाएगी। किसान नेता जगबीर नंबरदार ने बताया कि पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने आश्वासन दिया था कि उनकी मुलाकात ग्रेटर नोएडा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से करवाई जाएगी। बीते रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा में स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आए थे।

समय के अभाव के चलते किसानों की मुलाकात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नहीं हो सकी। अब पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने दोबारा आश्वासन दिया है कि काफी जल्द ग्रेटर नोएडा के किसानों का प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने के लिए लखनऊ रवाना होगा।

24 घंटे के भीतर सनसनीखेज हत्या का खुलासा, 4 गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की पुलिस स्टेशन गीता कॉलोनी पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सनसनी खेज हत्या का खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।इनके कब्जे से अपराध करते समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए है। आरोपियों की पहचान यश 24 वर्ष, सोनू उर्फ पंकज उम्र- 22 वर्ष, चंदू उर्फ चंदर प्रकाश उम्र-24 साल निवासी मकान न्यू लाहौर शास्त्री नगर और राहुल तिवारी उम्र- 23 वर्ष निवासी रानी गार्डन के रूप में हुई है।

शाहदरा जिले के डीसीपी रोहित मीना ने बताया कि 23/24 सितंबर 23 की मध्यरात्रि को लगभग 12.17 बजे मूलचंद डिस्पेंसरी न्यू लाहौर गीता कॉलोनी के पास झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल थाना गीता कालोनी पर प्राप्त हुई। गीता कॉलोनी पीसीआर स्टाफ और स्थानीय पुलिस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और घटनास्थल पर पहुंचे। पीसीआर वैन ने घायल को तुरंत एसडीएन अस्पताल पहुंचाया। जहा डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। चुनौतीपूर्ण स्थिति को देखते हुए एसीपी गांधी नगर चंदर कांता की देखरेख में एसएचओ सत्यवान के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

टीम ने पीड़ित की पहचान रहबर निवासी रशीद बाजार जगतपुरी के रूप में किया। सूचना के अनुसार टीम ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन और लाहौरी गेट पर छापेमारी कर शुरुआती कुछ ही घंटों में दोनों संदिग्धों यश और राहुल को फ्लाईओवर एसडीएम कार्यालय शास्त्री नगर से पकड़ लिया। पूछताछ में यश ने आगे खुलासा किया कि एक दोस्त रहीस का मृतक रहबर के साथ पैसों को लेकर विवाद था। यश ने अपने साथियों राहुल तिवारी, सोनू उर्फ पंकज और चंदू उर्फ चंदर के साथ मिलकर मृतक रहबर को पकड़ लिया। और जान से मारने की नियत से मृतक रहबर को लात, घूसों और डंडों से मारा। जब मृतक बेहोश हो गए तो वे सब लोग मौके से भाग गए। और पुलिस से बचने के लिए गुप्त ठिकानों में छिप गए। इनकी निशानदेही पर दो और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जिला अस्पताल में बढ़ रही वाहनों की चोरी

नोएडा। सेक्टर 39 स्थित जिला अस्पताल में इन दिनों दो-पहिया वाहनों की लगातार चोरी हो रही है। थाना सेक्टर 39 में पड़ने वाले जिला अस्पताल में अब तक कई दो पहिया वाहनों की चोरी हो चुकी है। पीड़ितों ने इस संबंध में पुलिस थाने में शिकायत भी दर्ज करा रखी है। ग्रेटर नोएडा एक्सटेशन के सुपरटेक इको विलेज 2 में रहने वाली पल्लवी चतुर्वेदी ने थाना सेक्टर 39 में दर्ज शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी मैटेलिक ब्लैक रंग की स्कूटी जिला अस्पताल की पार्किंग में खड़ी की थी।

जब वह 2 घंटे बाद अस्पताल से बाहर निकली तो पार्किंग से उनकी स्कूटी गायब थी। इसके अलावा थाना 39 में ही साधना पत्नी सचिन निवासी सिकंदराबाद जिला बुलंदशहर ने एक शिकायत दर्ज करायी है कि वह अपने पति सचिन के साथ सेक्टर 39 के जिला अस्पताल में दवाई लेने के लिए आई थी। जिला अस्पताल के मेन गेट पास अपनी बाइक खड़ी की थी। जब वह दोनों दवा लेकर बाहर आए मेन गेट पर खड़ी उनकी बाइक चोरी हो चुकी थी।

वाहन चोरी कर चेसिस नंबर में छेड़छाड़ करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा की दक्षिणी रेंज टीम ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 6 वाहन के साथ 3 शातिर चोर को गिरफ्तार किया है।इनके कब्जे से चेसिस/इंजन नंबर से छेड़छाड़ में इस्तेमाल अत्याधुनिक उपकरण, मार्किंग मशीन और फर्जी दस्तावेज बरामद किए है।

विशेष पुलिस आयुक्त अपराध रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि दक्षिणी रेंज अपराध शाखा की टीम ने 3 आरोपीयों मनीष उर्फ हर्षित उम्र 22 वर्ष निवासी सेक्टर-104, गुरुग्राम, अमन गर्ग उम्र 27 वर्ष निवासी जगाधरी, यमुनानगर हरियाणा और रूपेंद्र सिंह उम्र 25 वर्ष निवासी मोहन गार्डन उत्तम नगर को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह चेसिस नंबरों से छेड़छाड़ करके और जाली कागजात तैयार करके चोरी के महंगे वाहनों को कार डीलर कंपनियों को धोखा देकर बेच देता था। चोरी के कुल 6 वाहन भी बरामद किए गए जिनके जाली दस्तावेज तैयार कर स्पिनी कार कंपनी व व्यापारी को बेच दिया गया था।

उप-निरीक्षक अनुराग त्यागी को गुप्त सूचना मिली कि एक वाहन चोर गिरोह चोरी के महंगे वाहनों के चेसिस नंबर से छेड़छाड़ कर व जाली दस्तावेज तैयार कर उन वाहनों को बेचने में शामिल है। तदानुसार उपायुक्त अंकित सिंह द्वारा सहायक आयुक्त नरेश सोलंकी की देखरेख में निरीक्षक गोविंद चौहान के नेतृत्व एक टीम का गठन किया। टीम ने उपरोक्त सुचना के अनुसार छापा मारा कर आरोपी मनीष उर्फ हर्षित को गिरफ्तार कर लिया गया और जाली नंबर की एक मारुति स्विफ्ट कार बरामद की गई। पूछताछ के दौरान मनीष ने खुलासा किया कि वह अपने सहयोगी अमन गर्ग, निवासी यमुना नगर के साथ चेसिस नंबरों से छेड़छाड़ कर व जाली दस्तावेज तैयार कर चोरी के महंगे वाहनों को स्पिनी कार कंपनी में बेचता था। आरोपी की निशानदेही पर अमन गर्ग को मुलाना को अंबाला से गिरफ्तार किया गया।

उसकी निशानदेही पर स्पिनी कार कंपनी को बेचीं गयी चोरी की टोयोटा फॉर्च्यूनर कार को जब्त कर लिया गया। आरोपी रूपेंद्र का भी पता लगाया गया और उसे सेक्टर-17 द्वारका सुप्रीम कार्ज शोरूम से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ करने पर उसने खुलासा किया कि अमित गहलावत, निवासी नजफगढ़, शोरूम का मालिक है और अंतरराज्यीय गिरोह का सरगना है।

वह चेसिस नंबरों से छेड़छाड़ कर फर्जी दस्तावेज बनाकर चोरी के वाहनों को बेच देता था। उसने आगे खुलासा किया कि अमित गहलावत अपने चचेरे भाई सुरेंद्र के माध्यम से चोरी के वाहन खरीदता था। आरोपी रूपेंद्र की निशानदेही पर अमित गहलावत और सुरेंद्र के ठिकानों पर छापेमारी की गई लेकिन वह अभी भी फरार हैं। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

प्रदूषण पर सरकार ने निर्माण एजेंसियों के लिए जारी किए 14 सूत्रीय निर्देश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करने के उपायों पर काम तेज कर दिया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को सरकारी और निजी निर्माण एजेंसियों के 200 से अधिक प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और धूल प्रदूषण रोकने के लिए 14 सूत्रीय दिशा-निर्देशों का पालन करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि मानदंडों का पालन नहीं करने वाली सरकारी और निजी एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सभी सरकारी और प्राईवेट निर्माण एजेंसी को गाइडलाइन के संदर्भ में कंस्ट्रक्शन कर्मचारियों को साइट पर ही ट्रेनिंग देना अनिवार्य है और ट्रेनिंग सामग्री डीपीसीसी द्वारा एजेंसी को उपलब्ध कराई जाएगी। निर्माण एजेंसी को 5 हजार वर्ग मीटर की निर्माण साईट पर एंटी स्मॉग गन लगाना अनिवार्य होगा। सरकार सर्दियों में प्रदूषण से निपटने के लिए 15 फोकस बिंदुओं पर विंटर एक्शन प्लान तैयार कर रही है, जिसमें धूल प्रदूषण पर अंकुश लगाना भी शामिल है।

बैठक में सभी सरकारी और प्राइवेट निर्माण एजेंसी को प्रदूषण रोकने के लिए 14 सूत्रीय दिशा-निर्देशों को विस्तार से बताया गया और सख्ती से उसका अमल करने

का निर्देश दिया गया। इस दौरान निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए गए। गोपाल राय ने सभी सरकारी और प्राईवेट निर्माण एजेंसी को गाइडलाइन के संदर्भ में कंस्ट्रक्शन कर्मचारी को साईट पर ही ट्रेनिंग देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण हमारी और हमारे बच्चों की जिंदगी से जुड़ा मुद्दा है। सभी को मिलकर सांसों को बचाने के लिए लड़ना होगा। इसलिए सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी के साथ निभानी होगी।

धूल प्रदूषण रोकने को लेकर सरकारी और निजी एजेंसियों को करना होगा इन निर्देशों का पालन

- निर्माण स्थल के चारों ओर उचित ऊंचाई पर टीन की दीवार खड़ी करनी होगी और निर्माण स्थल चारों तरफ से ढका होना चाहिए।
- 5 हजार वर्गमीटर से लेकर उससे अधिक के एरिया के निर्माण साइट पर एंटी स्मोग गन लगाना अनिवार्य
- ध्वस्तीकरण या निर्माण का कार्य होने पर उसे तिरपाल या ग्रीन नेट से ढकना अनिवार्य होगा।
- निर्माण स्थल तक निर्माण सामग्री को लाने-ले जाने वाले वाहनों की सफाई करना अनिवार्य होगा।
- निर्माण सामग्री ले जा रहे वाहनों को पूरी तरह से ढकना होगा और इस बात का ध्यान रखना होगा कि रास्ते में वह न गिरे।
- निर्माण सामग्री और ध्वस्तीकरण के अवशिष्ट को केवल आवंटित क्षेत्र के अंदर संग्रहित करना होगा और निर्माण सामग्री या अवशिष्ट का सड़क के किनारे भंडारण पर प्रतिबंध रहेगा।
- मिट्टी या बालू को बिना ढके नहीं रखा जाएगा। कई जगह निर्माण साइट पर बालू या मिट्टी को खुला छोड़ दिया जाता है।
- निर्माण कार्य में जो पत्थरों की कटिंग की जाती है, वह खुले में नहीं होनी चाहिए।
- निर्माण स्थल पर धूल से बचाव के लिए लगातार पानी का छिड़काव करना होगा।
- बड़े निर्माण स्थल (20 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र) में निर्माण और ध्वस्तीकरण स्थल पर जाने के लिए सड़क पक्की हो या ब्लैकडाक्स की बनाई जाए।
- निर्माण या ध्वस्तीकरण से उत्पन्न अपशिष्ट को प्रसंस्करण साइट या चिन्हित साइट पर ही निस्तारण किया जाए और रिकार्ड भी रखा जाए, जिससे यह रिकार्ड में रहे कि निर्माण साइट से कूड़ा निकला है, तो वह कहां गया।
- निर्माण स्थल पर लोडिंग या अनलोडिंग में जितने कर्मचारी काम करते हैं, निर्माण कंपनी को उन्हें डस्ट मास्क देना अनिवार्य है।
- निर्माण स्थल पर श्रमिकों की चिकित्सा की उचित व्यवस्था की जाए।
- निर्माण स्थल पर धूल कम करने के उपायों को प्रमुखता से प्रदर्शित करना।

दिल्ली मेट्रो में अश्लील हरकत करते कपल का विडियो वायरल

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो किसी न किसी बात को लेकर सुर्खियों में बनी रहती है। ताजा मामला किस करते एक कपल का विडियो वायरल हो रहा है। ये विडियो कब का है, यह तो पता नहीं चल पाया है। लेकिन दिल्ली मेट्रो में हाल के दिनों में इस तरह की घटनाएं दिख रही हैं। दिल्ली मेट्रो यात्रियों से ऐसी हरकतों से दूर रहने की अपील करता रहा है। हाल के दिनों में दिल्ली की लाइफलाइन कहे जाने वाली मेट्रो में इस तरह के कई विडियो सामने आए हैं। अनजान तारीख वाले इस विडियो में चलती मेट्रो में दरवाजे के नजदीक एक कपल किसिंग करते दिख रहे है। सोशल मीडिया पर दिख रहे इस विडियो को द्वारका मोड़ के पास का बताया जा रहा है। साथ ही वीडियो में मेट्रो के अनाउंसर द्वारा अगले स्टेशन द्वारका मोड़ आने की घोषणा की जा रही है। इस विडियो पर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने डीएमआरसी से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब दिल्ली मेट्रो से इस तरह का वीडियो सामने आया है। इससे पहले भी कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ चुके हैं, जिसमें लोग डांस करते, सीट के लिए एक-दूसरे से झगड़ते नजर आ रहे थी। साथ ही कई कपल्स चलती ट्रेन में अश्लील हरकतें और कई लोग मेट्रो में अमर्यादित कपड़ों यात्रा करने को लेकर चर्चा के केंद्र में आए थे।

सड़कों को बनाएं यूजर फ्रेंडली, अफसरों को आतिशी ने दिए आदेश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने सोमवार को अधिकारियों के साथ दिल्ली विधानसभा से दिल्ली सचिवालय के बीच सिविल लाइन टी-जंक्शन से आईएसबीटी कश्मीरी गेट तथा वहां से रिंग रोड पर दिल्ली सचिवालय तक की सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों व फुटपाथ के रखरखाव, हार्टिकल्चर, ड्रेनेज व क्रॉसिंग को और ज़्यादा सुरक्षित व यूजर फ्रेंडली बनाने के तत्काल जरूरतों पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री ने पाया कि सड़क पर फुटपाथ की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, हार्टिकल्चर में भी एकरूपता नहीं है, ड्रेनेज सिस्टम को ठीक करने की जरुरत है। नियमित रखरखाव की कमी है। उन्होंने पाया कि इन सड़कों पर अभी सुधार व सौंदर्यीकरण की काफी गुंजाइश है।

फुटपाथ के कुछ हिस्सों में पीडब्ल्यूडी मंत्री ने पाया कि, पेड़ों की समय पर छंटाई न होने से वो फुटपाथ के हिस्सों को घेर रहे है, और पैदल यात्रियों के मार्ग को असुरक्षित बनाते हुए उसे अवरुद्ध कर रहे है। इसपर पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा से दिल्ली सचिवालय तक की सड़क जिसमें आईएसबीटी कश्मीरी गेट की सड़क भी शामिल है, शहर के सबसे व्यस्त व प्रमुख सड़कों में शामिल है और रोजाना इन सड़कों पर लाखों वाहनों की आवाजाही होती है। उसके बाद भी यहाँ सड़कों व फुटपाथ की अच्छी हालत न होना बेहद ग़लत गई। अरविंद केजरीवाल सरकार में ये क़तई बर्दाश्त नहीं होगा।

संक्षिप्त खबरें

सत्येन्द्र जैन की अंतरिम जमानत 9 अक्टूबर तक बढ़ी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन को मेडिकल आधार पर दी गई अंतरिम जमानत की अवधि 8 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। यह मामला जस्टिस एएस बोपन्ना और बेला एम त्रिवेदी की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था और मामले पर आगे की सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी। जैन को चिकित्सा आधार पर दी गई अंतरिम जमानत समय-समय पर बढ़ाई जाती है। 26 मई को, शीर्ष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैन को छह सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दी थी, लेकिन कई शर्तें लगाईं, जिनमें मीडिया से बात न करना या बिना अनुमति के दिल्ली छोड़ने की शर्त शामिल थी। इसने उनसे अपने चिकित्सा उपचार के लिए अपनी पसंद का कोई भी अस्पताल चुनने के लिए भी कहा था। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कर दिया था कि अंतरिम जमानत पर चिकित्सीय स्थिति में विचार किया जाता है।

छात्रा ने पानी की जगह पिया तेजाब, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली के गोकुलपुरी में 11वीं की छात्रा अलशिफा (16) ने भूल से पानी की जगह तेजाब पी लिया। जलन होने पर उसने शोर मचाकर परिवार को खबर दी। परिजन उसे नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां से उसे जीटीबी रेफर कर दिया गया। अस्पताल में छात्रा की हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर परिवार से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। इस बात का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि छात्रा ने गलती से तेजाब पिया या फिर उसने जानबूझकर ऐसा किया। पुलिस के अनुसार, अलशिफा परिवार के साथ चांदबाग इलाके में रहती है। परिवार में मां के अलावा तीन बहनें और भाई है। छात्रा पास के सरकारी स्कूल में पढ़ती है। रविवार दोपहर वह घर पर मौजूद थी। परिजनों का कहना है कि उसने लॉबी में रखी तेजाब की बोतल को पानी समझकर पी लिया। तेजाब पीते ही उसे तेज जलन होने लगी। उसने शोर मचाया। परिजन उसे नजदीकी नर्सिंग होम लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी तबीयत बिगड़ चुकी थी। उसे फौरन बड़े अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ट्रक और ट्रैक्टर ट्रॉली की भीषण टक्कर, एक की मौत

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के शास्त्री पार्क इलाके में जीटी रोड पर ट्रक और ट्रैक्टर की टक्कर में ट्रैक्टर सवार एक युवक की मौत हो गई है। जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों को को टीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक कि पहचान नहीं हो पाई है। दरअसल मृतक ने ट्रैक्टर चालक से लिफ्ट लिया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल कि मोर्चेरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है। ट्रैक्टर आईएसबीटी कश्मीरी गेट होते हुए मेरठ जा रहा था। मृतक युवक ने ट्रैक्टर चालक से आईएसबीटी पर लिफ्ट ली थी।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रैक्टर ट्रॉली को ट्रक ने पीछे से टक्कर मारी दी थी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक बीच सड़क पर पलट गई। साथ ही ट्रैक्टर पर मौजूद लोग

उछल कर सड़क पर जा गिरे घायलों को जग प्रवेश अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत्यु घोषित कर दिया घायलों को जीटीवी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घायलों की पहचान मेरठ निवासी अनिल, झारखंड निवासी हरिलाल, मेरठ निवासी सलीम और मेरठ निवासी अमन के तौर पर हुई है। घटना के बाद से ही ट्रक चालक फरार हैं, जिसकी तलाश कि जा रही हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद से ही दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को क्रेन की मदद से सड़क से हटाकर जब्त कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भारद्वाज ने एचसी डिस्पेंसरी का किया निरीक्षण, दांतों के डॉक्टरों की नियुक्ति का दिया भरोसा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय डिस्पेंसरी का दौरा किया और प्रदान की गई सुविधाओं का जायजा लिया। मंत्री भारद्वाज ने दौरे के बाद कहा कि हमें बार एसोसिएशन से संदेश मिला कि दिल्ली हाई कोर्ट में स्वास्थ्य सेवाओं में कुछ सुधार की जरूरत है। इसलिए औचक निरीक्षण किया गया। हमें बताया गया कि एक दंत चिकित्सक की आवश्यकता है और जल्द ही एक दंत चिकित्सक की नियुक्ति की जाएगी।

आधुनिक उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। मंत्री ने डिस्पेंसरी प्रभारी और डॉक्टरों के साथ एक संक्षिप्त बैठक की। अपने दौरे के दौरान, उन्हें

एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड मशीनों को अपग्रेड करने, फिजियोथेरेपी सेंटर में वैक्स थेरेपी प्रदान करने और सप्ताह में दो बार एलएनजेपी अस्पताल के एक विशेषज्ञ के दौरे सहित अन्य आवश्यकताओं के बारे में अवगत कराया गया। मंत्री भारद्वाज ने डिस्पेंसरी में दंत चिकित्सक कक्ष और फिजियोथेरेपी सेंटर का भी दौरा किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही औषधालय में एक दंत चिकित्सक की तैनाती की जाएगी।

न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा को डिस्पेंसरी की आवश्यकताओं के बारे में भी अवगत कराया गया। इस मौके पर वरिष्ठ डॉक्टर मोहित माथुर ने कहा कि 24*7 आपातकालीन हेल्पलाइन की जरूरत है. उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले एक वादकारी मध्यस्थता केंद्र में बेहोश हो गया था। उन्होंने बताया कि बार-बार आपातकालीन कॉल की गईं लेकिन अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। एलएनजेपी अस्पताल के निदेशक डॉ. सुरेश कुमार, अन्य डॉक्टर, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर और सचिव संदीप शर्मा भी मंत्री के दौरे के दौरान उनके साथ थे।

एनडीएमसी स्कूल के विद्यार्थी कचरा निपटान केंद्र का करेंगे दौरा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के सप्ताह भर चलने वाले समारोह के अंतर्गत, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने एम्स के पास एनडीएमसी सामग्री रिकवरी सुविधा (एमआरएफ) सह ट्रांसफर स्टेशन और कचरा निपटान केंद्र में अपने विभिन्न स्कूलों के छात्रों और शिक्षकों के रोजाना दौरे आयोजित किए है।

इस स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एनडीएमसी के 21 स्कूलों के लगभग 2000 छात्र कचरा निपटान के चक्र और 3आर के

महत्व को सीखने के लिए एमआरएफ – कम - ट्रांसफर स्टेशन और कचरा निपटान केंद्र का दौरा करेंगे। कचरा निपटान सुविधा स्थान के इस दौरे पर शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को जायेगा कि कैसे स्रोत पर कचरा पृथक्करण, पुनर्चक्रण और उचित निपटान ने शहर की कचरा समस्या को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यदि हम एकजुट होकर इसे हासिल कर लेते हैं, तो हम अपने देश को 'कचरा मुक्त भारत' बना सकते हैं, जो इस वर्ष के स्वच्छता पखवाड़ा की मुख्य उद्घोषणा है।

स्कूली विद्यार्थियों के इन दौरों का मुख्य आकर्षण रीसाइक्लिंग अनुभाग है, जहां छात्र देखते हैं कि कैसे प्लास्टिक की बोतलें, कागज और धातु को उपयोगी उत्पादों में बदल दिया गया, जो उनके लिए अचंभित करने वाला होता है।बता दे कि एनडीएमसी 15 सितंबर 2023 से 2 अक्टूबर 23 के बीच स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का आयोजन कर रही है। एनडीएमसी 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस भी मनाएगी।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भाजपा ने पुष्पांजलि अर्पित की

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। भाजपा के प्रेरणा स्त्रोत पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती के अवसर पर दिल्ली भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर प्रदेश संगठन मंत्री पवन राणा एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। शाम

को दिल्ली भाजपा के हजारों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विशाल प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में सम्मलित हुए और पुष्पांजलि अर्पित की।

'कोटा सिंड्रोम' से युवा कैसे बचें, डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में विशेषज्ञों ने बताए तरीके

नई दिल्ली। डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'आत्महत्याः निवारण एवं चुनौतियाँ' विषय पर सोमवार को विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विद्वान वक्ताओं ने इस विषय पर अपने विचार रखे। इस कार्यशाला में विविध अकादमिक संस्थानों में पढ़ने वाले युवा तथा किशोरों ने शिरकत की।

हाल ही में कोटा, राजस्थान और अन्य संस्थानों में हो रही आत्महत्याएँ गहन चिंता का विषय हैं जिससे इस मानसिक संकट को संबोधित किया जाना और इनका समाधान तलाशना अनिवार्य हो चला है। इस कोटा-सिन्ड्रोम ने कोचिंग-व्यवस्था के विघातक तत्त्वों को उजागर कर दिया जिसके चलते झूठे सपनों को बढ़ावा देकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की सहज योग्यता और वास्तविक क्षमताओं को हतोत्साहित किया जाता है।

डॉ.जसवंत जसवंत जांगरा ने प्रत्येक विद्यार्थी की अभिरुचि पहचानने पर बल देते हुए कहा कि विद्यार्थी को अपनी योग्यता भावात्मक क्षमता के अनुरूप अपने कैरियर के चयन का अवसर मिलना चाहिए। इस अवसर पर बोलते हुए; 'अवसाद और आत्महत्या' विषय पर प्रसिद्ध पुस्तक के लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार दया शंकर मिश्र ने छात्रों से खुले संवाद के द्वारा उनकी विशिष्ट बौद्धिक तथा भावनात्मक क्षमता को सुदृढ़ करने के महत्त्व को रेखांकित किया। मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार ने इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को ऐसा इको-सिस्टम बनाना चाहिए जिसमें बच्चों की स्वतंत्रता और ऑटोनोमी बनी रह सके।

उन्होंने आगे कहा कि हमें ऐसा परिवेश बनाना होगा जिसमें छात्र अपनी अभिव्यक्ति बिना संकोच के कर पाएं। विद्यार्थियों जीवन की विविधता और उन क्षेत्रों में सफलता और रोजगार के अवसरों से परिचित करवाया जाना आवश्यक है न किसी एक क्षेत्र में उनको धकेल कर असफलता के छोड़ दिया जाना।

6 साल से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

नई दिल्ली। द्वारका जिले की साउथ थाना पुलिस ने 6 साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल, आरोपी अलग-अलग मामलों में पिछले छह वर्ष से फरार चल रहा था। आरोपी की पहचान

सनद कुमार निवासी टिकरी कला के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। द्वारका जिले के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया कि 2017 में आरोपी के खिलाफ पंजाबी बाग थाना में अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। आरोपी को दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने बाद में भगोड़ा भी घोषित कर दिया था। इसी बीच द्वारका साउथ थाना के सेक्टर 1 पुलिस चौकी में तैनात हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह को इस फरार आरोपी के बारे में सूचना मिली, की आरोपी हरियाणा में छुपा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम ने काम करना शुरू किया और फिर एसीपी द्वारका मदनलाल मीणा की देखरेख में एसएचओ द्वारा साउथ आशीष कुमार दुबे, द्वारका सेक्टर -1 चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर तरुण राणा, हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह, प्रवेश और देवेंद्र की टीम ने सूचना के आधार पर टेक्निकल सर्विलांस की मदद से छापा मार कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया की सजा से बचने के लिए सरेंडर नहीं कर रहा था और इधर-उधर अपना ठिकाना बदल रहा था।

एम्स दिल्ली ने भव्य उत्सव के साथ मनाया 68वां स्थापना दिवस

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली ने सोमवार को अपना 68वां स्थापना दिवस एक भव्य उत्सव के साथ मनाया, जिसने स्वास्थ्य देखभाल उत्कृष्टता और चिकित्सा नवाचार के प्रति अपनी स्थायी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। उत्सव 25 सितंबर से शुरू हुआ है और 27 सितंबर 2023 तक जारी रहेगा। इसमें प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर और एम्स समुदाय के सदस्य एक साथ रहेंगे।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'भारत की स्वास्थ्य देखभाल सुरक्षा में अग्रणी एम्स' शीर्षक वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन और दौरा था। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एस.पी. सिंह बघेल ने किया, जिन्होंने भारत में स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने में अथक प्रयासों के लिए एम्स नई दिल्ली की सराहना की। अपने संबोधन में प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने कहा, ₹एम्स नई दिल्ली भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एक मार्गदर्शक बना हुआ है। यह मानवता की सेवा में उत्कृष्टता और समर्पण का प्रतीक है।

इस अवसर पर स्वागत भाषण करते हुए एम्स दिल्ली के निदेशक डॉ. (प्रो.) एम. श्रीनिवास ने सभी उपस्थित लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने, अभूतपूर्व अनुसंधान करने और पोषण करने के लिए एम्स की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। भविष्य के स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर। डॉ. (प्रो.) एम. श्रीनिवास ने कहा कि पिछले 68 वर्षों में हमारी यात्रा उल्लेखनीय उपलब्धियों और अटूट समर्पण द्वारा चिह्नित की गई है।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

संकट में जोशीमठ

आदि शंकराचार्य के शहर जोशीमठ के अस्तित्व पर सकंट गहरा रहा है। धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस शहर पर मंडराते खतरे को लेकर सभी चिंतित हैं। जोशीमठ भौगोलिक दृष्टि से भले ही खतरनाक है लेकिन यह कई पर्यटन और धार्मिक स्थानों पर जाने का गेटवे है, जैसे-बद्रीनाथ, हेमकुंड साहिब, वैली ऑफ फ्लॉवर्स, औली, तुंगनाथ और चोपटा। यहां पर्यटक सुविधाओं के चक्कर में अवैज्ञानिक विकास कार्य होते रहे लेकिन किसी ने भी जमीन की जांच नहीं कराई। बेतरतीब निर्माण से जोशीमठ की भार सहने की क्षमता खत्म हो गई। वेस्टवाटर और बारिश के पानी के बहाव की वजह से जोशीमठ की नींव कमजोर हुई। जोशीमठ में भू-धंसाव के कारणों को लेकर एनडीआरएफ ने एक रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, जिसमें बताया गया है कि यह शहर लैंड स्लाइड की वजह से इकट्ठा हुई जमीन पर बसा है। यहां पर जनसंख्या और घनत्व ज्यादा होने की वजह से कई जगहों पर इसका असर देखने को मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जोशीमठ अपनी क्षमता से ज्यादा बसा हुआ है इसलिए अब यहां पर नए कंस्ट्रक्शन की कोई गुंजाइश नहीं है। इसलिए इसमें सिफारिश की गई है कि इस क्षेत्र को नो न्यू कंस्ट्रक्शन जोन बना देना चाहिए। 2011 की जनगणना के मुताबिक जोशीमठ की जनसंख्या 16,700 के करीब थी और इसका घनत्व 1,454 प्रति वर्ग किलोमीटर था। अब इस शहर की आबादी बढ़कर करीब 25000 हो गई है। दूसरी ओर 180 पन्नों की रिपोर्ट में सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च संस्थान ने जोशीमठ में वर्तमान निर्माण प्रथाओं पर खड़े किए हैं और इनकी समीक्षा करने को कहा है। वहीं भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की रिपोर्ट में कहा है कि क्षेत्र में उन जगहों पर मकानों में ज्यादा बड़ी दरारें और भूधंसाव देखा गया जहां पर घनी आबादी थी और बहुमंजिला इमारतें बनी हुई थी। मोराइन के मलबे पर बसा जोशीमठ का ज्यादातर हिस्सा ढलानों पर है। ढलानों की मिट्टी की ऊपरी परत कमजोर है। साथ ही इसके ऊपर वजन बहुत ज्यादा, जिसकी वजह से ये खिसक रही है। इसके साथ ही सही सीवेज सिस्टम न होने की वजह से मिट्टी अंदर से स्पॉन्ज की तरह खोखली हो गई है। लगातार पानी के रिसने की वजह से मिट्टी की परतों में मौजूद चिकने खनिज बह गए, जिससे जमीन कमजोर होती चली गई। ऊपर से लगातार हो रहे निर्माण का वजन यह प्राचीन मलबा सह नहीं पाया। साल 1976 में भी चेतावनी जारी की गई थी कि उत्तराखंड के जोशीमठ की भौगोलिक हालत ठीक नहीं है। सुधार के लिए विकास और प्रकृति में वैज्ञानिक संतुलन जरूरी है लेकिन मानता कौन है? न लोग मानते हैं, न ही सरकार और प्रशासन। धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जोशीमठ पर ध्यान न दिया तो वह दिन दूर नहीं जब वह इतिहास बनकर रह जाएगा। इसलिए सरकार को यहां अनियोजित विकास,आबादी की बसावट के साथ निर्माण परियोजनाओं पर ध्यान देने की जरूरत है।

नए गलियारे से भारतीय संस्कृति का विस्तार

- प्रहलाद सबनानी

आज हवाई यातायात के साधन तो पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं परंतु यह एक बहुत खर्चीला साधन है इसलिए इसका उपयोग साधारण नागरिक के लिए बहुत मुश्किल है। इस दृष्टि से हाल ही में भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे की घोषणा से इस रूट पर पड़ने वाले समस्त देशों के बीच व्यापार के साथ साथ इन देशों के आम नागरिकों के बीच आपसी सम्पर्क बढ़ने की सम्भावना भी बढ़ गई है। उक्त आर्थिक गलियारे की घोषणा भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय संघ ने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान की है। इससे एशिया, अरब की खाड़ी और यूरोप के बीच बढ़ी हुई कनेक्टिविटी और आर्थिक एकीकरण के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रोत्साहन के साथ ही इन देशों के नागरिकों के बीच आपसी सम्बंध प्रगाढ़ होने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है।

आज विश्व के कई देश विभिन्न प्रकार की राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। जबकि भारत न केवल आर्थिक बल्कि राजनैतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में भी तुलनात्मक रूप से बहुत मजबूत स्थिति में दिखाई दे रहा है, इसलिए विश्व के कई देश आज अपनी विभिन्न प्रकार की समस्याओं के हल के लिए भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। किसी भी देश के लिए अपने नागरिकों का अन्य देशों के नागरिकों से सीधा सम्पर्क स्थापित करने के लिए यातायात के साधनों का विकसित अवस्था में होना बहुत जरूरी है। इससे व्यापार के साथ साथ एक दूसरे देश की संस्कृति को समझने एवं अपनाने का मौका मिलता है। हालांकि, आज हवाई यातायात के साधन तो पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं परंतु यह एक बहुत खर्चीला साधन है इसलिए इसका उपयोग साधारण नागरिक के लिए बहुत मुश्किल है। इस दृष्टि से हाल ही में भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे की घोषणा से इस रूट पर पड़ने वाले समस्त देशों के बीच व्यापार के साथ साथ इन देशों के आम नागरिकों के बीच आपसी सम्पर्क बढ़ने की सम्भावना भी बढ़ गई है।

उक्त आर्थिक गलियारे की घोषणा भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय संघ ने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान की है। इससे एशिया, अरब की खाड़ी और यूरोप के बीच बढ़ी हुई कनेक्टिविटी और आर्थिक एकीकरण के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रोत्साहन के साथ ही इन देशों के नागरिकों के बीच आपसी सम्बंध प्रगाढ़ होने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। उक्त गलियारा भारत से संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन और इजराइल के माध्यम से यूरोप तक विस्तारित होगा। उक्त घोषणा के अंतर्गत दो अलग-अलग गलियारे शामिल होंगे। एक, पूर्वी गलियारा जो भारत को पश्चिम एशिया से जोड़ेगा और दूसरा, उत्तरी गलियारा जो पश्चिम एशिया को यूरोप से जोड़ेगा। इसमें एक

रेल लाइन शामिल होगी जिसका निर्माण पूर्ण होने पर यह दक्षिण पूर्व एशिया से भारत होते हुए पश्चिम एशिया तक माल एवं सेवाओं के परिवहन को बढ़ावा देने वाले मौजूदा मल्टी-मॉडल परिवहन मार्ग के पूरक के तौर पर एक विश्वसनीय एवं किफायती सीमा-पार जहाज-से-रेल पारगमन नेटवर्क प्रदान करेगी।

दरअसल चीन ने वर्ष 2016 में वन बेल्ट वन रोड परियोजना (बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) प्रारम्भ की थी। इस परियोजना में एशिया, यूरोप एवं अफ्रीका के बीच भूमि और समुद्र के माध्यम से कनेक्टिविटी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इस परियोजना से आज लगभग समस्त सदस्य देश परेशान है क्योंकि चीन ने इसके जरिये कई देशों को कर्ज के जाल में फंसा दिया है तथा साथ ही वह अपनी विस्तारवाद की नीति को भी इस योजना के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है। इसलिए इटली द्वारा इस परियोजना से बाहर निकलने पर विचार किया जा रहा है जिससे चीन को बड़ा झटका लगा है।

चीन के खास दोस्त पाकिस्तान में भी चीनी नागरिकों पर हाल ही में हुए हमलों के चलते इस परियोजना के कार्य में बाधा खड़ी हुई है। भारत द्वारा अन्य देशों के सहयोग से प्रारम्भ किए जा रहे आर्थिक गलियारे से चीन द्वारा विभिन्न देशों के सहयोग से प्रारम्भ की गई बीआरआई परियोजना को बहुत अधिक झटका लग सकता है। भारतीय सनातन संस्कृति तो प्राचीन काल में पूरे विश्व में फैली हुई थी। अमेरिका, लातिनी अमेरिका, मेक्सिको, जर्मनी जिसे यूरोप का आर्यावर्त कहा जाता है। मिस्र से लेकर दक्षिण अफ्रीका तक, कंपूचिया, लाओस, चीन, जापान आदि देशों में स्थान स्थान पर ऐसे अवशेष एवं साक्षय विद्यमान है जो बताते हैं कि आदिकाल में वहां भारतीय सनातन संस्कृति का ही साम्राज्य था। यह विस्तार मात्र सांस्कृतिक एवं धार्मिक ही नहीं था अपितु, इन राष्ट्रों की अर्थव्यवस्था, शासन संचालन व्यवस्था, कला, उद्योग, इत्यादि में भारतीय सनातन संस्कृति का योदगान स्पष्ट दिखाई देता रहा है। मारिशस, आस्ट्रेलिया, फीजी व प्रशांत महासागर के अन्य छोटे छोटे द्वीप, रूस, कोरिया मंगोलिया, इंडोनेशिया, आदि में आज भी कई विस्तृत साक्ष्य मिलते हैं जिससे हमें भारतीय संस्कृति के विश्व संस्कृति होने की एक झलक मिलती है।

उस खंडकाल में विश्व निर्माण अभियान पर निकले हुए भारतीय व्यवसाय, शिक्षा, चिकित्सा, सुशासन आदि अनेक उपलब्धियों से सुदूर देशों को लाभान्वित करते थे। वैश्विक स्तर पर जन मानस की भलाई के लिए हमारे पूर्वज उत्साह और साहस के साथ अपनी यात्रा आरंभ करते थे। उन दिनों की जाने वाली यात्राओं के लिए नौकायन और दुर्गम पैदल थल यात्रा ही मात्र साधन थे। इन परिस्थितियों में अधिक सरल उपाय जलयात्रा का ही रह जाता था। विश्व परिवार के साथ सम्पर्क बनाने के लिए प्राचीन काल में भारत ने अपने जलयान के साधनों को अधिकाधिक विकसित किया था। जल मार्गों की जानकारी प्राप्त कर, नौकायन विज्ञान को विकसित करने के लिए घोर प्रयत्न किया गया था। न केवल भारतीय समुद्र तटों पर अच्छे बंदरगाह विकसित किए गए थे बल्कि अन्य देशों में भी सुविधाजनक बंदरगाह बनाए गए थे। इस प्रकार प्राचीन काल में भी भारत से पश्चिमी एशिया के देशों से होते हुए यूरोप एवं अमेरिका तक जलमार्ग विकसित किए गए थे। केरल, चोल और पांड्य नामक दक्षिण भारत के राज्यों का व्यापार ग्रीस, रोम और चीन के साथ होता था। चंद्रगुप्त मौर्य की जलसेना बहुत विकसित और विस्तृत थी। इसका विवरण चाणक्य कृत - अर्थशास्त्र में दिया गया है। प्रसिद्ध यात्री मेगस्थनीज ने भी अपनी यात्रा विवरण में भारत की समुन्नत जल शक्ति का उल्लेख किया है। इसी प्रकार प्राचीन भारत और प्राचीन अमेरिका में घनिष्ठ सम्बंध था। व्यापारी और धर्म उपदेशक लम्बी जल यात्राएं करके आते जाते थे। इंद्र, गणेश, अग्नि, शिव एवं अन्य देवी देवता भारत की तरह वहां भी पूजे जाते थे। इतिहासकार बताते हैं कि उस समय अमेरिका एक प्रकार से भारतवर्ष का एक सांस्कृतिक उपनिवेश था।

भारत-पश्चिमी एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा भारत और रोमन साम्राज्य के बीच एक प्राचीन व्यापार मार्ग होने का संकेत भी देता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस गलियारे के सम्बंध में कहा है कि मजबूत कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा मानवता के लिए बुनियादी आधार है तथा भारत ने हमेशा इस पर जोर दिया है। भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए एक मजबूत नींव रखने जा रहा है। पीजीआईआई (वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए साझेदारी) के माध्यम से, भारत 'ग्लोबल साउथ' देशों में बुनियादी ढांचे के अंतर को भरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत का विश्वास है कि कनेक्टिविटी आपसी विश्वास को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारत का स्पष्ट मत है कि कर्ज के बोझ के बजाय वित्तीय व्यवहार्यता को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी पर्यावरणीय दिशानिर्देशों का पालन करने पर भी जोर दिया जाना चाहिए।

शिवाजी की जगदंबा तलवार लंदन से कब आएगी

- कौशिक कृष्ण मेहता

राष्ट्रीय अस्मिता की आन-बान-शान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध भाजपा नीत केंद्र सरकार की कोशिश से छत्रपति शिवाजी महाराज के वाघ नख के लंदन से आने का मार्ग प्रशस्त होने के साथ बड़ा सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या जगदंबा तलवार को लाने की कोशिश भी की जाएगी। लोगों का सवाल पूछना जायज है। वह इसलिए कि मोदी है तो सब मुमकिन है। इसलिए देश की उम्मीदें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बढ़ जाती हैं। वाघ नख भारत के गौरव का प्रतीक है। शिवाजी महाराज ने 1659 में इसी से ही बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खान को मौत के घाट उतारा था। यह वाघ नख राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। वह छत्रपति शिवाजी के शौर्य, साहस और पराक्रम की प्रतीक है।

महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुधीर मुनगंटीवार कह चुके हैं कि ब्रिटेन के अधिकारियों ने अपने एक पत्र में वाघ नख वापस देने पर रजामंदी जता दी है। बाघ के पंजों से प्रेरणा लेकर बना 'वाघ नख' हथेली में छुपाकर अंगुलियों के जोड़ों पर पहना जाने वाले लोहे का हथियार है। इसमें चार नुकीले कांटे होते हैं। इन कांटों से दुश्मन के सीने को निशाना बनाया जाता है। इसके वार

से दुश्मन की मौत होना तय मानी जाती है। मजबूत कद काठी के अफजल खान ने शिवाजी महाराज को मिलने के लिए बुलाया था। कहते हैं कि उसकी योजना छोटे कद लेकिन फौलादी इरादों वाले शिवाजी से गले मिलने के बहाने उन्हें बांहों में भरकर जान लेने की थी। मराठा छत्रप ने उसका इरादा भांप लिया। जैसे ही अफजल ने बांहों में भरकर दबाने की कोशिश की, शिवाजी महाराज ने वाघ नख से उसके सीने को चीर दिया। केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार ने इसी वर्ष मई में जानकारी दी थी कि पिछले नौ साल में विभिन्न देशों से करीब 251 प्राचीन कलाकृतियां भारत वापस लाई जा चुकी हैं। 72 और ऐसी कलाकृतियां भारत वापस लाए जाने की प्रकिया में हैं। इनमें शिवाजी महाराज की जगदंबा तलवार भी है। इस जानकारी में कहा गया था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार देश की प्राचीन वस्तुओं और कलाकृतियों को दुनियाभर से वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। 24 अप्रैल तक भारतीय मूल की 251 कीमती वस्तुएं विभिन्न देशों से वापस लाई गईं। इनमें से 238 वस्तुएं 2014 के बाद से वापस लाईं गई हैं। इन कलाकृतियों में करीब 1100 वर्ष पुरानी नटराज मूर्ति और नालंदा संग्रहालय से करीब छह दशक पहले गायब बुद्ध की 12वीं सदी की कांस्य प्रतिमा है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि शिवाजी महाराज के पास तीन तलवारें थीं। इनके नाम थे भवानी, जगदंबा और तुलजा। इनमें से भवानी और तुलजा कहां हैं, इसके बारे में किसी को कोई भी जानकारी नहीं है। दोनों तलवारें करीब 200 साल से गायब हैं। जगदंबा तलवार जरूर लंदन में विक्टोरिया-अल्बर्ट संग्रहालय में है। इस तलवार के वापसी के लिए भी भारत प्रयास कर रहा है। कोशिश यह है कि शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 350वीं वर्षगांठ (वर्ष 2024) के पहले इसे देश लाया जाए।

नरेंद्र मोदी सरकार की कोशिश यह है कि कोहिनूर हीरा, टीपू सुल्तान के बाघ (खिलौना), महाराजा रणजीत सिंह के सिंहासन, भगवान बुद्ध की प्रतिमा और संगमरमर की सरस्वती प्रतिमा को भी जल्द भारत लाया जाए। दुनिया में मशहूर बेशकीमती कोहिनूर हीरा इस समय ब्रिटिश राजपरिवार के पास है। कोहिनूर हीरा 105.6 कैरेट का है। इस हीरे के बारे में कहा जाता है कि इसे न तो कभी खरीदा गया और न ही किसी ने बेचा। इसे या तो युद्ध में जीता गया या फिर किसी शासक ने दूसरे को तोहफे के रूप में दिया। यह हीरा भारत की गोलकुंडा खान से निकला था। ईस्ट इंडिया कंपनी के पास जाने से पहले यह महाराणा रणजीत सिंह के खजाने में था। 1849 में यह ईस्ट इंडिया कंपनी के हाथ लगा। इसके बाद उसे ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया के पास पहुंचा दिया गया। केंद्र सरकार इसे वापस लाने के कूटनीतिक प्रयास कर रही है। टीपू सुल्तान का बाघ 18वीं शताब्दी का आटोमैटिक खिलौना है। इस खिलौने में एक बाघ को आदमकद यूरोपीय व्यक्ति का शिकार करते हुए दर्शाया गया था। यह कलाकृति भी इस समय लंदन के म्यूजियम हैं।

अंग्रेज अपने साथ सिखों के पहले महाराजा रणजीत सिंह का सिंहासन भी ले गए थे। इसका निर्माण 1820-1830 के बीच हाफिज मुहम्मद मुल्तानी ने किया था। यह लकड़ी और रेजिन से बना है। इस पर सोने की परत चढ़ाई गई थी। सिंहासन लंदन के विक्टोरिया ऐंड अल्बर्ट म्यूजियम में है। ज्ञान की देवी मां सरस्वती की नक्काशीदार संगमरमर की मूर्ति भी ब्रिटिश संग्रहालय में है। वर्ष 1034 ईस्वी में उत्कीर्ण यह मूर्ति मध्य प्रदेश के भोजशाला मंदिर का हिस्सा रही है। खड़ी मुद्रा में भगवान बुद्ध की मूर्ति करीब दो मीटर ऊंची है। इसका वजन 500 किलोग्राम है। 1862 में रेलवे निर्माण के दौरान ब्रिटिश इंजीनियर ईबी हैरिस को यह मूर्ति मिली थी। यह इस समय बर्मिंघम संग्रहालय में है।

सच्चे अर्थों में सृष्टि के कुशल महाप्रबन्धक हैं श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण राष्ट्रनायक हैं। श्रीकृष्ण का चरित्र एक प्रभावी एवं सफल मैनेजमेंट गुरु वाले लोकनायक का चरित्र है। वह द्वारिका के शासक भी है किंतु कभी उन्हें राजा श्रीकृष्ण के रूप में संबोधित नहीं किया जाता। वह तो ब्रजनंदन है। कुशल प्रबंधन सोच के कारण ही समाज एवं राष्ट्र व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए- इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

धर्मकर्म

सही प्रबंधन के बिना किसी भी कार्य से श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त नहीं किये जा सकते। जिस तरह जीवन के प्रत्येक कार्य में सुनिश्चित सफलता के लिये सही प्रबंधन अति आवश्यक है, उसी तरह सही ढंग से जीने एवं सार्थक जीवन के लिये भी सही प्रबंधन जरूरी है। श्रीकृष्ण ने मैनेजमेंट गुरु की भूमिका निभाते हुए सफल एवं सार्थक जीवन जीने के प्रबंधन सूत्र दिये, जो सदियों से सम्पूर्ण मानवजाति का पथ-दर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण के प्रबंधन नीति की खासियत यह है कि उनकी भावना और विवेक एक दूसरे का पूरक है। मैनेजमेंट गुरु श्रीकृष्ण का वह व्यावहारिक कौशल ही था कि अत्याचारी कंस को सबसे पहले आर्थिक रूप से कमजोर किया गया और फिर उसका वध किया। पूरे महाभारत युद्ध के दौरान कहीं भी श्रीकृष्ण ऊंहापोह की स्थिति में नजर नहीं आये। एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों, विशेषताओं एवं कौशल का समावेश तभी हो सकता है, जब वह प्रबंधन में निष्णात हो।

आज का इतिहास

1777 – अमेरिकी क्रांतिः ब्रिटिश सैनिकों का फिलाडेल्फिया पर कब्जा।
1872 – न्यूयॉर्क सिटी में पहला मंदिर बना।
1950 – संयुक्त राष्ट्र सैनिकों ने उत्तर कोरिया के सैनिकों से सोल को अपने कब्जे में लिया।
1950 – इंडोनेशिया ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता ग्रहण की।
1959 – जापान के इतिहास में सबसे शक्तिशाली तूफान 'वेरा' से 4580 लोगों की मौत और 16 लाख लोग बेघर हुए।
1998 – सचिन तेंदुलकर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक दिवसीय क्रिकेट मैच में 18वां शतक लगाकर डेसमंड हेन्स का विश्व रिकार्ड तोड़ा।
2001 – अमेरिका ने लादेन के बाद कश्मीरी आतंकवादियों से निपटने का भारत को आश्वासन दिया।
2004 – अमेरिका ने असैनिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए भारत को तकनीक देने का निर्णय किया।
2009 – फिलिपींस, चीन, वियतनाम, कंबोडिया, ला ओस और थाईलैंड में कैट्साना तूफान से 700 लोगों की मौत।
2011 – दिल्ली मेट्रो दुनिया का पहला ऐसा रेलवे नेटवर्क बना जिसे संयुक्त राष्ट्र ने ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने के लिए 'कॉर्बन क्रेडिट' दिया।
2014 – मेक्सिको के इगुआला में 43 छात्रों का सामूहिक अपहरण।
2018 – सुप्रीम कोर्ट ने 12 अंकों वाले आधार नंबर की वैधता को कायम रखा, लेकिन कहा कि बैंक अकाउंट्स, सेलफोन कनेक्शन और स्कूल एडमिशन के लिए इसे अनिवार्य नहीं किया जा सकता।

अच्छा होगा पर्यावरण तो अच्छा होगा स्वास्थ्य

- योगेश कुमार गोयल

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

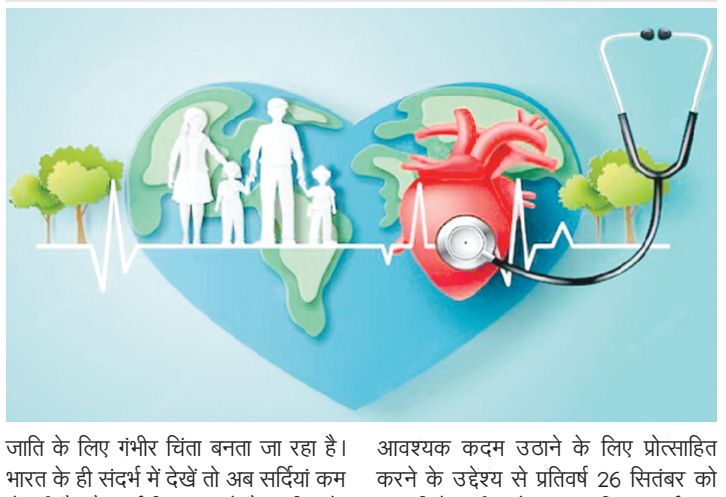

पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से गहरा संबंध है। हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है।

चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं। बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है। पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरुकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितंबर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्यः हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया जा रहा है जबकि 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया। बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरुकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हेल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितंबर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरुआत की गई थी। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दर्शाता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

पूरी दुनिया में भारत के सामर्थ्य की हो रही वाहवाही: प्रधानमंत्री

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि आज देश का गौरव नए आसमान पर है और पूरी दुनिया में भारत के सामर्थ्य की वाहवाही हो रही है। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस के 'कुशासन' से मुक्ति पाने का बिगुल फूंक दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में कांग्रेस ने यहां जिस तरह की सरकार चलाई है वह 'जीरो नंबर' पाने की हकदार है। मोदी जयपुर के बाहरी इलाके के दादिया गांव में परिवर्तन संकल्प महासभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज मैं जयपुर ऐसे समय में आया हूं, जब देश का गौरव नए आसमान पर है। आज पूरी दुनिया में भारत के सामर्थ्य की वाह-वाही हो रही है। हमारा चंद्रयान वहां पहुंचा, जहां दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच पाया। जी20 में भारत की सफलता से भारत के विरोधी देश भी हैरान हैं, परेशान हैं। मोदी ने कहा कि भारत ने गणेश चतुर्थी के दिन अपनी नई ससंद भवन से काम-काज शुरू किया है और नई ईमारत में सबसे पहला काम भाजपा सरकार ने हमारी माताओं बहनो, बेटियों को भी समर्पित किया है।

राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति पाने का बिगुल फूंक दिया है। पिछले पांच साल में कांग्रेस ने यहां जिस तरह की सरकार चलाई है वह जीरो नंबर पाने की हकदार है। गहलोत सरकार ने राजस्थान के लोगों, युवाओं के पांच महत्वपूर्ण वर्ष बर्बाद कर दिए। इसलिए राजस्थान के लोगों ने ठान लिया है कि वे गहलोत सरकार को हटाएंगे भाजपा को वापस लाएंगे।

जनसैलाब बताता है मप्र के मन में क्या है: मोदी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को भोपाल में आयोजित भाजपा कार्यकर्ता महाकुम्भ में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को परिजन कहते हुए अपने संबोधन की शुरू की। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि जम्बूरी मैदान में उमड़ा यह जनसैलाब, यह उमंग, यह संकल्प बहुत कुछ कहता है। यह बताता है कि मप्र के मन में क्या है। यह सिखाता है भाजपा का और भाजपा के हर कार्यकर्ता का बुलंद हौसला।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश को देश का दिल कहा जाता है। भाजपा के साथ देश के इस दिल का जुड़ाव कुछ विशेष रहा है। जनसंघ के जमाने से आज तक भाजपा को मप्र के लोगों ने हमेशा भरपूर आशीर्वाद दिया है। अटल जी, कुशाभाऊ ठाकरे, कैलाश जोशी, प्यारेलाल खंडेलवाल, राजमाता विजयराजे सिंधिया, सुंदरलाल पटवा, वीरेंद्र सकलेचा.. एमपी से निकले ऐसे अनेक महान व्यक्तित्व ने हमें आज यहां तक पहुंचाया है। इनका ताप और त्याग भाजपा के हर कार्यकर्ता को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि मप्र के लोगों ने भरपूर आशीर्वाद दिया है। मध्य प्रदेश के भाजपा के विचार का ही नहीं, बल्कि विकास के विजन का भी महत्वपूर्ण केंद्र है।

जब हम रिमोट कंट्रोल दबाते हैं तो गरीबों को फायदा होता है: राहुल

बिलासपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान सभा में रिमोट कंट्रोल दिखाते हुए कहा कि जब भी उनकी पार्टी इसे दबाती है तब गरीबों और जरूरतमंद लोगों को फायदा होता है, लेकिन जब भाजपा ऐसा करती है तब अडानी को बंदरगाह, रेलवे का ठेका और हवाई अड्डे मिल जाते हैं।

राज्य के बिलासपुर जिले के परसदा गांव में 'आवास न्याय सम्मेलन' में संबोधन की शुरुआत करते हुए गांधी ने अपने हाथ में एक रिमोट कंट्रोल दिखाया और कहा कि आज मैंने रिमोट का बटन दबाया और हजारों करोड़ रुपये छत्तीसगढ़ के लोगों के खाते में चले गए। उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई आवास योजना का लाभ उन लाभार्थियों को भी मिलेगा जो केंद्रीय योजना (प्रधानमंत्री आवास योजना) के तहत सहायता पाने के हकदार थे लेकिन उन्हें नहीं मिला। उन्होंने कहा कि राज्य के बार-बार अनुरोध के बावजूद केंद्र ने पैसा नहीं दिया और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में विफल रहा।

गांधी ने कहा कि दो रिमोट कंट्रोल हैं। जब हम रिमोट दबाते हैं, तो किसानों को न्याय योजना के माध्यम से उनके खातों में पैसा मिलता है और (छत्तीसगढ़ में) अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खुलते हैं, लेकिन जब भाजपा रिमोट दबाती है, तो सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण हो जाता है और जल-जंगल-जमीन अडानी के पास चली जाती है। गांधी ने कहा कि संसद में प्रधानमंत्री मोदी के संबंधों के बारे में जब उन्होंने सवाल पूछा तो उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। राहुल गांधी और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आवास न्याय सम्मेलन में क्षेत्रवासियों को 669 करोड़ 69 लाख रुपये की लागत के 414 विकास कार्यों की सौगात दी। जिसमें 195 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत के 247 कार्यों का शिलान्यास तथा 474 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत के 167 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सम्मेलन में हितग्राहियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं के अंतर्गत सामग्री और चेक का वितरण किया। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद राहुल गांधी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर कहा कि आवास योजना 1985 में जब राजीव प्रधानमंत्री थे, तब शुरू हुई। इस योजना का नाम उस समय इंदिरा आवास योजना था। आज यह प्रधानमंत्री आवास योजना है।

कमलनाथ ने कसा तंज, मुख्यमंत्री शिवराज को दी धीरज से काम लेने की सलाह

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमवार को भोपाल दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने तंज कसा है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी सलाह देते हुए धीरज से कम लेने की सलाह दी है। कमलनाथ ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि शिवराज जी, आज आप जरा धीरज से काम लीजिएगा। प्रधानमंत्री जब भी मध्य प्रदेश आते हैं तो आप उन्हें अपने किसी न किसी झूठ में शामिल करा लेते हैं। आपकी झूठ मशीन की डबल स्पीड से मध्य प्रदेश की जनता के साथ प्रधानमंत्री भी त्रस्त हैं, इसीलिए उन्होंने पूरे चुनाव अभियान से आपको बाहर कर दिया है। आप देश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं जो मुख्यमंत्री तो हैं, लेकिन मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं है। कमलनाथ ने कहा कि रीवा में आपने उनके सामने बोल दिया कि किसानों की आमदनी दुगनी से अधिक हो गई है, जबकि उनके नीति आयोग की रिपोर्ट में मध्य प्रदेश के किसानों की आमदनी घटी थी।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू कश्मीर के कुछ पहाड़ी इलाकों में हुई इस मौसम की पहली बर्फबारी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुछ पहाड़ी इलाकों में इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई है। उत्तरी कश्मीर में गुरेज घाटी को बांदीपुरा जिले से जोड़ने वाले ऊंचे पहाड़ी दर्रे राजदान टॉप पर ताजा बर्फबारी हुई। इसी बीच पर्यटक स्थल गुलमर्ग में भी बर्फबारी हुई है। जम्मू संभाग में राजौरी-पुंछ को जोड़ने वाले मुगल रोड पर भी ढेड से दो इंच तक की बर्फबारी देखने को मिली है। जानकारी के अनुसार राजदान टॉप पर रविवार रात भर हल्की बर्फबारी हुई है जबकि गुलमर्ग में सोमवार सुबह बर्फबारी हुई। इसी बीच राजौरी-पुंछ को जोड़ने वाले मुगल रोड पर पीर गली में इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई है। जम्मू कश्मीर के कुछ इलाकों में हुई बर्फबारी से न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मालेगांव विस्फोट: सांसद प्रज्ञा ठाकुर एनआईए अदालत में पेश हुईं

मुंबई। भाजपा सांसद एवं 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में आरोपी प्रज्ञा सिंह ठाकुर सोमवार को यहां एक विशेष एनआईए अदालत में पेश हुईं। मामले के सात आरोपियों में एक ठाकुर अपराह्न करीब दो बजे पहुंचीं, जबकि मामले के पांच अन्य आरोपी उनसे दो घंटे पहले ही अदालत में पेश हो चुके थे। ठाकुर ने अदालत को बताया कि वह स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रही हैं, जिसके चलते वह सुबह जल्दी नहीं जग पाती हैं। इसके बाद, अदालत ने आरोपी के बयान दर्ज करने के लिए मामले को तीन अक्टूबर के लिए मुल्तवी कर दिया। अभियोजन ने 14 सितंबर को अदालत को बताया था कि मामले में साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है और अभियोजन के किसी गवाह से और जिरह करने की जरूरत नहीं रह गई है।

चंद्रबाबू नायडू को फिलहाल राहत नहीं, कोर्ट ने आज मामला रखने को कहा

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के वकील ने उनके खिलाफ कौशल विकास घोटाले में दर्ज एफआईआर को निरस्त करने का मामला सुप्रीम कोर्ट में रखने का प्रयास किया। मामला मेंशनिंग लिस्ट में न होने के चलते चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने इस पर विचार से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस ने चंद्रबाबू नायडू के वकील से कहा कि वह मंगलवार को मामला रखें, तब सुनवाई पर विचार होगा। नायडू ने आंध्र प्रदेश कौशल विकास घोटाला मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। नायडू ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट की ओर से एफआईआर निरस्त करने की उनकी मांग खारिज करने को चुनौती दी है। चंद्रबाबू नायडू को 10 सितंबर को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। उसके बाद से वे हिरासत में हैं। इस मामले में नायडू 37वें आरोपित हैं। नायडू ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त करने की मांग की थी। हाई कोर्ट ने 22 सितंबर को उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

कावेरी मुद्दे पर प्रदर्शनों को नियंत्रित करने का प्रयास नहीं करेंगे : सिद्धरमैया

बेंगलुरु। तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का जल छोड़ने को लेकर तेज होते विरोध प्रदर्शनों और इस मुद्दे पर बंद के आह्वान के बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार प्रदर्शनकारियों को नहीं रोकेगी, लेकिन शांति व्यवस्था बरकरार रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के दौरान अपनी ठोस दलीलें पेश करेगी और यह राज्य के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक ओर, कुछ किसान संगठनों ने कावेरी मुद्दे पर मंगलवार को 'बेंगलुरु बंद' का आह्वान किया है, तो वहीं कन्नड़ कार्यकर्ता वाताल नागराज के नेतृत्व में 'कन्नड़ ओक्कुटा' के बैनर तले कई कन्नड़ संगठनों ने 29 सितंबर को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है।

उमा भारती ने फिर उठाई महिला आरक्षण में ओबीसी कोटा शामिल करने की मांग

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भोपाल आगमन से पहले वरिष्ठ भाजपा नेता उमा भारती ने सोमवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री हाल में पारित महिला आरक्षण विधेयक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए कोटा तय करने के बारे में सकारात्मक संकेत देंगे। पिछले हफ्ते की शुरुआत में भारती ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले संवैधानिक संशोधन विधेयक में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) कोटा शामिल नहीं करने पर निराशा व्यक्त की थी।

भारती ने प्रधानमंत्री के भोपाल दौरे से कुछ घंटे पहले सोमवार सुबह 'एक्स' पर पोस्ट किया, भोपाल की धरती पर प्रधानमंत्री का स्वागत है। वह गरीबों और पिछड़ों के मसीहा हैं, मुझे यकीन है कि वह महिलाओं के लिए ओबीसी आरक्षण पर सकारात्मक संकेत देंगे। मोदी यहां भाजपा कार्यकर्ताओं की एक विशाल बैठक को संबोधित करेंगे। भारती ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह इस बात से खुश हैं कि महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश किया गया, लेकिन कुछ हद तक निराशा महसूस कर रही हैं क्योंकि इसमें ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं है।

प्रधानमंत्री की भोपाल रैली के लिए जा रही बस खरगोन जिले में ट्रक से टकराई, 39 लोग घायल

खरगोन (मध्य प्रदेश)। प्रधानमंत्री मोदी की रैली के लिए लोगों को लेकर जा रही एक निजी बस खरगोन जिले में एक खड़े ट्रक से टकरा गई, जिससे कम से कम 39 लोग घायल हो गए। इनमें एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि घटना रविवार रात कसरावद पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। प्रधानमंत्री सोमवार को दोपहर के आसपास मध्य प्रदेश की राजधानी में भाजपा के कार्यकर्ताओं की एक विशाल बैठक को संबोधित करने वाले हैं। अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस (एसडीओपी) मनोहर गवली ने कहा कि गोपालपुरा गांव के पास निजी बस सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। खरगोन जिला अस्पताल के सिविल सर्जन अमर सिंह चौहान ने बताया कि 39 घायलों को अस्पताल लाया गया था।

मुख्यमंत्री शिंदे और फडणवीस के सामने मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा उठाऊंगा: पवार

पुणे (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को कहा कि उन्होंने राज्य के अल्पसंख्यक विभाग मंत्री और अधिकारियों के साथ बैठक की और वह आगे का रास्ता तलाशने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समक्ष मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा उठाएंगे।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता ने पुणे में पत्रकारों से कहा कि उन्होंने हाल में राज्य के अल्पसंख्यक मंत्री अब्दुल सत्तार, संबंधित विभाग के अधिकारियों और मुस्लिम समुदाय से संबंधित मुद्दों पर कार्य करने वाले कुछ संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान मौलाना आजाद मंडल से संबंधित विषयों, वक्फ बोर्ड संपत्ति और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। पवार ने याद दिलाया कि (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार के सत्ता में रहने के दौरान) मुस्लिमों को शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण की गारंटी दी गई थी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने (मुस्लिमों के लिए) शिक्षा में आरक्षण की स्वीकृति दी थी लेकिन नौकरी में आरक्षण को खारिज कर दिया था। बाद में समान शिक्षा के लिए सरकार शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम लाई।

छापा मारने गए थे पुलिसकर्मी, कुत्तों की फौज से हुआ सामना

कोट्टायम (केरल)। कोट्टायम पुलिस के मादक पदार्थ रोधी दस्ते ने तस्कर होने के संदेह में एक व्यक्ति के घर पर औचक तलाशी की। हालांकि इस दौरान 'खाकी' पोशाक पहने किसी भी व्यक्ति को काटने के लिए प्रशिक्षित कई हिंसक कुत्तों की मौजूदगी के कारण पुलिसकर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कुत्तों की मौजूदगी के कारण रविवार रात को तलाशी प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हुई और आरोपी, कुत्तों के हमलों से बचने की कोशिश में लगे पुलिसकर्मियों की नजर बचा कर भाग निकला। पुलिस ने कहा कि कुत्तों को काबू में कर लिया गया और घर से 17 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया गया। कोट्टायम के पुलिस अधीक्षक के. कार्तिक आईपीएस ने पत्रकारों को बताया कि आधी रात के करीब खोज दल संदिग्ध आरोपी के घर पर पहुंचा। इस दल में निकटवर्ती गांधीनगर थाने के अधिकारी भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद नहीं थी कि वहां इतने सारे कुत्ते होंगे और वे हिंसक होंगे। इसलिए, हमें शुरू में तलाशी में परेशानी हुई। सौभाग्य से, कोई भी अधिकारी घायल नहीं हुआ।

न्यायालय ने दिव्यांगों की मदद और योजनाओं पर सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र से उस यचिका पर सोमवार को जवाब मांगा जिसमें अनुरोध किया गया है कि दिव्यांग जनों को मिलने वाली सहायता, समान सामाजिक कल्याण योजनाओं के तहत अन्य लोगों को मिलने वाली सहायता की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़,न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने दिल्ली के संगठन 'भूमिका ट्रस्ट' द्वारा दायर याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा और मामले को चार सप्ताह के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। पीठ ने साथ ही अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल एश्वर्य भाटी से इस मामले में उच्चतम न्यायालय का सहयोग करने का अनुरोध किया।

जिसका दिल गरीबों के लिए धड़कता है, वही सच्चा लोकसेवक है: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि जिन लोकसेवकों का दिल गरीबों और वंचितों के लिए धड़कता है, वे ही सच्चे लोकसेवक होते हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि समाज के हाशिये पर पड़े वर्गों का उत्थान करना उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुर्मू ने कहा कि आपको 'फाइल से फील्ड' और 'फील्ड से फाइल' के बीच के संबंध को समझने की कोशिश करनी चाहिए। इस जन-केंद्रित सतर्कता और संवेदनशीलता से आप फाइलों के साथ कहीं अधिक सार्थक तरीके से जुड़ पाएंगे। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि वे हमेशा उन लोगों के बारे में सोचें जो उन फाइलों से प्रभावित होंगे जिन पर "आप काम कर रहे हैं।" साल 2021 बैच के 182 आईएएस अधिकारियों के एक समूह ने यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में मुर्मू से मुलाकात की। ये अधिकारी वर्तमान में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिवों के रूप में तैनात हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पिछड़े इलाकों में रहने वाले वंचित वर्ग के लोगों की कठिनाइयों और समस्याओं को करीब से देखा है। मैंने कुछ संवेदनशील लोक सेवकों को भी देखा है जिन्होंने ऐसे लोगों की मदद के लिए अतिरिक्त प्रयास किए।

जीएनएलयू में दुष्कर्म, समलैंगिक के उत्पीड़न पर कोर्ट ने संज्ञान लिया

अहमदाबाद। उच्च न्यायालय ने गांधीनगर में गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (जीएनएलयू) में एक समलैंगिक पुरुष छात्र के उत्पीड़न और छात्रा से दुष्कर्म की दो अलग-अलग घटनाओं को लेकर आई खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया। न्यायमूर्ति ए.एस. सुपेहिया और एम.आर. मेंगडे ने कहा कि ये खबरें गंभीर चिंता का विषय उठाती हैं जिनका छात्रों के मनोवैज्ञानिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ता है। कोर्ट ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार एवं अकादमिक मामलों के प्रमुख को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि खबर में शिकायत प्राप्त करने के लिए प्रशासन द्वारा उठाए गए किसी कदम का जिक्र नहीं है, जो हमारे विचार में सही नहीं है।

हैलो सिक्किम - नेवी के युद्धपोत शिवाजी से पूर्वोत्तर तक कार रैली को हरी झंडी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने देश के उत्तर पूर्वी राज्यों के साथ संपर्क मजबूत करने के लिए बहुआयामी आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया है। इसके लिए महाराष्ट्र में आईएनएस शिवाजी से सिक्किम तक 'हैलो सिक्किम' मोटर कार अभियान शुरू किया गया है। कार रैली को जहाज के कमांडिंग ऑफिसर कमोडोर मोहित गोयल ने हरी झंडी दिखाकर सिक्किम के लिए रवाना किया। यह रैली 6500 किमी. की दूरी तय करते हुए कई राज्यों से होकर 15 अक्टूबर को सिक्किम पहुंचेगी।

महाराष्ट्र के अरब सागर में तैनात नौसेना के जहाज आईएनएस शिवाजी पर हुए कार्यक्रम में हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई रैली तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में महू, झांसी, लखनऊ, वाराणसी और बागडोगरा में पड़ाव होगा। दूसरा चरण में गंगटोक से शुरू होकर सिक्किम के अंदर तक की होगी। तीसरा चरण कोलकाता, भुवनेश्वर, विशाखापट्टनम, हैदराबाद और पुणे को कवर करेगा। कार रैली के दौरान प्रतिभागी विभिन्न स्कूलों के छात्रों, दिग्गजों के साथ बातचीत करेंगे और जागरुकता अभियान चलाएंगे। 22 दिनों तक चलने वाले इस अभियान में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के साथ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की भागीदारी रहेगी। भारतीय नौसेना ने उत्तर पूर्वी राज्यों के साथ संपर्क मजबूत करने के लिए इस बहुआयामी आउटरीच कार्यक्रम को 'हैलो सिक्किम' नाम दिया है। इस टीम में नौसेना की महिला अधिकारी और नेवी वेलफेयर एंड वेलनेस एसोसिएशन (एनडब्ल्यूडब्ल्यूए) की महिला सदस्य शामिल हैं, जो 'नारी शक्ति' का प्रदर्शन कर रही हैं।

SRPF जवान ने व्यक्ति को मारा थप्पड़, मौत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में कार की हेडलाइट को लेकर हुए विवाद के दौरान राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) के एक जवान ने 54 वर्षीय एक व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, घटना गुरुवार रात वाठोडा थाने के अंतर्गत माता मंदिर इलाके में हुई, जहां आरोपी एसआरपीएफ जवान निखिल गुप्ता (30) अपनी बहन से मिलने पहुंचा था। अधिकारी ने बताया कि जब निखिल अपनी कार खड़ी कर रहा था, तब वाहन की हेडलाइट की रोशनी उसी इलाके के रहने वाले व्यक्ति मुरलीधर रामरावजी नेवारे के चेहरे पर पड़ी। अधिकारी के अनुसार, नेवारे ने निखिल से विनम्रतापूर्वक हेडलाइट बंद करने को कहा, जिस पर एसआरपीएफ जवान नाराज हो गया और दोनों के बीच विवाद हो गया।

करोड़पति कारोबारी मनोज के पुत्र हिमांशु त्यागेंगे सांसारिक सुख, बनेंगे जैन मुनि

गिरिडीह (झारखंड)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के करोड़पति कारोबारी मनोज जैन के 23 वर्षीय पुत्र हिमांशु जैन मुनि बनेंगे। हिमांशु बीए के स्टूडेंट हैं। इसे पहले करोड़ों के जॉब पैकेज और सांसारिक सुख त्यागने वाली यूपी की फैशन डिजायनर विदिशा जैन भी गिरिडीह के सम्मेद शिखर मधुबन में जैन साध्वी बन चुकी हैं।

सम्मेद शिखर मधुबन में अब तक कई युवा कारोबारी दीक्षा लेकर जैन मुनि बन चुके हैं। मनोज 10 दिन से गिरिडीह के बड़ा चौक स्थित दिगंबर जैन मंदिर में जैन मुनि 1008 श्री विशुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में हैं। वह जैन मुनि बनने के विधि-विधान से निपुण हो रहे हैं। हिमांशु जैन 23 अक्टूबर को सांसारिक सुख त्याग कर विशुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में उत्तर प्रदेश के बागपत में जैन मुनि की दीक्षा लेंगे। हिमांशु की मां मधु जैन गृहणी है। हिमांशु की भिंड में साल 2019 में विशुद्ध सागर महाराज से भेंट हुई थी। इस भेंट में ही हिमांशु ने जैन मुनि बनने की इच्छा जताई। तब विशुद्ध सागर महाराज ने लगातर दो साल तक ब्रह्मचर्य का पालन करने का सुझाव देते हुए कहा था कि इसके बाद ही उन्हें जैन मुनि की दीक्षा प्रदान की जाएगी। वो जैन मुनि का स्वरूप हासिल कर सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

दरोगा को एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

हरदोई। हरियावां थाने में तैनात एक दरोगा को एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। थाना हरियावां में तैनात सब इंस्पेक्टर रामअशीष, विवेचना में एक आरोपित का नाम निकालने के बदले दस हजार रुपये की मांग कर रहा था। पीड़ित ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की। इस पर एंटी करप्शन टीम ने सोमवार को घूस लेने वाले दरोगा को पकड़ लिया। दरोगा थाना देहात कोतवाली में आरोपित को बुलाकर पैसे ले रहा था। तभी एंटी करप्शन टीम ने धर दबोचा। इस कार्रवाई से सुविधा शुल्क वसूल करने वालों में हड़कंप मच गया है।

बीस फीट लम्बे अजगर ने नीलगाय को जिंदा निगला

बस्ती। भदेश्वरनाथ गांव के पास झाड़ियों में सोमवार को अजगर ने एक नीलगाय को जिंदा निगल लिया। पास में ही भैंस चरा रहे चरवाहों ने जब यह नजारा देखा तो तुरंत गांव वालों को इसकी सूचना दी। गांव वालों ने पहुंचकर जब देखा तो अजगर नीलगाय को पूरी तरह से निगल चुका था। वहीं, ग्रामीणों ने जब अजगर की पूंछ पकड़कर खींचना शुरू किया तो कुछ ही देर बाद अजगर ने नीलगाय को उगल दिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। मगर घंटों वन विभाग का कोई भी अधिकारी व कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा।

आबादी के बीच पहुंचा विशालकाय मगरमच्छ, लोग सहमे

बहराइच। मोतीपुर रेंज के शोभा पुरवा गांव में सोमवार को विशालकाय मगरमच्छ नाली से होता हुआ आबादी में पहुंच गया। इससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन कर्मियों की टीम ने मगरमच्छ का रेस्क्यू किया। इसके बाद उसे नदी में छोड़ दिया है। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मोतीपुर रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत मनगौढिया के निकट कई नाले और तालाब हैं। ग्राम पंचायत के मजरा शोभापुरवा में सोमवार को नाले से होता हुआ मगरमच्छ आबादी में पहुंच गया। मगरमच्छ को देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सभी अपने को बचाते हुए भागने लगे। मगरमच्छ निकलने की सूचना रेंज कार्यालय में दी गई। डीएफओ आकाशदीप वधावन ने बताया कि वन कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। मगरमच्छ को कड़ी मशक्कत के बाद नाले से बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे पकड़कर पास के घाघरा नदी में छुड़वा दिया गया है। उसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

कैम्प में लगभग 60 हजार छात्रों के मामलों का हुआ निस्तारण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने अंकपत्रों में गड़बड़ी को लेकर परेशान छात्रों को बड़ी राहत दी है। बोर्ड ने अभियान चलाकर सारे विवादों का निस्तारण कर दिया है। शिविर में कुल 59,860 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। यह जानकारी यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने देते हुए बताया कि इसके लिए जिलों में विशेष शिविर लगाए गए थे। जिसमें करीब सात साल से लम्बित पड़े मामलों को निस्तारित किया गया। मेरठ में 24,512, प्रयागराज में 8356, बरेली में 5188, वाराणसी में 18,591 एवं गोरखपुर में 3213 प्रकरण का निस्तारण किया गया। सचिव ने बताया कि यूपी बोर्ड ने दो माह के अंदर कैम्प लगाकर नाम की स्पेलिंग, पिता का नाम, माता का नाम वाले विवादों को खत्म कर दिया। इसको लेकर वर्षों से लोग बोर्ड कार्यालय के चक्कर लगा रहे थे।

पीसीएस मुख्य परीक्षा 26 सितम्बर से होगी शुरू,दो पॉलियों में होगी परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) मुख्य परीक्षा, 2023 मंगलवार से शुरू होगी और 29 सितम्बर तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा प्रत्येक दिन दो पॉलियों में होगी। आयोग से मिली जानकारी के अनुसार पहली पॉली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी। दूसरी पॉली की परीक्षा अपराह्न 02 बजे से 05 बजे तक होगी। इस परीक्षा में 3,852 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए चार केन्द्र प्रयागराज और चार केन्द्र लखनऊ बनाये गये हैं। प्रयागराज में कुल 1685 एवं लखनऊ में 2167 सीट हैं। आयोग के मुताबिक 26 सितम्बर को सुबह की पॉली में हिन्दी और दोपहर की पॉली में निबंध का पेपर होगा। 27 सितम्बर को सुबह की पॉली में सामान्य अध्ययन पेपर 01 और दोपहर की पॉली में सामान्य अध्ययन 02 की परीक्षा होगी। 28 सितम्बर को सुबह सामान्य अध्ययन 03 और दोपहर में सामान्य अध्ययन 04 की परीक्षा होगी। 29 सितम्बर को सुबह सामान्य अध्ययन 05 और दोपहर में सामान्य अध्ययन 06 की परीक्षा होगी।

बीयर बार का लाइसेंस दिलाने के नाम पर तीस लाख की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

बलिया। पुलिस ने बीयर बार का लाइसेंस दिलाने के नाम पर तीस लाख रुपये की ठगी करने वाले एक शातिर को सोमवार को वाराणसी में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से लगभग छह हजार रुपये व एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक एस आनन्द के अनुसार, ताखा खाना निवासी राजन सिंह उर्फ गोलू सिंह वर्तमान में पहाड़ी गेट डीएलडब्लू थाना मण्डुवाडीह वाराणसी में रह रहा था। उसने बीयर बार का लाइसेंस दिलाने के नाम पर बांसडीह कोतवाली के बकवा निवासी अवधेश पाण्डेय से धोखाधड़ी करके तीस लाख रुपये ले लिया था। पुलिस के मुताबिक, अन्य लोगों से भी इसने लाखों रुपये लिए हैं। पुलिस ने वांटेड राजन सिंह को सूचना के आधार पर पहाड़ी गेट डीएलडब्लू वाराणसी से सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

प्रदेश के सभी विभागों में खाली पद तत्काल भरे जाएंगे, योगी का निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विभागों में रिक्त पदों पर यथाशीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सभी विभागों से रिक्त पदों का विवरण मांगा है। सोमवार को सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिवों के साथ विभागवार कार्मिकों की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शासकीय विभागों में मानव संसाधन का अभाव विभागीय कार्यक्षमता और जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। नियुक्तियों में विलंब से केवल बैकलॉग बढ़ता है, बल्कि युवाओं की अपनी योग्यता के अनुरूप अवसर भी नहीं मिलता। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक विभाग अपने यहां नियुक्ति की प्रक्रिया को समय से आगे बढाएं।

रिक्तियों के संबंध में जिलों से प्राप्त हो रही जानकारी की समीक्षा भी करें। उन्होंने कहा कि सभी विभागों में ग्राम, नगर और जिला से लेकर शासन स्तर तक प्रत्येक संवर्ग की गहनता से समीक्षा कर आवश्यक रिक्तियों की स्थिति स्पष्ट की जाए। नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के माध्यम से सभी विभागों में रिक्तियों, प्रचलित नियुक्ति प्रक्रिया और आवश्यक मानव संसाधन की विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में सरलता के लिए ई-अधियाचन की व्यवस्था लागू की गई है। उसका उपयोग करें। नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजने से पूर्व आरक्षण नियमावली का सूक्ष्मता से परीक्षण कर लिया जाए। योगी ने कहा कि बदलते दौर के साथ नगर विकास जैसे विभागों में अनेक नवीन पदों के सृजन की आवश्यकता है। उसी हिसाब से तैयारी की जानी चाहिए। राजस्व विभाग में समायोजित किये गए चकबंदी लेखपालों का विधिवत प्रशिक्षण कराएं। पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर जारी चयन की प्रक्रिया आगामी दिसम्बर तक पूरी कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि समयबद्ध पदोन्नति शासकीय सेवा का हिस्सा है। हर कर्मचारी को नियत समय पर इसका लाभ मिलना ही चाहिए।

शासकीय विभागों में मानव संसाधन का अभाव विभागीय कार्यक्षमता और जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। नियुक्तियों में विलंब से केवल बैकलॉग बढ़ता है, बल्कि युवाओं की अपनी योग्यता के अनुरूप अवसर भी नहीं मिलता। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक विभाग अपने यहां नियुक्ति की प्रक्रिया को समय से आगे बढाएं। रिक्तियों के संबंध में जिलों से प्राप्त हो रही जानकारी की समीक्षा भी करें। - योगी आदित्यनाथ

पदोन्नति के लिए परफॉर्मेंस को आधार बनाएं। इस वर्ष मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, विभागाध्यक्ष अथवा लोक सेवा आयोग स्तर पर की जाने वाली पदोन्नति की कार्यवाही प्रत्येक दशा में 30 सितम्बर तक पूरी कर ली जाए। जिन विभाग में अतिरिक्त कार्मिकों की उपलब्धता हो, उन्हें अन्य विभागों में समायोजित किया जाए। पदोन्नति वाले पदों में यदि योग्य अभ्यर्थी न मिलें तो प्रतिनियुक्ति पर विचार किया जाना चाहिए। पदोन्नति में आवश्यकतानुसार शिथिलीकरण भी किया जा सकता है। भर्ती के सापेक्ष हमें प्रशिक्षण क्षमता को भी बढ़ाना होगा। तकनीक का उपयोग करते हुए भर्ती प्रक्रिया में लगने वाले समय को और कम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, अयोध्या, मथुरा, गौतमबुद्ध नगर व गाजियाबाद जनपद में विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में रिक्तियां हैं। इसके कारण अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं। प्राथमिकता के साथ यहां योग्य कार्मिकों की तैनाती की जाए। आकांक्षात्मक जनपद, आकांक्षात्मक विकास खंड और आकांक्षात्मक नगरीय निकायों को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए यह सुनिश्चित करें कि इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार मानव संसाधन की रिक्ति न हो। विभिन्न कार्यों में तैनात आउटसोर्सिंग कार्मिकों ने उत्कृष्ट कार्य किया है। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी कार्मिकों को न्यूनतम मानदेय अवश्य मिले। समय पर मिले और पूरा मिले। किसी भी दशा में एक भी कर्मचारी का शोषण नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही समाप्त होने वाली है। सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में प्रावधानित धनराशि का उपयोग किया जाए। आवंटन और व्यय में तेजी की अपेक्षा है। विभाग स्तर भी पर खर्च की समीक्षा भी जाए। संबंधित मंत्री अपने विभागीय स्थिति की समीक्षा करें।

मुख्य सचिव द्वारा विभागीय आवंटन और व्यय की स्थिति की मासिक समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार से हमें हर संभव सहायता मिल रही है। केंद्र से सामंजस्य स्थापित कर अवशेष धनराशि प्राप्त करें। भारत सरकार के मंत्रियों से संवाद करें। सभी विभाग शत-प्रतिशत उपयोगिता प्रमाण पत्र समय पर भेजें।

मेला-मंदिरों में चोरी करने वाली 5 महिलाएं गिरफ्तार

बांदा। पुलिस ने चेन स्नेचिंग करने वाली अंतर्जनपदीय महिला समूह का पर्दाफाश कर 5 महिलाओं को गिरफ्तार करके इनके कब्जे से लगभग चार लाख रुपये कीमत के जेवरात बरामद किए गए हैं। पकड़ी गई महिलाओं द्वारा आए दिन भीड़ वाले स्थानों, मेला, मंदिरों से चैन स्नैचिंग की घटना को अंजाम दिया जाता था। पकड़ी गई पांचों महिलाएं कौशांबी जनपद की रहने वाली हैं। जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक लक्ष्मी निवास मिश्रा ने बताया कि थाना जसपुरा क्षेत्र के झंझरीपुरवा में रविवार को मेले में अज्ञात महिलाओं ने कई महिलाओं के साथ चैन-स्नैचिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चैन स्नैचिंग करने वाली 5 महिलाओं को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि अभियुक्ताओं द्वारा भीड़भाड़ वाले स्थानों, मेलों, मन्दिरों आदि स्थानों पर चैन-स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया जाता था। रविवार को उनके द्वारा झंझरीपुरवा में मेले से महिलाओं के 09 मंगलसूत्र व एक चैन चोरी किए गए। जिन्हें पुलिस द्वारा बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार महिलाओं में सुरजी पत्नी बृजलाल सरोज निवासी बैंसकाटी का डेरा, देवकली पत्नी बुद्धराम पासी उर्फ देवमनी निवासी बैंसकाटी का डेरा, गमली पत्नी रामलाल निवासी बैंसकाटी का डेरा, छोटकी पत्नी बदलू पासी निवासी परउवा थाना करारी और सम्पतिया पत्नी सम्पत निवासी बिरुई जनपद कौशाम्बी शामिल हैं।

पारदर्शिता के साथ हो रहा देश और प्रदेश का विकास : भूपेंद्र चौधरी

कानपुर देहात। पंडित दीनदयाल की जयंती के अवसर पर सोमवार को अकबरपुर लोकसभा सांसद देवेंद्र सिंह भोले की माता स्वर्गीय कनक रानी की सप्तम पुण्यतिथि का आयोजन कंचौसी में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, राज्य मंत्री असीम अरुण ने मिलकर वहां मौजद जनता को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि सांसद देवेंद्र सिंह भोले द्वारा उनकी माता स्वर्गीय कनक रानी के सप्तम निर्माण दिवस पर भव्य कार्यक्रम देखकर हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

हम अपने माता-पिता का कैसे सम्मान करें, जब हम अपने माता-पिता का सम्मान करेंगे तो निश्चित ही हम प्रगति के रास्ते पर बढ़ेंगे। इतनी भारी संख्या में प्रत्येक बूथ से आए वृद्ध को देखकर हम अभिभूत हैं। हम उनको नमन एवं वंदन करते हैं। चौधरी ने कहा भाजपा पंडित दीनदयाल के सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है जिसका मुख्य उद्देश्य अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति का विकास करना है। उन्होंने कहा कि सपा, बसपा, कांग्रेस की सरकार जब-जब प्रदेश एवं देश में आई देश प्रदेश के हालात बिगड़े। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंचा। भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बने।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार में अपराधियों की कब्र खुद रही है। भू-माफिया भूमिगत हैं। केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ पेयजल योजना, प्रधानमंत्री सड़क योजना जैसी दर्जनों योजनाएं हैं जो उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जा रही हैं। जनता भरपूर आशीर्वाद दे रही हैं। आगे आने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश को शत प्रतिशत जीतने जा रही है।

भारत में क्रूज सेवा अब नई उपलब्धियां हासिल कर रही : सर्बानंद सोनोवाल

वाराणसी। केन्द्रीय जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से कांग्रेस और विरोधी दलों को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी कह रहे थे कि यह सफल नहीं होगा लेकिन क्रूज की 3200 किमी की लंबी यात्रा सफल रही। सोनोवाल ने कहा कि वाराणसी से हम लोगों ने बीते 13 जनवरी को दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास रवाना किया था।

तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरी झंडी दिखा कर इसे रवाना किया था। तब कई लोगों ने विशेष रूप से कांग्रेस और विरोधियों ने इसकी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था यह सफल नहीं होगा, लेकिन क्रूज की 3200 किमी की लंबी यात्रा सफल रही। क्रूज सेवा अब देश में नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। सोमवार को बड़ालालपुर स्थित टीएफसी में पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की ओर से आयोजित तीसरे ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट-2023 रोड शो में हिस्सा लेने के दौरान केन्द्रीय मंत्री पत्रकारों से बात रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से काशी में इंफ्रास्ट्रक्चर में विकास हुआ है। इसकी वजह से आज काशी का आकर्षण विश्व भर में बढ़ता जा रहा है। हर साल काशी में एक करोड़ से अधिक पर्यटक आ रहे हैं।

दिनों दिन पर्यटकों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इसको देखते हुए हमने निर्णय किया है कि यहां एक वर्ल्ड क्लास क्रूज टर्मिनल बनाना बहुत जरूरी है। इससे पर्यटन और पर्यटक को बहुत फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि भारत के नदियों में एक नया वाटर-वे विकसित करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को पूरा करने के लिए मुंबई में 17 से 19 अक्टूबर के बीच ग्लोबल मैरिटाइम इंडिया समिट का आयोजन होना है। यह समिट विश्वभर के जलपोत कारोबार से जुड़े लोगों को आमंत्रित करने के साथ भारत में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है।

यह हमारे लिए भी बड़ा मौका है, जो 09 सालों में बड़ा सिस्टम बना है। पोर्ट शिपिंग वाटर सिस्टम को लेकर, इसकी वजह से आज हमें नए-नए कदम उठाने के लिए शक्ति मिली। वार्ता में प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र, पिंडरा के भाजपा विधायक डॉ. अवधेश सिंह भी मौजूद रहे।

बदमाशों ने दो लोगों को मारी गोली, एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

मथुरा। थाना रिफाइनरी के क्षेत्र छड़गांव रोड पिलुआ खेरिया में मोड़ पर पुरानी रंजिश को लेकर बीती रात दो लोगों पर हथियारबंद बदमाशों ने गोली मार दी, जिसमें एक व्यक्ति को गोली लगने से मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंचे एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, एसपी सिटी मार्तण्ड प्रकाश सिंह, सीओ रिफाइनरी सहित पुलिस फोर्स पहुंच गया, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। फिलहाल पुलिस हमलावर आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है।

थाना फरह क्षेत्र के गांव पिलुआ सादिकपुर के रहने वाले दाऊजी बाइक से साथी योगेंद्र उर्फ पहाड़ी के साथ थाना रिफाइनरी क्षेत्र के छड़गांव की तरफ घर जा रहे थे। यह लोग जैसे ही पिलुआ खेरिया में मोड़ पर पहुंचे तभी चार बदमाशों ने रोक दिया। फायरिंग शुरू कर दी। योगेन्द्र (पहाड़ी)

की गोली लगने से मौत हुई है, वहीं दाऊजी का इलाज चल रहा है। दाऊजी ने बताया कि गांव पिलुआ के रहने वाले जगदीश, ओम प्रकाश, सियाराम और एक अन्य युवक ने उन्हें और पहाड़ी को रोक लिया।

इसी बीच इनमें से एक ने तमंचा निकालकर गोली चला दी। पहला फायर बाइक चला रहे दाऊजी पर मिस हो गया। आरोपी जब तक दूसरा फायर करते तब तक दाऊजी ने तमंचा की नाल पकड़ ली। गोली उसके पैर में लग गई। इसी बीच पहाड़ी बाइक से उतरकर भागने लगा। बाइक छोड़कर जान बचाने के लिए भाग रहे पहाड़ी को नामजद आरोपियों ने दौड़कर उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया।

आरोपियों ने पहाड़ी के सिर में गोली मारी। जिसकी वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसी बीच गोली की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके की तरफ शोर मचाते हुए आने लगे। ग्रामीणों को आता देख आरोपी मौके से भाग गए। एसपी सिटी एमपी सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलते ही मुकद्दमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जायेगी। दाऊजी और ओमप्रकाश के बीच पिछले कई वर्षों से रंजिश चल रही है। दाऊजी और पहाड़ी पर 2019 में हुई हत्या का केस भी चल रहा है। दोनों एक साल पहले जेल से रिहा हुए थे। इसी पुरानी रंजिश के चलते ओमप्रकाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर दाऊजी और पहाड़ी पर हमला किया।

मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर मामले में हुई सजा पर रोक से कोर्ट का इंकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से गैंगस्टर मामले में मुख्तार अंसारी को मिली 10 साल की सजा पर उसके जेल में सजा की अवधि पूरी होने के चलते हाईकोर्ट ने इस मामले में जमानत मंजूर कर दी। परन्तु कोर्ट ने उनकी अपील पर सुनवाई करते हुए सजा पर रोक नहीं लगाई है। कोर्ट ने पांच लाख रुपये जुर्माने पर स्थगन आदेश पारित कर दिया है। इसके साथ ही अपील पर सुनवाई की तिथि तय कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने मुख्तार अंसारी की अपील पर सुनवाई करते हुए दिया है। इस मामले में मुख्तार को गाजीपुर की विशेष अदालत ने 29 अप्रैल को 10 साल की सजा और पांच लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। मुख्तार सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने 20 सितम्बर को फैसला सुरक्षित कर लिया था। बहस के दौरान मुख्तार अंसारी की तरफ से प्रमाणपत्र दाखिल किया था और कोर्ट को बताया था कि मुख्तार इस केस में रिमांड बनने के बाद से 12 साल 4 महीने से जेल में बंद हैं। वह सजा से अधिक समय जेल में काट चुके हैं। लिहाजा, उन्हें जेल में रहने का कोई औचित्य ही नहीं बनता है। कोर्ट ने बांदा जेल अधीक्षक से भी रिपोर्ट मांगी थी। सरकारी अधिवक्ता की ओर से जमानत अर्जी पर विरोध किया गया था। इसी मामले में मुख्तार के भाई अफजाल को पहले ही जमानत मिल चुकी है।

अलसी की वैज्ञानिक विधि से करें खेती तो होगा अधिक लाभ : डॉ. राजेश राय

कानपुर । अलसी की खेती किसानों के लिए फायदेमंद है। इससे तेल के साथ-साथ रेशा भी निकलता है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। अलसी की वैज्ञानिक विधि से खेती करने से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त होगा।

यह बात सोमवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के दिलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने दी। राजेश राय ने बताया कि पूरे देश में अलसी का क्षेत्रफल 7.98 लाख हेक्टेयर है। उत्तर प्रदेश में अलसी का क्षेत्रफल वर्ष 2018-19 में 0.28 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन 0.18 लाख मैट्रिक टन था। अलसी में प्रोटीन 18 से 20 प्रतिशत, कार्बोहाइड्रेट 18 से 88 प्रतिशत, वसा

38 से 42 प्रतिशत,कैलोरी 530 किलो कैलोरी, रेशा 20 से 22 प्रतिशत, विटामिंस, मिनरल्स के साथ-साथ एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

डॉ राय ने बताया कि अलसी की बुवाई का समय बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए अक्टूबर का प्रथम पखवाड़ा तथा शेष उत्तर प्रदेश में अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में बुवाई करनी चाहिए। सीएसए ने विकसित किए अलसी के कई प्रजातियां विश्वविद्यालय ने विकसित अलसी की प्रजातियां जैसे गरिमा, शुभरा, श्वेता, नीलम, पद्मिनी, शेखर, गौरव, शिखा,रश्मि,पार्वती, रुचि सहित अन्य हैं जबकि वर्ष 2019 में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सूर्या एवं अन्नू प्रजातियां पूरे देश के लिए संस्तुति हैं। उन्होंने बताया कि सामान्यतः अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड 50 से 62 प्रतिशत होता है, जबकि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सूर्या प्रजाति में ओमेगा-3 फैटी एसिड 62.7 प्रतिशत पाया जाता है।

डॉ.राय ने बताया कि असली का प्रयोग से ओमेगा-3 कोलेस्ट्रॉल को घटाता है, अर्थराइटिस की समस्या को दूर करता है। जिसमें 20 से 22 प्रतिशत रेशा होता है जो मधुमेह को कम करता है। अलसी में लिग्निन भी पाया जाता है जो कैंसर को नियंत्रित करने में लाभकारी है।

7 अपर न्यायाधीशों को चीफ जस्टिस ने स्थायी जज की शपथ दिलाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सोमवार को सात अपर न्यायाधीशों को स्थाई न्यायाधीश की शपथ दिलाई गई। शपथ समारोह सुबह 10 बजे से मुख्य न्यायाधीश के न्याय कक्ष में सम्पन्न हुआ। शपथ मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर ने दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के चलते कोर्ट में काम 11 बजे से शुरू हुआ। शपथ लेने वाले सभी न्यायमूर्ति अपर न्यायमूर्ति के रुप में कार्यरत थे। शपथ समारोह में सभी न्यायमूर्तियों, न्यायिक अधिकारियों सहित भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहें। शपथ लेने वाले न्यायमूर्तियों में न्यायमूर्ति उमेश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति श्रीमती रेनू अग्रवाल, न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र, न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन, न्यायमूर्ति शिव शंकर प्रसाद, न्यायमूर्ति गजेन्द्र कुमार व न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव शामिल हैं।

डॉक्टर हत्याकांडः आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने सहित छह मांगों पर सहमति के बाद हुआ अंतिम संस्कार

सुलतानपुर। डॉक्टर घनश्याम तिवारी के शव का धोपाप घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके आठ वर्षीय पुत्र ने मुखाग्नि दी। भाजपा जिलाध्यक्ष, दो भाजपा विधायकों व एक पूर्व विधायक ने परिवार की मांग पर सहमति जाहिर करते हुए उसे जिलाधिकारी को सौंपा। उनकी मांगों को जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मान ली है। नगर के शास्त्री नगर इलाके में डॉक्टर की रंगदारी नहीं देने पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण सिंह के भतीजे अजय नारायण सिंह ने शनिवार की शाम पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। डॉक्टर की पत्नी निशा तिवारी की तहरीर पर अजय व दो अज्ञात के विरुद्ध कोतवाली नगर में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया।

तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया लेकिन मुख्य आरोपित सत्ता पोषित अजय पुलिस को ढूढ़े नहीं मिला। उधर रविवार शाम पोस्टमार्टम के बाद शव पैतृक गांव पहुंचा तो परिवार वालों ने शव के अंतिम संस्कार से मना कर दिया। परिवार डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को बुलाने की मांग के साथ बुलडोजर की कार्रवाई पर अड़ गया। एसडीएम और सीओ स्तर पर अधिकारी लगाए गए लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। रविवार की रात में स्वयं जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक पहुंचे फिर भी बात नहीं बनी। सोमवार सुबह परिवार ने प्रशासन के सामने छह मांगे रखी। परिवार की सुरक्षा और शस्त्र लाइसेंस, जमीन पर कब्जा दिलाने, योग्यता के अनुसार रोजगार और एक करोड़ का मुआवजा, अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी और आरोपितों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई की मांग की। इन मांगों की संस्तुति भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. आरए वर्मा, लंभुआ से भाजपा विधायक सीताराम वर्मा, सदर विधायक राजबाबू उपाध्याय और पूर्व लंभुआ विधायक देवमणि द्विवेदी ने की। इस पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सहमति व्यक्त किया। उसके बाद अंतिम संस्कार हो सका। स्वयं पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी ने डॉ. के शव को कांधा दिया। बड़ी संख्या में लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। डॉक्टर की पत्नी निशा तिवारी ने मीडिया में कहा है कि योगी सरकार का बड़ा नाम सुने हैं। मेरे साथ न्याय किया जाए। उसको सजा दी जाए। वह ऐसे न घूमे। उसने मेरा नाश किया है, उसका भी सर्वनाश हो। यही मैं चाहती हूं। मै क्या करूं, मेरे मुख से अपशब्द निकल रहे हैं। मैने कभी नहीं सोचा था कि अपने पति की ऐसी स्थिति देखूंगी। कुछ भी उन्हें हुआ होता तब भी संतोष होता। अच्छे खासे गए उसने मारकर भेजा।

भाजपा के लोग जब फंसते हैं तो खो जाती है उनकी चाभी : अखिलेश यादव

सुलतानपुर। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने डॉ. घनश्याम तिवारी की हत्याकांड पर प्रदेश की योगी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। हत्यारे का भाजपा से कनेक्शन होने को मुद्दा बनाते हुए अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा कि 'बुलडोजर की स्टेयरिंग भाजपा के हाथ में है। जब कभी बीजेपी के लोग फंसने लगते हैं तो चाभी उनकी खो जाती है। उसे चलाने वाले लोग नहीं मिलते हैं। मीडिया से बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि सुल्तानपुर में जिस डॉक्टर घनश्याम तिवारी की हत्या हुई,मेरी पीड़ित परिवार से बात हुई है। अधिकारियों से भी बात हुई है। उन्होंने बताया है इनाम घोषित हो गया है, 24 घंटे के अंदर गिरफ्तारी होगी और कड़ी कार्रवाई होगी।

'एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचारों की संरचना का उत्तराखंड से जुड़ाव रहा है'

राजनैतिक क्षेत्र में वैचारिक दर्शन के जनक थे पंडित दीनदयाल: महेंद्र भट्ट

देहरादून। भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर देहरादून सहित प्रदेश भर के बूथ और शक्ति केंद्र में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचार की संरचना का उत्तराखंड से जुड़ाव रहा है।

सोमवार शाम बलवीर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने उन्हें राजनैतिक क्षेत्र में वैचारिक दर्शन का जनक बताने के साथ भाजपा सरकारों की सर्वांगीण विकास की नीति को अंत्योदय विचारों की देन बताया। उन्होंने कहा कि पहली बार पंडित दीनदयाल ने अहसास कराया कि सामाजिक कामों की तरह राजनैतिक कार्यों के लिए वैचारिक और सैद्धांतिक विचारधारा का होना अति आवश्यक है। इसी जरूरत को केंद्र में रखते हुए

उन्होंने एकात्म मानववाद विचार दर्शन और अंत्योदय के सिद्धांत को प्रतिपादित किया। आज केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकारों के जितनी भी विकास योजनाएं संचालित हो रही हैं, उसके केंद्र में पंडित दीनदयाल के अंत्योदय विचारों से प्रेरित हैं।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय उप कोषाध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल ने विस्तार से पंडित दीनदयाल के वैचारिक दर्शन एवं सिद्धांतों को कार्यकर्ताओं के सम्मुख प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरसंघचालक गुरु ने ही उन्हें जिस संस्कृति रक्षते भारत पुस्तक के अवलोकन करने को कहा, वह उत्तराखंड में थी और उसी के विचार पर एकात्म मानववाद का उद्भव हुआ। उन्होंने पंडित दीनदयाल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके अनेकों प्रसंग सुनाकर लोगों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में केवल विकास नहीं बल्कि देश समाज का सर्वांगीण विकास हो रहा है, वह सब अंत्योदय विचारों से प्रेरित है। चाहे वह कोरोनाकाल से लेकर आज तक 80 करोड़ लोगों के भोजन की चिंता करना हो, चाहे 9.5 करोड़ उज्ज्वला कनेक्शन देकर माताओं को धुएं और उनकी रसोई को कालिख से निजात दिलाना हो, चाहे 4 करोड़ आवास की व्यवस्था करना हो, चाहे 18 हजार गांवों में बिजली पहुंचाना हो, चाहे हर घर में पेयजल देना हो, चाहे कोविड में 230 करोड़ वैक्सीन निशुल्क देकर देशवासियों की जान बचाना हो, चाहे एम्स की संख्या 1 से 15 करनी हो, चाहे स्वनिधि और मुद्रा आदि ऋण से युवाओं को रोजगार देना हो। इसी तरह दशकों से लटकाए जा रहे महिला आरक्षण कानून को संसद से पास कराने का निर्णय हो, सब कुछ हमारे मार्गदर्शक दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय विचारों की देन है। उनके ही राजनीति में दिखाए रास्ते पर चलकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम सभी सशक्त राष्ट्र कर रहे हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष नीरू देवी के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि देकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा, कार्यालय निर्माण एवं रखरखाव समिति के राष्ट्रीय संयोजक रविन्द्र राजू, प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष पुनीत मित्तल, प्रदेश कार्यालय सचिव कौस्तुभानंद जोशी, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, विश्वास डाबर, सुभाष बड़थ्वाल, जोगेंद्र पुंडीर, राजेंद्र नेगी माणिक निधि शर्मा, सुनीता विद्यार्थी समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एकात्म मानववाद के प्रणेता थे पं. दीनदयाल उपाध्याय: डॉ. गौर

- पं. दीनदयाल की दिव्य एवं वृहद प्रतिमा स्थापित की जाएगी : गणेश केसरवानी
- पं. दीनदयाल उपाध्याय का सपना साकार हो रहा : राजेंद्र मिश्रा

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 107वीं जन्म जयंती महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में मनाई गई। बालसन चौराहे पर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय मानव एकात्मवाद के प्रणेता रहे। उन्होंने अंत्योदय का दर्शन दिया।

डॉ. गौर ने बताया कि उनका जन्म 25 सितंबर 1916 में मथुरा के नगला चंद्रभान गांव में हुआ था। वे 1967 में जनसंघ अध्यक्ष बने। उनकी मृत्यु 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय स्टेशन में हुई थी, जो आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के नाम से जाना जाता है। महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन का हर क्षण और रक्त का कण राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की वृहद एवं दिव्य प्रतिमा बालसन चौराहे स्थित पंडित दीनदयाल की प्रतिमा पार्क में आने वाले उनके 11 फरवरी स्मृति दिवस पर स्थापित की जाएगी। मेडिकल कॉलेज के पास स्थित राज्य विद्यालय के प्रांगण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर भी महापौर ने श्रद्धांजलि अर्पित की और सुसज्जित करने को कहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार कर रही है। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष शशि वार्ष्णेय, पार्षद भोला तिवारी, पदुम जायसवाल, रईस चंद्र शुक्ला ने भी अपने विचार रखे।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि भाजपा के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती अंत्योदय दिवस के रूप में प्रयागराज के सभी 252 शक्ति केंद्रों में मनाई गई। कार्यक्रम के संयोजक राघवेंद्र सिंह कुशवाहा रहे। संचालन कुंज बिहारी मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन मंडल अध्यक्ष अनिल भट्ट ने किया।

संक्षिप्त खबरें

मेरठ में पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो गो-तस्कर घायल,तीसरा भी दबोचा

मेरठ। दौराला थाना क्षेत्र के रुहासा गांव में सोमवार सुबह पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो गो-तस्कर घायल हो गए। जबकि पुलिस ने उनके तीसरे साथी को भी गिरफ्तार कर लिया। गोतस्करों के पास से गोकशी के औजार बरामद हुए। दौराला पुलिस को सोमवार सुबह सूचना मिली कि रूहासा गांव में रजवाहे की पटरी के पास तीन गोतस्कर खड़े हैं। दौराला पुलिस और एसओजी की टीम ने मौके पर पहुंचकर गोतस्करों की घेराबंदी कर ली। खुद को घिरा देखकर गोतस्करों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से दो गोतस्कर घायल हो गए। जबकि पुलिस ने घेराबंदी करके तीसरे तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर दौराला संजय शर्मा ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करके तीन गोतस्करों को गिरफ्तार किया है।

सोनभद्र जा रही ऑटो से ट्रैक्टर की टक्कर में श्रमिक की मौत

मीरजापुर। हलिया थाना क्षेत्र के गुर्गी गांव से आधा दर्जन श्रमिकों को लेकर सोनभद्र जा रही ऑटो रविवार देर रात गोपलपुर गांव के पास ट्रैक्टर की टक्कर से पलट गई। हादसे में एक श्रमिक की मौत हो गई। अन्य लोग अपना सामान बटोर कर वापस कम पर चले गए। काम की तलाश में हलिया थाना क्षेत्र के गुर्गी गांव निवासी संतोष कोल अपने आधा दर्जन साथियों के साथ रविवार रात ऑटो पर सवार होकर सोनभद्र के मारकुंडी जा रहा था। मड़िहान थाना क्षेत्र के गोपलपुर गांव के सामने पहुंचते ही कलवारी की ओर से आ रही तेज रफ्तार की ट्रैक्टर ने ऑटो को धक्का मार दिया। ऑटो पलट गई और संतोष जमीन पर गिर पड़ा। रात होने के कारण इलाज न मिलने पर चोटिल पैदल ही चल दिया। कुछ दूर जाने के बाद नाले पर बनी पुलिया पर बैठ गया लेकिन वह संभल न सका और सीधे नाले में जा गिरा। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने खोजबीन के बाद उसे बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़िहान पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जीआरपी हेड कॉन्स्टेबल की पिस्तौल और कारतूस चोरी, केस दर्ज

मुरादाबाद। रेलगाड़ी संख्या 14673 शहीद एक्सप्रेस में राजकीय रेलवे पुलिस के हेड कांस्टेबल की पिस्तौल और 10 करतूस चोरी करने के मामले में जीआरपी मुरादाबाद में अज्ञात आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया। जिला सुल्तानपुर के थाना कादीपुर निवासी जीआरपी हेड कांस्टेबल सुरजीत प्रताप सिंह ने दर्ज कराए मुकदमे में कहा कि बीती 21 सितंबर को वह जीआरपी हेड कांस्टेबल विनय कुमार सोनकर के साथ लखनऊ से मुरादाबाद आ रहा था। ट्रेन में अत्यधिक भीड़ होने के कारण किसी अज्ञात आरोपित ने उनकी सरकारी पिस्टल और उसके कवर में लगे 10 कारतूस चोरी कर लिए।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में जसलीन, राबिया अव्वल

मुरादाबाद। मुरादाबाद के साहू रमेश कुमार कन्या इंटर कॉलेज में रोटरी मंडलीय इंट्रेक्ट क्लब के तत्वावधान में वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में रेड हाउस, येलो हाउस, ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस की छात्राओं ने भाग लिया। कॉलेज प्रधानाचार्या अर्चना साहू ने बताया कि प्रतियोगिता में सब जूनियर वर्ग कक्षा 6, 7, 8 का विषय मोबाइल से लाभ व हानि, जूनियर वर्ग कक्षा 9 व 10 का विषय 21 वीं सदी का भारत विश्वशक्ति बनने की ओर, सीनियर वर्ग कक्षा 11 व 12 का विषय कत्रिम होशियारी रहा।

प्रतियोगिता में सब जूनियर वर्ग में ग्रीन हाउस की जसलीन प्रथम व ग्रीन हाउस की चंचल द्वितीय स्थान पर रहीं। जूनियर वर्ग में ब्लू हाउस की प्रियंका प्रथम व रेड हाउस की हृदयांशी द्वितीय स्थान पर रहीं। सीनियर वर्ग में ग्रीन हाउस की राबिया प्रथम व रेड हाउस की भावना

द्वितीय स्थान पर रहीं। इस मौके पर कालेज प्रबंधक व सीनियर रोटेरियन सुशील साहू ने कहा कि मोबाइल जितना सुविधाजनक हैं उतना ही नुकसानदायक सिद्ध हो जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में भारत के चंद्रायान की सफल लैंडिंग और भारत की अध्यक्षता में जी-20 की सफल बैठक गर्व का विषय है। अब वह दिन दूर नहीं, जब हमारा देश पुनः विश्वगुरु बन जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने रोटरी के इंट्रेक्ट क्लब के बारे में विस्तार से बताया। निर्णायक मंडल में प्रधानाचार्य अर्चना साहू, समाजसेविका रोटेरियन संगीता अग्रवाल, वरिष्ठ शिक्षिका शैलजा रस्तोगी रही।

संचालन छात्रा परी शर्मा व संजना कश्यप ने किया। इस मौके पर इंट्रेक्ट इंटैक्ट क्लब इंचार्ज मिनी बजाज, प्रीति खन्ना, निमित जायसवाल, राजीव सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरगांव को मिला नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट

झांसी। जिले में सरकारी क्षेत्र के चिकित्सालयों में सुधार की प्रक्रिया ने जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के नेतृत्व में रफ्तार पकड़ ली है। इसी क्रम में जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरगांव ने 86.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रतिष्ठित नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त किया है। विगत तीन माह में यह दूसरा सरकारी क्षेत्र का चिकित्सालय है, जिसने यह उपलब्धि प्राप्त की है। इसके पहले माह जुलाई में उपकेंद्र बनगुआं जनपद के पहले उपकेंद्र के रूप में सर्टिफाइड हुआ था और अब चिरगांव ने भी जनपद के पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त किया है।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुधाकर पांडेय का कहना है कि जन सामान्य को गुणवत्तापरक सेवाएं प्रदान करना हमारा उद्देश्य है। इसी क्रम में चिकित्सा इकाइयों के सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने सर्टिफिकेशन के मानक की

जानकारी देते हुए बताया कि चिकित्सालय परिसर व आस-पास अतिक्रमण, जल जमाव, खुली नालियां, मुख्य सड़क से चिकित्सालय तक के पहुंच मार्ग, स्ट्रीट लाईट, सामुदायिक शौचालय, हर्बल गार्डन, कचरे का निस्तारण, जलापूर्ति, विद्युत ऑडिट, फायर सेफ्टी के साथ-साथ गुणवत्ता चिकित्सा सेवाओं के लिये चिकित्सालय में सभी आवश्यक क्रियाशील उपकरण, राष्ट्रीय कार्यक्रमों का क्रियान्वयन, लाभार्थियों की संतुष्टि, मानक के अनुसार अन्य सेवाएं आदि शामिल हैं। जनपद के गुणवत्ता परामर्शदाता डॉ मनीष खरे ने बताया कि भारत सरकार द्वारा नामित टीम द्वारा अस्पताल के सभी विभागों में प्रदान की जा रही सेवाओं का गहनता से मूल्यांकन किया जाता है। इस दौरान 70 प्रतिशत से अधिक गुणवत्ता मानक पूरे करने वाले अस्पतालों को ही सर्टिफाइड माना जाता है।

उत्तरवाहिनी शिप्रा नदी में चला कचरा मुक्त भारत अभियान

नैनीताल। भारत सरकार के केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के तत्वावधान में नैनीताल जनपद की भवाली से निकलकर कैंची धाम होते हुए खैरना में जाकर कोसी नदी में मिलने वाली उत्तरवाहिनी शिप्रा नदी पर कचरा मुक्त भारत अभियान के तहत कूड़े का निस्तारण किया गया। नोडल अधिकारी अपर जिलाधिकारी शिवचरण द्विवेदी एवं परियोजना निदेशक अजय सिंह की अगुवाई में चलाये गये इस अभियान में नगर पालिका परिषद भवाली को 5 एवं विकास खंड बेतालघाट में अवस्थित ग्रामीण क्षेत्रों को 6 सेक्टरों में बांटा गया था। अभियान में डीआरडीए विकास भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, नगर पालिका परिषद भवाली व विकास खंड बेतालघाट के जनप्रतिनिधियों, महिला मंगल दलों के सदस्यों तथा शिप्रा कल्याण समिति के अध्यक्ष जगदीश नेगी, आंगनबाडी कार्यकत्रियों सहित लगभग 1300 लोगों ने प्रतिभाग कर लगभग 11 क्विंटल कूड़े का निस्तारण किया।

राज्यपाल ने रज्जू भैया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ मटके में जल भरकर किया

रिसर्च को बढ़ावा दें संस्थान: आनंदीबेन पटेल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को प्रो. राजेन्द्र सिंह ''रज्जू भैया'' विश्वविद्यालय में आयोजित छठे दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मटके में जल भरकर किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन भी किया। कुलाधिपति ने सरायइनायत के प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को स्कूल बैग एवं अन्य उपहार सामाग्री का वितरण किया तथा आगनबाड़ी केन्द्रों से आयीं हुई प्रतिनिधियों को खेल का सामान व आंगनबाड़ी किट प्रदान किया। दीक्षांत समारोह में कुल 161 छात्र-छात्राओं को पदक तथा कुल 1,42,482 छात्रों को उपाधि दी गयी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी पदक व उपाधि पाने वाले विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। कहा, इस दीक्षांत समारोह में पदक प्राप्त करने वालों में छात्राओं का प्रतिशत अधिक है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की

संख्या बढ़ने पर खुशी जताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अगले 10 वर्ष में रोजगार परक विषय क्या हो, कैसे पढ़ाया जाये, जो नवजवानों को रोजगार प्राप्त करने में सहायक हो, इसकी तैयारी हमें आज से ही करनी होगी। आज के भारत में विदेशों से कई कम्पनियां भारत में निवेश कर रही है तथा बड़े-बड़े उद्योग लगा रही है। उत्तर प्रदेश में कई डिफेंस कॉरिडोर बनने की तैयारी हो रही है, इसलिए हमारा दायित्व बनता है, हम ऐसे कोर्स शुरू करें, जिससे कि आने वाले समय में बच्चों को वहां पर रोजगार मिलने में कठिनाई न हो।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत रक्तदान, अंगदान, आयुष्मान हेल्थ कार्ड सहित अन्य कार्य किए जा रहा हैं। इसमें विश्वविद्यालयों व कालेजों को भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी को दूसरे की जिंदगी को बचाने के लिए आगे आना होगा, इसलिए अंगदान जो सबसे पुनीत कार्य है, उसके लिए हमें लोगो को जागरूक करना होगा। लोग अपनी मानसिकता बदले और दूसरों को भी अंगदान करने के लिए प्रेरित करें।

आनंदीबेन पटेल ने कहा कि हमारे देश की नारी शक्ति को एक नई ऊर्जा देने वाला 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' गत दिवस राज्यसभा और लोकसभा से पूर्ण बहुमत से पास हो गया है। इससे देश की महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्वीकरण का दौर है। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। परन्तु अभी कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें हमें दक्षता हासिल करना है। उन्होंने कहा कि हमें सबसे ज्यादा काम रिसर्च को बढ़ावा देने में करना होगा। यह देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्रीनंदा देवी महोत्सव में नंदा चालीसा पाठ कर माता की शक्तियों का वर्णन किया

नैनीताल। सरोवर नगरी में आयोजित हो रहे श्रीराम सेवक सभा के 121वें श्रीनंदा देवी महोत्सव में सोमवार को नंदा चालीसा का पाठ किया करते हुए माता नंदा-सुनंदा की शक्तियों का वर्णन किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। नंदा चालीसा के बाद शांति मेहरा, मंजू रौतेला, दया बिष्ट, पारस जोशी, कैलाश जोशी, बृज मोहन जोशी, मुकुल जोशी, पारस जोशी, संतोष पांडे, श्रुति कोहली विमल चौधरी, हीरा, वीरेंद्र, राहुल व कैलाश तिवारी आदि ने भजन प्रस्तुत किए। इस दौरान नंदा-सुनंदा की जय-जयकार के साथ पूरा शहर नंदामय रहा।

इधर महोत्सव के सीधा प्रसारण में मूर्ति में रंग भरने वाली कलाकार आरती, मोनिका साह, डॉ. पल्लवी किशोर, आशा शर्मा, समाज सेवी अल्का जीना ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने हिमालय के साथ नंदा देवी पर पर चर्चा की। संचालन

प्रो. ललित तिवारी, हेमंत बिष्ट, मुकेश जोशी, नवीन पांडे, मीनाक्षी कीर्ति व दिव्या साह ने किया।

महोत्सव की सफलता में गिरीश जोशी मनोज साह, अशोक साह, जगदीश बवाड़ी, विमल चौधरी, विमल साह, राजेंद्र बिष्ट, राजेंद्र लाल साह, देवेंद्र लाल साह मुकुल जोशी, ललित साह, भुवन बिष्ट भीम सिंह कार्की, मिथिलेश पांडे, संतोष पांडे, प्रदीप बिष्ट, मोहित साह, ललित साह, सुरेश बिनवाल व अमर साह आदि योगदान दे रहे हैं। श्रीनंदा देवी महोत्सव के दौरान आयोजक संस्था के श्रीराम सेवक सभा प्रांगण मल्लीताल व तल्लीताल में आदर्श समिति अल्मोड़ा, संकल्प महिला समूह की रक्षिता, लक्षिता, लोकगायक ललित मोहन चमियाल, कैलाश, अंकिता बुधलाकोटी द्वारा भजन प्रस्तुत कर सांस्कृतिक रंग भरे। तल्लीताल दर्शन घर से मारुति नंदन साह, विक्की राठौर, ममता जोशी व राजू मनराल आदि की अगुवाई में मां नंदा-सुनंदा के साथ नैनी झील की पंच आरती एवं भजन किए गए।

महान चिंतक एवं संगठनकर्ता थे पंडित दीनदयाल : धनंजय

मेरठ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक धनंजय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय महान चिंतक और कुशल संगठनकर्ता थे। उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मैनेजमेंट कॉलेज माल रोड पर सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। आईआईएमटी ग्रुप के प्रबंध निदेशक डॉ. मयंक अग्रवाल, मुख्य अतिथि आरएसएस के विभाग प्रचारक धनंजय एवं आलेक ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. मयंक अग्रवाल ने अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। छात्र-छात्राओं ने पंडित दीनदयाल के जीवन से जुड़ी एक घटना का लघु नाटिका के रूप में मंचन किया। धनंजय ने कहा कि पंडित दीनदयाल नितान्त सरल एवं सौम्य स्वभाव के व्यक्ति थे एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अभूतपूर्व रहा है।

युवाओं का आत्मज्ञ होना आवश्यक : परमानन्द

श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित्र की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

झांसी। युगपुरुष महामंडलेश्वर स्वामी परमानन्द महाराज ने अद्वैत ज्ञान की शिक्षा दी। उन्होंने कहा कि युवाओं का आत्मज्ञ होना जरूरी है। आत्म ज्ञान के बिना भगवद प्राप्ति संभव नहीं। स्वामी परमानन्द महाराज ने कहा कि लोगों को समझ नहीं आता कि हम ब्रह्म हैं।

उन्होंने कहा कि जगद्गुरु शंकराचार्य ने कहा अहम ब्रह्मास्मि, यह चैतन्य आत्मा ही ब्रह्म है। परिवर्तन चैतन्य से चिदाभास में होता है। ब्रह्म सर्वत्र है पर भ्रम वहां है, जहां चित्त व अहंकार है। जब तक यह निर्णय नहीं करता कि मैं ही हूं। तब ध्यान के लिए समाधि की भी जरूरत नहीं है। जगद्गुरु शंकराचार्य ने चार मठ बनाए,4 शंकराचार्य बनाए। 10 नामी अखाड़े बनाए, लेकिन आज भी करोड़ों लोगों को इस ज्ञान का भान ही नहीं। उन्होंने कहा जगद्गुरु शंकराचार्य ने स्पष्ट किया कि अभिमान शुरू में अच्छा है। बाद में

जब स्वरूप में जाएं तब सारे बन्धनों से मुक्त हो जाते हैं। आशीर्वाद व्यर्थ नहीं पर अमरता भागवत कथा सुनने के बाद ही मिलती है। जब सृष्टि हुई तो वह पहले पुरुष के साथ ही साम्य अवस्था में थी। बाद में प्रीतम से अलग हुई।

वही अखंड परमधाम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिवस महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद ने श्रीमद् भागवत कथा में योग योगेश्वर श्रीकृष्ण के मित्र सुदामा के चरित्र की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि नन्द नन्दन ने मित्रता के आगे तीनों लोकों के ऐश्वर्य को भी नश्वर समझा। उन्होंने अपने मित्र के लिए दो लोकों का राज्य लुटा दिया। योग योगेश्वर श्रीकृष्ण के जीवन में दुखों को देखो तो सहन नहीं कर पाओगे। जब ईश्वर इस संसार में आकर विधि के विधान का निर्वहन करते हैं तो फिर हमें शिकायत नहीं करनी चाहिए। दुखों में भी उनके चेहरे पर सदैव मुस्कराहट ही रही। कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद ने श्रीमद्भागवत कथा का रसास्वादन कराते हुए बताया कि अविद्या का चमत्कार तो देखिए कि पूरे जीवन हिरण कस्तूरी खोजते हुए मार जाता है लेकिन कस्तूरी मिलती नहीं, किंतु वह तो अंदर थी। ठीक उसी प्रकार सुख हमारे हृदय में निवास है पर हम महसूस नहीं कर पा रहे हैं। यह तो ईश्वर की कृपा है कि कभी इन्ही तीन घंटों में आपको अंतः सुख की प्राप्त हो सके।

आप अपने बेटे से ज्यादा भगवान को मत मानो पर उससे कम तो मत करो। ईश्वर को अपने अनुसार मानो। मोक्ष और मनुष्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि आपके मन में मोक्ष की प्राप्ति की इच्छा है तो एक दिन कोई भगवत प्रेमी संत आपको उससे मिलाने जरूर आएगा। उन्होंने श्रीकृष्ण के पुत्र कामदेव के अवतार प्रद्युम्न के अवतरण की कथा सुनाई। उन्होंने भगवान की अष्ट पटरानियों के विवाहों का भी वर्णन किया।

संक्षिप्त खबरें

बॉन्ड से 3,126 करोड़ जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी लेगी एमटीएनएल

नई दिल्ली। घाटे में चल रही सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी महानगर टेलिफोन निगम लिमिटेड सरकार की गारंटी वाले ऋण बॉन्ड के जरिये 3,126 करोड़ रुपये जुटाने को शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। कंपनी द्वारा सोमवार को दायर एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी गई है। वर्ष 2022 में मंत्रिमंडल ने बीएसएनएल और एमटीएनएल के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपये के दूसरे पुनरुद्धार पैकेज को मंजूरी दी थी। मंत्रिमंडल ने पूंजीगत व्यय के लिए वित्तीय सहायता, ग्रामीण लैंडलाइन के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण, बही-खाते को दबाव मुक्त करने के लिए वित्तीय सहायता, समायोजित सकल राजस्व बकाया के निपटान और बीएसएनएल के साथ बीबीएनएल के विलय के लिए सहायता को मंजूरी दी थी। जनवरी तक एमटीएनएल पर कुल 28,581 करोड़ रुपये का कर्ज था। बजट अनुमान के अनुसार कंपनी को वित्त वर्ष 2023-24 में 2,808 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा होने की आशंका है।

सेरेंटिका रिन्यूएबल ने आरईसी, पीएफसी से 5,600 करोड़ रुपये का कर्ज जुटाया

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी सेरेंटिका रिन्यूएबल ने सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों आरईसी और पीएफसी से 5,600 करोड़ रुपये जुटाए हैं। सेरेंटिका रिन्यूएबल की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, कंपनी ने आरईसी से 3,000 करोड़ रुपये और पीएफसी से 2,600 करोड़ रुपये का कर्ज जुटाया है। आरईसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विवेक कुमार देवांगन ने कहा कि यह कदम हरित परियोजनाओं के वित्तपोषण में आरईसी की बढ़ती भूमिका और खुद को ऊर्जा बदलाव के लिए प्रमुख एजेंसी के रूप में स्थापित करने के अनुरूप है। सेरेंटिका रिन्यूएबल के निदेशक प्रतीक अग्रवाल ने कहा कि सुरक्षित वित्त पोषण से हम अपनी परियोजनाओं के पहले चरण के विकास में तेजी लाएंगे, जो कठिन ऊर्जा गहन औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करेगा और उन्हें शुद्ध-शून्य भविष्य की ओर बढ़ने में मदद करेगा।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नोएडा में 2,000 करोड़ से अधिक मूल्य के करीब 670 फ्लैट बेचे

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने मजबूत मांग के दम पर नोएडा में अपनी नई आवासीय परियोजना में 2000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के करीब 670 फ्लैट बेचे हैं। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने पिछले साल नवंबर में नोएडा प्राधिकरण द्वारा आयोजित ई-नीलामी के जरिए जमीन खरीदी थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने नोएडा सेक्टर-146 स्थित गोदरेज ट्रॉपिकल आइल परियोजना में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 670 आवास बेचे हैं। इस परियोजना की शुरुआत अगस्त में की गई थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा कि गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए नोएडा एक बेहद महत्वपूर्ण बाजार है और हम आने वाले वर्षों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

एम्बुलेंस सेवा प्रदाता डायल4242 ने शुरुआती वित्त पोषण चक्र में जुटाए एक करोड़ रुपये

मुंबई। एम्बुलेंस सेवा प्रदाता डायल4242 ने अपनी पहुंच तथा सेवाओं का विस्तार करने के लिए शुरुआती वित्त पोषण चक्र में एक करोड़ रुपये जुटाने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, डायल4242 में अपने डिलीवरी पार्टनर्स को 15 मिनट में एम्बुलेंस उपलब्ध कराने के लिए कुछ डिलीवरी मंच के साथ साझेदारी की है। कंपनी के संस्थापक जीतू लालवानी ने कहा कि शुरुआती वित्त पोषण चक्र (सीड फंडिंग राउंड) का सफल समापन कंपनी में निवेशकों के विश्वास का दर्शाता है। यह राशि हमारी पहुंच तथा सेवाओं का विस्तार करने में महत्वपूर्ण होगी।

यूरोपीय संघ के आयुक्त ने चीन में अधिक संतुलित व्यापार का किया आह्वान

बीजिंग। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त ने करीब 400 अरब यूरो के व्यापार असंतुलन को देखते हुए चीन के साथ अधिक संतुलित आर्थिक संबंधों का सोमवार को आह्वान किया। उन्होंने आगाह किया कि यूक्रेन में युद्ध पर चीन की स्थिति से यूरोप के साथ उसके रिश्ते खतरे में पड़ सकते हैं। वाल्दिस दोंब्रोव्स्की ने चीन के प्रतिष्ठित सिंघुआ विश्वविद्यालय में एक भाषण में कहा कि यूरोपीय संघ और चीन को महत्वपूर्ण राजनीतिक व आर्थिक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है जो उनके अलग होने का कारण बन सकता है। दोंब्रोव्स्की के भाषण के बाद जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार उन्होंने कहा कि सबसे मजबूत, लेकिन एकमात्र नहीं....यूक्रेन के खिलाफ रूस के आक्रमक युद्ध के बाद विपरीत परिस्थिति और इस मुद्दे पर चीन का रुख... यूरोपीय संघ के नेता ने चीन के साथ ब्लॉक के बढ़ते व्यापार घाटे के बारे में चिंता व्यक्त की, जो पिछले साल 396 अरब यूरो तक पहुंच गया था। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त ने चीन से आर्थिक संबंधों में पारस्परिकता की कमी को दूर करने का आग्रह करते हुए कहा कि आंकड़े खुद सब बयां करते हैं। दोंब्रोव्स्की ने विदेशी संबंध से जुड़े नए कानून तथा अद्यतन जासूसी विरोधी कानून का हवाला भी दिया जिससे यूरोपीय कंपनियां अपने अनुपालन दायित्वों को समझने के लिए संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने कानूनों के बारे में कहा कि उनकी अस्पष्ट व्याख्या से परेशानी खड़ी हो रही है और इससे चीन में नए निवेश बाधित हो रहे हैं।

आईएचसीएल ने सिक्किम में विस्तार किया, गंगटोक में खोला रिजॉर्ट

कोलकाता। टाटा समूह की आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने सोमवार को कहा कि उसने सिक्किम की राजधानी गंगटोक में एक रिजॉर्ट खोलकर राज्य में अपने परिचालन का विस्तार किया है। कंपनी ने बयान में कहा कि 14 एकड़ भूमि में फैला यह रिजॉर्ट एक शांत जगह में है और यह सिक्किम के सौंदर्यशास्त्र और समकालीन डिजाइन को दर्शाता है। रिजॉर्ट के उद्घाटन में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग शामिल हुए। आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पुनीत चटवाल ने कहा कि यह विस्तार क्षेत्र की वाणिज्यिक और पर्यटन क्षमता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बैंकर के लिए जमाकर्ताओं का धन सुरक्षित रखना मंदिर-गुरुद्वारे जाने से ज्यादा पुण्य का काम: दास

मुंबई। बैंक जमाकर्ताओं की वजह से चलते हैं और एक बैंकर के लिए मध्यम वर्ग, गरीबों तथा सेवानिवृत्त लोगों की मेहनत की कमाई की सुरक्षा किसी मंदिर या गुरुद्वारे में जाने से कहीं अधिक पुण्य का काम है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के निदेशकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। दास ने कहा कि यह बैंकों की 'सबसे बड़ी जिम्मेदारी' है और आरबीआई की भी यह जिम्मेदारी है कि वह जमाकर्ताओं के धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बैंकों के साथ मिलकर काम करे।

इसके लिए केंद्रीय बैंक लगातार नियामक और निगरानी के उपाय करता है। उन्होंने कहा कि समग्र स्तर पर कुल तस्वीर अच्छी दिखती है। हालांकि, सकल गैर निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) और पूंजी पर्याप्तता पर स्थिति "बिल्कुल भी संतोषजनक नहीं" है। उन्होंने कहा कि कुल गैर-निष्पादित संपत्तियां 8.7 प्रतिशत हो गई हैं। इसे आप अच्छा नहीं मान सकते। कुल मिलाकर यह संतोषजनक स्तर नहीं है। वाणिज्यिक बैंकों का जीएनपीए मार्च, 2023 में दशक के सबसे बेहतर स्तर 3.9 प्रतिशत पर था और व्यापक रूप से इसमें और सुधार होने का अनुमान है। एनपीए संकट से बेहतर ढंग से निपटने के लिए दास ने सुझाव दिया कि बेहतर आकलन के साथ क्रेडिट जोखिम प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। यूसीबी में कुल 8.7 प्रतिशत गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) अनुपात को लेकर केंद्रीय बैंक "सहज नहीं" है। उन्होंने शहरी सहकारी बैंकों से इस अनुपात को बेहतर करने के लिए काम करने को कहा। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा देश की वित्तीय राजधानी में शहरी सहकारी बैंकों के निदेशकों से दास ने कहा कि ऐसे ऋणदाताओं को काम करने के तरीके में सुधार करना चाहिए, संबंधित-पक्ष से लेनदेन से बचना चाहिए और अन्य बातों के अलावा कर्ज जोखिमों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यूसीबी क्षेत्र कई चुनौतियों से भरा हुआ है...जैसा कि हाल में पंजाब एंड महाराष्ट्र बैंक में भी देखा गया। उन्होंने कहा कि आरबीआई को हितों के टकराव या संबंधित पक्ष लेनदेन के मामलों को लेकर विवाद के बारे में पता चला है जिनसे बचने की जरूरत है। दास ने कहा कि इसी तरह ऐसे भी मामले हैं कि जानबूझकर कर्ज न चुकाने वाले कई ऐसे व्यक्ति या व्यवसाय हैं जिनके पास भुगतान करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि बकाया ऋण का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा शीर्ष 20 इरादतन चूककर्ताओं का है। इसपर ध्यान केंद्रित करने से समग्र एनपीए में सुधार करने में मदद मिल सकती है। आरबीआई गवर्नर ने यूसीबी को परिसंपत्ति-देनदारी में विसंगतियों की निगरानी करने, पारदर्शी लेखांकन व्यवहार का पालन करने और आवश्यकताओं तथा खर्च करने की क्षमता के आधार पर लोगों की भर्ती करने को भी कहा।

रिजर्व बैंक ने एसबीआई, इंडियन बैंक पंजाब एंड सिंध बैंक पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दिशानिर्देशों से जुड़े प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने को लेकर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इंडियन बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के तीन बैंकों पर जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने सोमवार को बयान में कहा कि एसबीआई पर 1.3 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह मौद्रिक दंड 'ऋण और अग्रिम - वैधानिक और अन्य प्रतिबंध' और समूह के भीतर लेन-देन तथा कर्ज के प्रबंधन पर जारी निर्देशों के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने को लेकर लगाया गया है। आरबीआई ने एक अन्य बयान में कहा कि 'ऋण और अग्रिम - वैधानिक और अन्य प्रतिबंध', केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) और 'भारतीय रिजर्व बैंक (जमा पर ब्याज दर) निर्देश, 2016 के कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने को लेकर इंडियन बैंक पर 1.62 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा, पंजाब एंड सिंध बैंक पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष योजना के कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने को लेकर लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लि. पर भी 8.80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में धोखाधड़ी रोकने से जुड़े कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने को लेकर जुर्माना लगाया गया है।

सरकार ने तुअर, उड़द के लिए स्टॉक की सीमा दो माह के लिए दिसंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को तुअर और उड़द पर मौजूदा स्टॉक रखने की सीमा की अवधि इस साल दो महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी है। साथ ही सरकार ने कुछ इकाइयों के लिए स्टॉक रखने की सीमा को संशोधित किया है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, डिपो में थोक विक्रेताओं और बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं के लिए स्टॉक सीमा 200 टन से घटाकर 50 टन कर दी गई है। मिल मालिकों के लिए स्टॉक सीमा भी पिछले तीन महीने के उत्पादन, या वार्षिक क्षमता के 25 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, से घटाकर पिछले एक महीने के उत्पादन, या वार्षिक क्षमता का 10 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, कर दी गई है।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि स्टॉक सीमा में संशोधन और समय अवधि का विस्तार जमाखोरी को रोकने और बाजार में पर्याप्त मात्रा में तुअर और उड़द की उपलब्धता सुनिश्चित करने और इनको सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराने के लिए है। ताजा

आदेश के अनुसार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 31 दिसंबर तक तुअर और उड़द के लिए स्टॉक सीमा निर्धारित की गई है।

थोक विक्रेताओं के लिए प्रत्येक दाल पर अलग से लागू स्टॉक सीमा 50 टन होगी; खुदरा विक्रेताओं के लिए पांच टन; प्रत्येक खुदरा दुकान पर पांच टन, और बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं के लिए डिपो पर 50 टन,मिल मालिकों के लिए उत्पादन का अंतिम एक महीने या वार्षिक स्थापित क्षमता का 10 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, होगी। हालाँकि, आयातकों को सीमा शुल्क निकासी की तारीख से 30 दिन से अधिक आयातित स्टॉक रखने की अनुमति नहीं है। आदेश के अनुसार, संबंधित पात्र संस्थाओं को उपभोक्ता मामलों के विभाग के पोर्टल पर अपने स्टॉक की घोषणा करनी होगी और यदि उनके पास स्टॉक इस निर्धारित सीमा से अधिक है, तो उन्हें अधिसूचना जारी होने के 30 दिनो के भीतर इसे निर्धारित स्टॉक सीमा में लाना होगा।

इस साल दो जनवरी को,सरकार ने जमाखोरी और सट्टेबाजी को रोकने के लिए तुअर और उड़द पर स्टॉक सीमा लगाई थी। बयान में कहा गया है कि उपभोक्ता मामलों का विभाग स्टॉक खुलासा पोर्टल के माध्यम से तुअर और उड़द की स्टॉक स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है, जिसकी साप्ताहिक आधार पर समीक्षा की जा रही है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, चालू खरीफ सत्र के दौरान दलहन की बुवाई का रकबा 22 सितंबर तक कम यानी 122.57 लाख हेक्टेयर रह गया है, जो एक साल पहले की समान अवधि में 128.49 लाख हेक्टेयर था। इस कमी को पूरा करने के लिए देश दालों का आयात करता है।

भारत 2030 की तय समय सीमा से पहले 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य हासिल कर लेगा: सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर. के. सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत 2030 की तय समय सीमा से पहले अपने 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य हासिल कर लेगा। फिक्की के 'इंडिया एनर्जी ट्रान्सिशन समिट 2023' को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी की वजह से भारत ने दो वर्ष न गवाएं होते, तो देश ने अभी तक बिजली उत्पादन क्षमता को 50 प्रतिशत आरई गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बना लिया होता।

मंत्री ने कहा कि भारत में 424 गीगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता है जिसमें से 180 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित है। अन्य 88 गीगावॉट पर काम जारी है। देश ने 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, " हम 2030 से पहले ही 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा

(आरई) का लक्ष्य हासिल कर लेंगे।" सिंह ने कहा कि भारत का ऊर्जा बदलाव कार्यक्रम दुनिया में अग्रणी है। आरई क्षमता वृद्धि दुनिया में सबसे तेज है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा सचिव भूपिंदर सिंह भल्ला ने कहा कि भारत ने पिछले वित्तीय वर्ष (2022-23) में 15 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ी, जिसे 2023-24 में 25 गीगावॉट और 2024-25 में 40 गीगावॉट तक बढ़ाया जाएगा।

वित्त वर्ष 2022 से 2023 के बीच भारतीय कृषि-प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप के निवेश में 45% गिरावट

नई दिल्ली। वित्तीय वर्ष 2021-22 और 2022-23 के बीच भारतीय कृषि-प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप के निवेश में 45 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसकी मुख्य वजह वैश्विक ब्याज दरों में बढ़ोतरी और बढ़ती अनिश्चितता के बीच निवेशकों का अधिक सावधान रहना माना जा रहा है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। परामर्श कंपनी एफएसजी की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 से 2023 के बीच वैश्विक स्तर पर कृषि-प्रौद्योगिकी निवेश में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है।

एफएसजी को वित्त वर्ष 2024 में भी निवेश में गिरावट आने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025 में इसके बढ़ने की संभावना है। उसे उम्मीद है कि स्टार्टअप अगले वित्तीय वर्ष से निपटने के लिए लाभ बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार कि निवेशकों के सतर्क रहने और अपने सीमित कोष को स्थापित व्यवसाय मॉडल में लगाने की संभावना है। कंपनी के प्रबंधक निदेशक (एशिया प्रमुख) ऋषि अग्रवाल ने कहा कि निवेश की गतिशीलता में बदलाव वैश्विक आर्थिक रुझानों के प्रति भारतीय कृषि-प्रौद्योगिक क्षेत्र की संवेदनशीलता को उजागर करता है। स्टार्टअप को अपने व्यवसाय मॉडल को परिष्कृत करने और लाभप्रदता की ओर बढ़ने के लिए इस धीमी निवेश अवधि का इस्तेमाल करना चाहिए।

अगस्त में डीमैट खाते बढ़कर 12.7 करोड़ हुए

नई दिल्ली। शेयर बाजारों से आकर्षक रिटर्न और खाता खोलने की प्रक्रिया सुगम होने की वजह से अगस्त, 2023 में डीमैट खातों की संख्या सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 12.7 करोड़ हो गई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एक विश्लेषण के अनुसार, जुलाई के 30 लाख की तुलना में अगस्त में नए खातों की संख्या मासिक आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़कर अगस्त में 31 लाख हो गई। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त, 2023 के अंत में दो डिपॉजिटरी एनएसडीएल और सीडीएसएल के साथ कुल 12.7 करोड़ डीमैट खाते पंजीकृत थे, जबकि एक साल पहले यह संख्या 10.1 करोड़ थी। जुलाई के अंत में डीमैट खातों की संख्या 12.3 करोड़ थी। सेबी)के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त के अंत में कुल 12.7 करोड़ में से 3.3 करोड़ और 9.35 करोड़ डीमैट खाते क्रमशः एनएसडीएल तथा सीडीएसएल के साथ पंजीकृत थे।

भारतीय मानक ब्यूरो ने जैव ईंधन के लिये बनाये मानक

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोमवार को कहा कि उसने जैव ईंधन पर नौ मानक विकसित किये हैं। इसके साथ वह पैराफिनिक (हरित) डीजल के लिये मानक विकसित करने की प्रक्रिया में है।

बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा कि ये मानक वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (जीबीए) के उद्देश्य को पूरा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीबीए की घोषणा हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान की थी। उन्होंने एक बयान में कहा कि हम प्रासंगिक भारतीय मानकों और आवश्यक गुणवत्ता मापदंडों/प्रदर्शन विशिष्टताओं के विकास के साथ सरकार की इस अग्रणी पहल का समर्थन करने को प्रतिबद्ध हैं। तिवारी ने कहा कि पैराफिनिक डीजल के लिये मानक के मामले में भी काम जारी है। इसे दूसरी पीढ़ी के ईंधन (जैव ईंधन आदि) के जरिये प्रसंस्करण कर प्राप्त किया जाता है। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले बीआईएस के अनुसार, अमेरिका, ब्राजील और भारत जैव ईंधन के प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता हैं।

मानक: पथप्रदर्शक
भारतीय मानक ब्यूरो

इन तीन देशों का सामूहिक रूप से वैश्विक स्तर पर एथनॉल के 85 प्रतिशत उत्पादन और 81 प्रतिशत खपत में योगदान है। वैश्विक एथनॉल बाजार का मूल्य वर्ष 2022 में 99 अरब डॉलर था और इसके 2032 तक पांच प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इससे इस क्षेत्र में भारतीय उद्योगों के लिये एक बड़ा अवसर है।

डाबर के प्रवर्तक बर्मन परिवार ने रेलिगेयर में 26% हिस्सेदारी के लिए 2,116 करोड़ की खुली पेशकश की घोषणा

नई दिल्ली। डाबर इंडिया के प्रवर्तक बर्मन परिवार से जुड़ी इकाइयों ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) में 26 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने के लिए कंपनी के शेयरधारकों के लिए 2,116 करोड़ रुपये की खुली पेशकश की सोमवार को घोषणा की। खुली पेशकश परिवार की हिस्सेदारी बढ़ाने और आरईएल को नियंत्रण में लेने के इरादे से की गई है। इससे वित्तीय सेवा कंपनी में परिवार की हिस्सेदारी वर्तमान में करीब 21 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत होने की उम्मीद है। आरईएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि एमबी फिनमार्ट प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता 1), पूरन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता 2), वीआईसी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता 3) और मिल्की इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी (अधिग्रहणकर्ता 4) ने कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से 235 रुपये प्रति यूनिट की कीमत पर, कंपनी की विस्तारित वोटिंग शेयर पूंजी के 26 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाले 10 रुपये के अंकित मूल्य के 90,042,541 पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण के लिए खुली पेशकश की है। कंपनी ने कहा कि खुली पेशकश के लिए कुल नकद भुगतान 21,159,997,135 रुपये है।

CBI ने आईएल एंड एफएस ट्रांसपोर्टेशन और अनुषंगी कंपनी के खिलाफ दर्ज की प्राथमिकी

नई दिल्ली। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आईएल एंड एफएस ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क लिमिटेड तथा उसकी स्पेन स्थित अनुषंगी कंपनी एल्सेमेक्स एसए के खिलाफ कथित तौर पर धोखाधड़ी तथा धन की हेराफेरी कर 239 करोड़ रुपये की क्रेडिट सुविधाओं का दुरुपयोग करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इंडिया एक्जिम बैंक ने विदेशी अनुबंधों को हासिल करने और निष्पादित करने के लिए 2015 में एल्सेमेक्स को 3.5 करोड़ यूरो की क्रेडिट सीमा मंजूर दी थी।

एल्सेमेक्स सिंगापुर स्थित आईटीएनएल इंटरनेशनल पीटीई लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। आईएल एंड एफएस ट्रांसपोर्टेशन, पहले ही केनरा बैंक के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को 6,524 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में सीबीआई जांच का सामना कर रही है। एक्जिम बैंक ने कमर्शियल बैंक ऑफ इथियोपिया (सीबीई) के पक्ष में गारंटी जारी की थी, जिसने इथियोपिया रोड अथॉरिटी (ईआरए) को एल्सेमेक्स-आईटीएनएल कंसोर्टियम को प्राधिकरण द्वारा भुगतान की गई अग्रिम राशि की सुरक्षा के रूप में एक और गारंटी दी थी। सीबीई ने 2018 में काउंटर-गारंटी लागू की और एक्जिम बैंक को गारंटी का सम्मान करने और भुगतान करने के लिए सूचित किया।

एक्जिम बैंक ने एल्सेमेक्स को भुगतान करने के लिए कहा, लेकिन कंपनी ने आरोप लगाया कि सीबीई द्वारा जारी गारंटी को लागू करने में उचित या निष्पक्ष प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और सीबीई तथा ईआरए की कार्रवाई मनमानी थी। कंपनी ने कहा कि वह सड़क अनुबंध के संबंध में सीबीई तथा ईआरए के खिलाफ कानून का सहारा लेगी। एल्सेमेक्स स्पेन में दिवालियेपन की कार्यवाही का सामना भी कर रही है।

केंद्रीय कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने मूल समूह आईएल एंड एफएस के खिलाफ गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय के तहत समूह के कामकाज तथा उसकी अनुषंगी कंपनियों की जांच शुरू की थी। हालांकि इसमें एल्सेमेक्स को शामिल नहीं किया गया था। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने एल्सेमेक्स, आईएल एंड एफएस ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क तथा पूर्व निदेशकों रवि पार्थसारथी, मुकुंद सप्रे, रमेश चंदर बावा, रामचंद करुणाकरण, अरुण कुमार साहा और हरि शंकरन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के अलावा आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी तथा आपराधिक कदाचार से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2024 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान छह प्रतिशत पर रखा बरकरार

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को छह प्रतिशत पर सोमवार को बरकरार रखा। अमेरिका स्थित एजेंसी ने विश्व अर्थव्यवस्था के धीमी होने, सामान्य से कम मानसून के बढ़ते जोखिम और दरों में बढ़ोतरी के लंबित प्रभाव का हवाला देते हुए अनुमान छह प्रतिशत पर बरकरार रखा। हालांकि एजेंसी ने सब्जियों की कीमत में हालिया बढ़ोतरी को अस्थायी माना लेकिन उच्च वैश्विक तेल कीमतों पर पूर्ण राजकोषीय खुदरा मुद्रास्फीति अनुमान को पहले के पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया।

एसएंडपी ने 'इकोनॉमिक आउटलुक फॉर एशिया पैसिफिक क्वार्टर-4 2023' रिपोर्ट में कहा कि इस साल वृद्धि दर 2022 की तुलना में कमजोर रहेगी, लेकिन हमारा दृष्टिकोण मोटे तौर पर अनुकूल बना हुआ है। जून तिमाही में भारत में मजबूत विस्तार के बावजूद, धीमी

विश्व अर्थव्यवस्था, दरों में बढ़ोतरी के लंबित प्रभाव और असामान्य मानसून के बढ़ते जोखिम को देखते हुए हम वित्तीय वर्ष 2024 (मार्च 2024 को समाप्त) के लिए अपना अनुमान बरकरार रखते हैं। मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत बढ़ी थी। एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को छह प्रतिशत पर बरकरार रखते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 2024-25 और 2025-26 वित्तीय वर्षों में 6.9 प्रतिशत बढ़ेगी। एसएंडपी ने कहा कि जून तिमाही में भारत की उपभोग वृद्धि के साथ-साथ पूंजीगत व्यय भी "मजबूत" रहा। एशिया प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि पर एसएंडपी ने कहा कि यह एक "मल्टी-स्पीड" क्षेत्र बना हुआ है और घरेलू लचीलेपन के बीच 2023 के लिए अपने अनुमान को थोड़ा बढ़ाकर 3.9 प्रतिशत कर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा सुपर हिट

इंटरनेशनल ट्रेड शो में भीड़ का रिकॉर्ड, एक लाख से ज्यादा ने देखा यूपी का दम

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में चल रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो ने पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ कर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो ने रविवार को भीड़ के पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के चलते करीब एक लाख लोग पहुंच गए। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जा रहा था।

21 सितंबर से शुरू हुए पांच दिवसीय उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो ने रोजाना नए कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही ऐसा माना जा रहा है कि प्रदेश सरकार के लिए यह काफी ज्यादा सुपर हिट साबित हुआ है। पांच दिवसीय उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के पहले दिन की बात करें तो पहला दिन उद्घाटन और विशिष्ठ अतिथियों के आगमन में ही गुजर गया। दूसरे दिन से उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड में लोगों की भीड़ जुटना शुरू हुई। दूसरे दिन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में करीब 48 हजार लोगों की भीड़ रही। इसमें करीब 33 हजार आगंतुक और 15 हजार आम जनता शामिल थी।

तीसरे दिन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में आने वाले लोगों की संख्या काफी तेजी से बढ़कर 62 हजार तक पहुंच गयी। तीसरे दिन आगंतुकों की संख्या 19311 और आम जनता की संख्या करीब 42 हजार रही।

वहीं, उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे दिन लोगों की भीड़ अपेक्षाकृत कुछ कम रही थी। हालांकि, रविवार को उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में लोगों की भीड़ ने कई पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। रविवार को 14253 आगंतुक बिजनेस ऑर में पहुंचे जबकि दोपहर तीन से रात आठ बजे के बीच 74 हजार लोग उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो देखने के लिए पहुंचे थे।

एक्सपो मार्ट की पार्किंग भी रही फुल

रविवार की छुट्टी होने के चलते इंडिया एक्सपो मार्ट में काफी बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए थे। जिसके चलते दिन भर इंडिया एक्सपो मार्ट की पार्किंग हाउसफुल रही। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में सबसे ज्यादा भीड़ हॉल नंबर 9, 10, 11, 12, 14 और 15 में नजर आ रही थी। लोगों ने इस दौरान कपड़ों की जमकर खरीदारी भी की। प्रदर्शकों ने भी इस भीड़ का सबसे ज्यादा फायदा उठाया। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदर्शकों ने लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए कपड़ों में अच्छी-खासी छूट दे दी। लोगों को काफी ज्यादा छूट मिलने के चलते जमकर खरीदारी की। ट्रेड शो में आने वाले कुछ लोगों ने अपने पूरे परिवार तक के कपड़े खरीद डाले।

खाने के स्टॉल पर भी जमकर भीड़ रही

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में खाने के स्टॉलों में भी काफी ज्यादा भीड़ रही। खाने के स्टॉलों में भीड़ होने के चलते वहां भी लोगों को काफी अच्छी छूट मिल रही थी। लोगों ने काफी ज्यादा छूट के चलते प्रदेश के विभिन्न जिलों के नाम और व्यंजनों का स्वाद भी चखा। आयोजकों ने इस दौरान लोगों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया

सड़क के किनारे कंबल में लिपटा मिला महिला का शव

हत्या करने के बाद फेंकने की आशंका

नोएडा। सेक्टर 33 स्थित शिल्प हाट के पास सड़क किनारे कंबल में लिपटा महिला का शव मिलने से शहर में चारों तरफ हड़कंप की स्थिति पैदा हो गयी है। आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कर पहचान छुपाने के उद्देश्य से शव को यहां फेंका गया है। मृतका की शिनाख्त अब तक नहीं हो सकी है। जिसके चलते मृतका की शिनाख्त में पुलिस जुट गयी है।

डीसीपी नोएडा हरीश चंद्र ने बताया कि शिल्प हाट के गार्ड ने सूचना दी कि प्रकाश अस्पताल से सेक्टर 35 की तरफ जाने वाली सड़क के किनारे एक महिला का शव कंबल में लिपटा हुआ मिला है। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला की शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है। लेकिन, पुलिस को अब तक सफलता नहीं मिल सकी है। प्रारंभिक जांच में महिला के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। महिला की उम्र लगभग 40 साल के आसपास लग रही है। पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की जानकारी मिल सकेगी।

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की चल रही जांच : डीसीपी नोएडा

डीसीपी नोएडा हरीश चंद्र ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। इसके अलावा सर्विलांस टीम का भी गठन किया गया है। महिला की शिनाख्त के लिए पुलिस टीमें भी लगी हुई है। आसपास के थाना क्षेत्र से भी संपर्क कर जानकारी जुटाई जा रही है। लोगों को महिला की हत्या की आशंका है, लोगों के अनुसार महिला की हत्या कर शव को यहां फेंका गया होगा।

जरूरतमंदों की मदद में जुटा रोटरी क्लब

नोएडा। सेक्टर 31 स्थित रोटरी नोएडा ब्लड सेंटर परिसर में ट्रस्ट की एक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक रोटरी ब्लड सेंटर के मैनेजिंग ट्रस्टी सुधीर मिद्धा और मैनेजिंग कमेटी का चैयरमेन संजय सिंघानिया समेत कई लोग मौजूद रहे। मैनेजिंग ट्रस्ट रवि चोपड़ा ने बताया कि रोटरी ब्लड सेंटर द्वारा ब्लड एकत्रित करने में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। सामाजिक दायित्वो का निर्वहन करने के साथ ही गरीब और जरूरतमंद लोगों की लगातार ट्रस्ट द्वारा मदद की जाती है। इस मौके पर रोटरी क्लब आफ नोएडा के अध्यक्ष आशुतोष सिंघल, सचिव डॉ हरीश त्रिपाठी, असिस्टेंट गवर्नर नवीन अग्रवाल, सुधीर वालिया और त्रिलोक शर्मा समेत कई लोग मौजूद रहे।

तीन दिन तक रही वेटलिफ्टिंग फेस्टिवल की धूम

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। सेक्टर 21ए स्थित इंडोर स्टेडियम में तीन दिवसीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस समापन समारोह की शुरूआत भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल और युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने किया। महिला वर्ग में मास्टर कैटेगरी स्ट्रॉन्ग वूमेन में गुड्डी शर्मा, ओपन कैटेगरी स्ट्रॉन्ग वूमेन में छाया तंवर, टीन एज कैटेगरी स्ट्रॉन्ग वूमेन में अंजली आडवाणी, जूनियर कैटेगरी स्ट्रॉन्ग वूमेन में शालू ने जीत प्राप्त की।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने बताया कि आज लड़कियां हर खेल में देश का गौरव बढ़ा रहीं हैं। वेटलिफ्टिंग में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी निश्चित ही इस खेल में देश को एक अलग मुकाम प्राप्त करवाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी की खेलो इंडिया जैसी अन्य जनकल्याणकारी मुहिम से ही यह संभव हो पाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गौतमबुद्ध नगर में खेलों का स्तर लगातार बढ़ रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो गया है।

यह खिलाड़ियों के लिए काफी लाभदायक साबित होगा। इस मौके पर द रॉ मेनिया के संस्थापक शाश्वत बंसल, सुशांत बंसल, राजेश दुहान, अमित बंसल, शिखा बंसल, अर्जुन प्रजापति और बाबू प्रधान समेत कई लोग मौजूद रहे।

कुंवर बिलाल बर्नी बने राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन के नोएडा महानगर अध्यक्ष

नोएडा। नोएडा में मुस्लिम राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन की एक बैठक का आयोजन किया गया।यह बैठक मुस्लिम राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर असरार अहमद मौजूद रहे। इस बैठक में मुस्लिम राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर असरार अहमद ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता कुंवर बिलाल बर्नी को महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया।

कुंवर बिलाल बर्नी ने बताया कि मुस्लिम राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन ने जो जिम्मेदारी उन्हें दी है। वह उस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पूरा करेंगे। शहर भर में मुस्लिमी राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यकर्ताओं को जोड़कर मजबूती के साथ संगठन को खड़ा करेंगे।

वाईएसएस फाउंडेशन ने यमुना नदी में चलाया स्वच्छता व जागरूकता अभियान

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। वाईएसएस फाउंडेशन ने यमुना नदीं पर स्वच्छता और जागरूकता अभियान चलाया। यह जागरूकता अभियान वाईएसएस फाउंडेशन के अध्यक्ष सचिन गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस जागरूकता अभियान के दौरान यमुना नदी के किनारे भारी मात्रा में कचरा और मलबा एकत्र कर जागरूकता फैलाने की कोशिश की गयी। वहीं, यमुना नदी में प्रदूषण फैलाने वाले कारकों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।

वाईएसएस फाउंडेशन के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने बताया कि हम यमुना नदी को स्वच्छ और स्वस्थ बनानेके लिए प्रतिबद्ध हैं। हम हर सप्ताह इस प्रकार के अभियान चलाते हैं। जिससे लोगों को नदी की सफाई के लिए जागरूक किया जा सके। इस मौके पर एनएसएस आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, सचिन गुप्ता, सुरेन्द्र बिष्ट, पार्वती बिष्ट, डॉ सुनीता जेटली, दुर्गा प्रसाद दुबे, संदीप यादव, डिंपी राय, रेखांकित, पंकज झा और अतुल समेत कई लोग मौजूद रहे।

सेक्टर 51 बारात घर में समस्याओं का अंबार, RWA ने बनाई समिति

नोएडा। सेक्टर 51 की आरडब्ल्यूए ने निर्माणाधीन बारात घर की समस्या के समाधान और बारात घर के संचालन के लिए एक समिति का गठन किया। यह समिति आरडब्ल्यूए के महासचिव संजीव कुमार के नेतृत्व में आयोजित की गयी।

इस समिति का अध्यक्ष पूर्व सीएमओ डॉ. अजय अग्रवाल को बनाया गया। आरडब्ल्यूए महासचिव संजीव कुमार ने बताया कि निर्माणाधीन बारात घर की समस्या के समाधान और बारात घर के संचालन को लेकर आरडब्ल्यूए ने एक समिति का गठन किया गया। जिसमें पूर्व सीएमओ डॉक्टर अजय अग्रवाल, कर्नल (सेवानिवृत्त) हरेन्द्र सिंह, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनिल प्रकाश रनोत्रा, महासचिव संजीव कुमार, कोषाध्यक्ष एमजी अग्रवाल, और सौरव जैन समेत कई लोग मौजूद रहे।

सेक्टर 82 में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने बैठक कर बनाई रणनीति

सपा ने नोएडा विधानसभा को 14 जोन में बांटा

नोएडा। सेक्टर 82 स्थित पॉकेट सात में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक बैठक का आयोजन किया। यह बैठक समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित की गयी। इस बैठक के दौरान समाजवादी पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं को बूथ प्रभारी और सेक्टर प्रभारी नियुक्त किया गया।

इस बैठक के दौरान सपा के महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने राजीव श्रीवास्तव को विधान सभा सचिव के पद पर मनोनयन किया गया। सपा के महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने बताया कि सभी बूथ कमेटियों का जल्द से जल्द गठन किया जाएगा। बूथ कमेटियों के माध्यम से शहर के पढ़े-लिखे लोगों को जोड़ा जा रहा है। बूथ पर सक्रिय, कर्मठ और युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर जोड़ा जा रहा है। बूथ प्रभारियों और सेक्टर प्रभारियों से एक नियमित अंतराल पर लगातार बैठकें होती रहेंगी। विधान सभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने बताया पूरे नोएडा को समाजवादी पार्टी ने 14 जोन में बांटा है। प्रत्येक जोन में एक जोनल प्रभारी नियुक्त किया गया है।

प्रत्येक जोन में जोनल प्रभारी, बूथ प्रभारियों और सेक्टर प्रभारियों से बैठक कर आगामी चुनावों के लिए कमर कसने का निर्देश जारी किया गया है। इस पर पूर्व महासचिव और जोनल प्रभारी राघवेंद्र दुबे, महासचिव विकास यादव, नीतीश बैसोया, सुशील पाल, रवि राघव, पंकज झा, रंजीत पटेल, प्रभा यादव, ममता यादव और बीसी पांडे समेत कई लोग मौजूद रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने किया महानगर अध्यक्ष उदय सिंह का स्वागत

नोएडा। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उदय सिंह को बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी का महानगर अध्यक्ष बनने के बाद फूल मालाओं से स्वागत किया।

यह स्वागत समारोह महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता और महासचिव विकास यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गया। बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष उदय सिंह ने कहा कि वह पूरी लगन के साथ समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। इस मौके पर दलित उत्थान सेवा समिति के संरक्षक बालक राम प्रधान, अध्यक्ष भीमराज जाटव, राजेंद्र, प्रीतम सिंह, सतपाल जाटव और शोभित सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

श्रीराम मित्र मंडल की रामलीला का भूमि पूजन

15 अक्टूबर से भव्य तरीके से रामलीला का होगा मंचन : धर्मपाल गोयल

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। सेक्टर 62 स्थित रामलीला मैदान में श्रीराम मित्र मंडल द्वारा आयोजित होने वाली रामलीला महोत्सव का भूमि पूजन किया गया। श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि श्रीरामलीला मंचन का आयोजन 15 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक किया जाएगा। 15 अक्टूबर को गणेश पूजन के साथ श्रीरामलीला मंचन शुरू होगा। 19 अक्टूबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकाली जाएगी। 24 अक्टूबर को दशहरा उत्सव मनाया जाएगा।

दशहरा उत्सव के दौरान रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाएगा। 25 अक्टूबर को श्रीराम-भरत मिलाप के साथ ही श्रीरामलीला महोत्सव का समापन होगा। इस मौके पर श्रीराम मित्र मंडल के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल, महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सहकोषाध्यक्ष अनिल गोयल, उपाध्यक्ष राजकुमार गर्ग, बजरंगलाल गुप्ता, पवन गोयल, एसएम गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, शांतनु मित्तल, प्रवीण गोयल, ललित कंसल, मनोज गोयल और राकेश कुमार समेत कई लोग मौजूद रहे।

सेक्टर 12 स्थित आदर्श प्राथमिक विद्यालय में बजरंग रामलीला संचालिका समिति द्वारा आयोजित होने वाली रामलीला महोत्सव को लेकर भूमि पूजन किया गया। बजरंग रामलीला संचालिका समिति के निर्देशक अशोक कुमार पांडेय ने बताया कि बजरंग रामलीला संचालिका समिति द्वारा श्रीरामलीला मंचन का आयोजन 15 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक किया जाएगा। 15 अक्टूबर को गणेश पूजन के साथ श्रीरामलीला मंचन की शुरूआत होगी। 24 अक्टूबर को खुले मंच में राम और रावण युद्ध की लीला का मंचन होगा। 25 अक्टूबर को श्रीराम-भरत मिलाप के साथ ही श्रीरामलीला महोत्सव का समापन होगा। इस मौके पर बजरंग रामलीला संचालिका समिति के अध्यक्ष कुलभूषण राये नागर, अनुराग गोविल, अशोक कुमार पांडेय, कमलाकर त्रिपाठी, पद्माकर त्रिपाठी, गुरूदयाल विज, एसएन पांडेय, मुकेश, समाजसेवी विक्रम सेठ्ठी, राधाकृष्ण गर्ग, फिरे सिंह नागर और राहुल पांडेय समेत कई लोग मौजूद रहे।

28 अक्टूबर को श्रीराम लखन धार्मिक लीला कमेटी का होगा भूमि पूजन

सेक्टर 46 के रामलीला मैदान में होने वाली श्रीराम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा रामलीला के मंचन को लेकर भूमि पूजन आगामी आगामी 28 अक्टूबर को किया जाएगा। इस बार रामलीला का भव्य मंचन समिति द्वारा किया जाएगा। श्रीराम लखन धार्मिक लीला कमेटी के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने बताया कि 15 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक सेक्टर 46 के रामलीला मैदान में भव्य रामलीला का मंचन किया जाएगा। 19 अक्टूबर को शहर भर के विभिन्न सेक्टरों और चौराहों से होती हुई श्रीराम बारात निकाली जाएगी।

राजनीति में आगे आएं, बदल सकते हैं देश और राज्य की दिशा-दशाः अशद आलम

नोएडा। 21 सितंबर को लखनऊ से सदस्यता अभियान की लांचिंग की गयी। जिसमें 22 से लेकर 29 तारीख तक नामांकन की तारीख रखी गयी। उसके बाद विधान सभा कमेटी जिला और प्रदेश अध्यक्ष और महासचिव के लिए उम्र 18 से 35 साल की आयु वाले युवा इस चुनाव और सदस्या अभियान में भाग कर सकते हैं।

सदस्यता अभियान और नॉमिनेशन प्रक्रिया को ऑन लाइन किया गया है। आगामी 30 सितंबर तक नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। इसके बाद एक अक्टूबर को स्कूटनी के तहत कागजों की मापदंड के आधार पर प्रत्याशी घोषित किए जाएंगे। 10 अक्टूबर से वोटिंग प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह वोटिंग प्रक्रिया आगामी 8 नवंबर तक चलेगी। एक हफ्ते के अंतराल में वैध वोटो के आधार पर पद आवंटन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष के टॉप 3 प्रत्याशियों को आलाकममान द्वारा इंटरव्यू में चनय करके अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। यह बातें उत्तर प्रदेश के जोनल रिटर्निंग अधिकारी अशद आलम और वरिष्ठ इलेक्शन कमीश्नर राजपाल बिष्ट ने कही।

महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने बताया कि कांग्रेस पार्टी इस अभियान के माध्यम स सभी युवाओं को सक्रिय राजनीति में आने का खुला और समान अवसर दे रही है। ज्यादा से ज्यादा युवाओं को इस अभियान का हिस्सा बनना चाहिए। यह सदस्यता अभियान अभी तक विभाजित रूप से किया जाता था। तीन और चार प्रक्रिया में ऐसा पहली बार हो रहा है कि पूरे प्रदेश में एक ही समय पर सदस्या अभियान और चुनाव प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पुरूषोत्तम नागर, हरेन्द्र शर्मा, पीसीसी सदस्य रिजवान चौधरी, जितेन्द्र चौधरी और शाहिद सिद्दीकी समेत कई कांग्रेसी मौजूद रहे।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया पर साझा की शादी की तस्वीरें

एकदूजे के हुए परी-राघव

उदयपुर। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने शादी के बंधन में बंधने के एक दिन बाद सोमवार सुबह अपने विवाह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। प्रियंका चोपड़ा जोनस सहित कई बॉलीवुड हस्तियों ने नवविवाहित जोड़े को बधाई दी। परिणीति (34) और राघव (34) रविवार शाम उदयपुर के 'द लीला पैलेस' में आयोजित एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंधे। दोनों की शादी की पोशाक और मुख्य समारोह की थीम 'पर्ल व्हाइट' थी। इस दौरान बारात सजी हुई नावों में सवार होकर 'द लीला पैलेस' पहुंची। दंपति ने 'इंस्टाग्राम' पर शादी की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, '' नाश्ते की मेज पर पहली बातचीत के बाद से हमारे दिलों को पता था३ इस दिन का लंबे समय से इंतजार था३ आखिरकार श्रीमान और श्रीमति बनने का सौभाग्य मिला। एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते थे३ हमारा जीवन भर का सफर अब शुरू होता है..'' तस्वीर में परिणीति के दुप्पटे पर सुनहरे रंग से हिंदी में 'राघव' लिखा नजर आ रहा है। अभिनेत्री का शादी का लहंगा और राघव की शेरवानी दोनों हाथीदांत के रंग की थी। ऐसी खबरें हैं कि राघव की शादी की शेरवानी उनके मामा एवं डिजाइनर पवन सचदेवा ने तैयार की। दंपत्ति ने अपनी शादी को बेहद निजी रखा। वहीं 'रिसेप्शन' की कुछ तस्वीरें समारोह के कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो गयीं। शादी के बाद के समारोह में परिणीति गुलाबी रंग की साड़ी और गुलाबी रंग का ही चूड़ा पहने नजर आईं। राघव चड्ढा काले रंग के 'क्लासिकल टक्सीडो' में दिखे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान विवाह समारोह में शामिल हुए। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह तथा उनकी पत्नी गीता बसरा, पूर्व टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा सहित कई हस्तियों ने समारोह में शिरकत की। प्रियंका चोपड़ा जोनास, अनुष्का शर्मा और कियारा आडवाणी सहित कई बॉलीवुड हस्तियों ने सोशल मीडिया पर नवविवाहित जोड़े को शादी की शुभकामनाएं दीं। परिणीति की रिश्ते की बहन एवं अदाकारा प्रियंका चोपड़ा ने लिखा, 'मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ है।" प्रियंका विवाह शमारोह में शामिल नहीं हुईं थी। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, '' खूबसूरत जोड़ी को ढेर सारी शुभकामनाएं। आप दोनों हमेशा एक-दूसरे के साथ खुश रहें।

'मुंबई डायरीज़' के दूसरे सीजन का हुआ ऐलान

प्राइम वीडियो ने सोमवार को क्रिटिकली अक्लेम्ड मेडिकल ड्रामा, मुंबई डायरीज़ के दूसरे सीज़न की घोषणा की है। निखिल आडवाणी द्वारा क्रिएटेड और डायरेक्टेड 8 एपिसोड वाली इस अमेज़न ओरिजिनल सीरीज का प्रीमियर प्राइम वीडियो पर होगा।

मुंबई डायरीज़ का निर्माण एम्मे एंटरटेनमेंट की मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी द्वारा किया गया हैं। दूसरे सीज़न में कोंकणा सेन शर्मा, मोहित रैना, टीना देसाई, श्रेया

धन्वंतरी, सत्यजीत दुबे, नताशा भारद्वाज, मृण्मयी देशपांडे और प्रकाश बेलावाड़ी जैसे बेहद बहुमुखी कलाकारों की टोली वापस आएगी।

परिणीति-राघव की शादी में क्यों नहीं आईं प्रियंका चोपड़ा, मां मधु चोपड़ा ने बताई वजह

मुंबई। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आप नेता राघव चड्ढा रविवार 24 सितंबर को शादी के बंधन में बंध गए। दोनों ने उदयपुर के 'द लीला पैलेस' में शादी की। शादी में उनके परिवार के साथ बॉलीवुड हस्तियां और राजनीतिक नेता भी शामिल हुए थे। लेकिन प्रियंका चोपड़ा शादी में नहीं आ पाईं। उसके पीछे की वजह उनकी मां मधु चोपड़ा ने बताई है। परिणीति प्रियंका चोपड़ा की चचेरी बहन हैं। मई में परिणीति और राघव की सगाई हुई थी। जिसमें प्रियंका, पति निक जोनस और बेटी के साथ पहुंची थीं। लेकिन वह शादी में शामिल नहीं हो सकीं। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर परिणीति को शादी की शुभकामनाएं दीं। इससे साफ हो गया था कि वह नहीं आएंगी। अब प्रियंका और निक की मां ने खुलासा किया है कि वे शादी में क्यों नहीं आए। परिणीति और राघव की शादी के लिए मधु चोपड़ा उदयपुर गई थीं। वहां से लौटते वक्त पैपराजी ने उनसे प्रियंका और निक के न आने की वजह पूछी। वे काम कर रहे हैं, उन्होंने कहा। मधु चोपड़ा ने कहा कि प्रियंका काम की वजह से बहन की शादी में नहीं आ सकीं। उन्होंने ये भी कहा कि शादी में परिणीति को कोई गिफ्ट नहीं दिया गया।

राखी की बायोपिक में नजर आएंगी आलिया भट्ट!

बॉलीवुड एक्ट्रेस राखी सावंत अक्सर ही सुर्खियों में बनी रहती हैं। राखी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। बीते कई महीनों से उनका अपने पति आदिल खान दुर्रानी के साथ विवाद चल रहा है। दोनों एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आ रहे हैं। जहां राखी, आदिल पर मारपीट और जान से मारने की धमकी से लेकर कई गंभीर आरोप लगा चुकी हैं। तो वहीं आदिल खान ने भी राखी सावंत को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। इस मामले में शर्लिन चोपड़ा और तनुश्री दत्ता भी दिखाई दीं। वहीं अब राखी का एक नया वीडियो सामने आया है। जिसमें वह अपनी बायोपिक के बारे में बात करती हुई नजर आ रही हैं। दरअसल हाल ही में राखी सावंत को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। जहां वह मीडिया से बात करती नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस ने कहा कि "मेरी बायोपिक लॉन्च होने जा रही है। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि कौन उनका किरदार निभा रहा है। इस पर राखी ने जवाब देते हुए कहा कि मैं चाहती थी कि मैं खुद एक्ट करूं, लेकिन मेरी बायोपिक में आलिया या विद्या बालन बहुत अच्छा एक्ट करेंगी। राखी ने आगे कहा कि "ये दोनों ही बेस्ट एक्ट्रेसेस हैं। मेरी एक्टिंग ये दोनों बहुत

बढ़िया कर सकती हैं। मेरी बायोपिक में मेरे बचपन से लेकर अब तक की जर्नी को दिखाया जाएगा।" यह वीडियो सामने आते ही लोगों ने राखी सावंत का मजाक उड़ाना शुरू कर दिया है। एक यूजर ने लिखा 'आलिया तेरी औकात के बाहर है, उसका नाम भी मत ले।' एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'इसको हॉस्पिटल ले जाओ कोई'। एक यूजर ने लिखा कि 'राखी बायोपिक तो हम जरूर देखेंगे।

ग्रीन टी पीने से कम होगी शरीर की चर्बी

ग्रीन-टी को पुराने समय से ही अनेकों स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। रोज़ाना ग्रीन-टी का सेवन करना सेहत के लिए काफी फायदेमंद है, ये तो हम सभी जानते हैं। अगर आप अपनी सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आप दूध से बनी चाय के स्थान पर ग्रीन-टी पीने पर जोर दे सकते हैं। कई रिसर्च और स्टडी से पता चला है कि, ग्रीन-टी का सेवन करने से अनेकों शारीरिक समस्याओं और बीमारियों का खतरा भी कम होता है। वेट लॉस से लेकर हृदय रोग और कैंसर जैसी घातक बीमारी के जोखिमों को कम करने में भी ग्रीन टी बहुत ही लाभदायक होती है। इतना ही नहीं ग्रीन-टी आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होती है। आइए जानते हैं ग्रीन-टी से मिलने वाले अनगिनत फायदों के बारे में।

इम्यूनिटी बूस्टर है ग्रीन-टीः- ग्रीन-टी के सेवन से आप बिना अपनी डाइट बदले ही अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। ग्रीन-टी में ऐसी कई हर्बल सामग्री पाई जाती है, जो आपके पूरे स्वास्थ्य के लिए बेहद ही फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद एंटी-आक्सीडेंट बॉडी के फ्री रेडीकल्स को खत्म कर इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। इम्यून सिस्टम के मजबूत होने से शरीर में बीमारियां होने का जोखिम कम होता है और हमारा शरीर रोग-मुक्त रह सकता है।

वजन घटाने में मददगार ग्रीन-टीः- ग्रीन-टी का सेवन हमारी बॉडी के मेटाबॉलिज्म प्रोसेस को फास्ट करती है, जिससे वेट लॉस में काफी मदद मिलती है, लेकिन वजन घटाने के लिए केवल ग्रीन-टी पीने से ही कुछ नहीं होगा, इसके लिए आपको रोज़ाना एक्सरसाइज भी करनी होगी। इसके अलावा आपको खाने में ताज़े फलों और सब्जियों का भरपूर सेवन करना होगा। हेल्दी डाइट के साथ अगर आप ग्रीन-टी का सेवन कर रहें हैं तो आपको जल्द ही वेट लॉस में पॉजिटिव रिज़ल्ट दिखेंगे।

स्किन को हेल्दी रखती है ग्रीन-टीः- ग्रीन-टी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल्स आपकी त्वचा के स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक होते हैं। इसके अलावा ग्रीन-टी एक्ने और एजिंग प्रॉसेस को भी स्लो करती है। ग्रीन-टी के सेवन से बॉडी के टॉक्सिंस बाहर निकलते हैं, जिससे आपकी स्किन को नैचुरल ग्लो मिल सकता है।

अस्वीकरणः सलाह सहित यह सामग्री केवल सामान्य जानकारी प्रदान करती है। यह किसी भी तरह से योग्य चिकित्सा राय का विकल्प नहीं है। अधिक जानकारी के लिए हमेशा किसी विशेषज्ञ या अपने चिकित्सक से परामर्श करें।

एलोवेरा जैल से स्किन में आता है निखार

औषधीय गुणों से भरपूर एलोवेरा स्किन के लिए बेहद फायदेमंद है। एलोवेरा स्किन की कई बीमारियों जैसे दाद, खुजली और एलर्जी का उपचार करता है। स्किन में निखार लाने के लिए कॉस्मेटिक प्रोडक्ट में इसका इस्तेमाल होता है। एलोवेरा जेल स्किन को चिपचिपा बनाएं बिना स्किन को नमी देता है। यह स्किन की ऊपरी सतह पर मौजूद गंदगी और डेड सेल्स को साफ करने का काम करता है, जिससे चेहरे पर निखार आता है। अगर आप नेचुरल तरीके से अपनी स्किन को पैम्पर करना चाहती हैं तो एलोवेरा जेल को स्किन केयर रूटीन में शामिल करें। अगर आप रात में एलोवेरा जेल को चेहरे पर लगाते हैं तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ मिलता है। आइए जानते हैं कि रात को चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाने से कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं।

स्किन का कलर लाइट करता है एलोवेराः- एलोवेरा जेल स्किन टोन को लाइटन करने में मदद करता है। इसे रात को सीधे चेहरे पर लगा लें और अगली सुबह चेहरा वॉश कर लें। कुछ ही दिनों में आपको अपनी स्किन में निखार दिखने लगेगा।

मुहांसों का इलाज करता है एलोवेराः- एलोवेरा पल्प में एंटी-इंफलेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो ब्रेकआउट्स व एक्ने के इलाज में मददगार है। रात को सोने से पहले एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करने से आपको मुहांसों से निजात मिलेगी

गर्मी में सनबर्न से निजात दिलाता हैः- गर्मी में सनबर्न की समस्या बेहद परेशान करती है। एलोवेरा जेल में कूलिंग प्रॉपर्टीज होती हैं जो गर्मी में स्किन को कूल करती हैं। इसके मॉइश्चराइजिंग गुण हीलिंग प्रोसेस को बढ़ाते हैं।

चेहरे को मॉइस्चराइज़ करता है एलोवेराः- एलोवेरा जेल बेहतरीन मॉइश्चराइजर है, इसका इस्तेमाल रात को सोने से पहले करें। यह स्किन को ग्रीसी नहीं होने देता है, इसका सीमित इस्तेमाल करें वरना स्किन ड्राई हो सकती है। ज्यादा इस्तेमाल करने से स्किन में जलन भी हो सकती है।

डार्क सर्कल से निजात दिलाता हैः जब आप रातभर के लिए एलोवेरा जेल को स्किन पर अप्लाई करती हैं तो इससे आंखों के आसपास डार्क सर्कल्स लाइट होते है। यह आंखों की पफीनेस को कम करता है।

आज का राशिफल

मेष राशि :-कठिन परिश्रम से कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। कारोबार विस्तार की नई योजनाएं बना सकते हैं।

वृषभ राशि :-मन में उत्साह तथा विचारों की स्थिरता के कारण सभी कार्य अच्छी तरह से कर सकेंगे।

मिथुन राशि :- परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें और सेहत का ध्यान रखें।

कर्क राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग हैं।

सिंह राशि :-काम में मन लगेगा और मेहनत के अनुसार परिणाम मिलेंगे। रुके हुए कार्य शुरू होंगे।

कन्या राशि :- दांपत्य जीवन में सुख और संतोष का अनुभव होगा। आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे।

तुला राशि :- मनोरंजन, सौंदर्य-प्रसाधन, आभूषण आदि के पीछे खर्च हो सकता है। सेहत भी अच्छी रहेगी।

वृश्चिक राशि :-आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यवसाय के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा।

धनु राशि :-धनलाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

मकर राशि :- पुराने मित्रों से मुलाकात होगी और उनके सहयोग से उन्नति के अवसर मिलेंगे।

कुम्भ राशि :-दांपत्य जीवन में आनंद छाया रहेगा। शिक्षा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वालों को मेहनत करनी पड़ेगी।

मीन राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधे में आर्थिक लाभ की स्थिति रहेगी।

-ज्योतिषाचार्यः पंडित जितेंद्र तिवारी

एशियाई खेलों में निशानेबाजों ने भारत को दिलाया पहला गोल्ड मेडल

विश्व रिकॉर्ड बना जीता सोना

हांगझोउ। भारतीय निशानेबाजों ने सोमवार को यहां एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टीम स्वर्ण पदक सहित तीन पदक जीते जिससे निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत दो दिन में पांच पदक जीत चुका है। विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल की अगुआई में भारत की 10 मीटर एयर राइफल टीम ने विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ मौजूदा एशियाई खेलों में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने इसके बाद व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कांस्य पदक के मुकाबले में रुद्रांक्ष को पछाड़ा जो चौथे स्थान पर रहे। आदर्श सिंह, अनीष भानवाला और विजयवीर सिद्धू की भारतीय तिकड़ी ने 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल की टीम स्पर्धा में 1718 अंक से इंडोनेशिया के साथ टाई रहने के बाद कांस्य पदक जीता।

चीन ने 1765 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि दक्षिण कोरिया ने 1734 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। विजयवीर ने क्वालीफिकेशन में 582 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। आदर्श (576) 14वें जबकि अनीष (560) 22वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। पुरुष व्यक्तिगत 25 मीटर के फाइनल में विजयवीर 21 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए पदक जीतने में नाकाम रहे। चीन के ली युएहोंग ने 33 अंक के साथ स्वर्ण जीता जबकि उनके हमवतन ल्यु येंगपैन (31) को रजत और कजाखस्तान के चिरयुकिन निकिता (26) को कांस्य पदक मिला। ऐश्वर्य ने तीसरे स्थान के शूट ऑफ में रुद्रांक्ष को पछाड़कर 228.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। ऐश्वर्य पार्क हाजुन को पछाड़कर रजत पदक जीतने की दौड़ में शामिल थे लेकिन अंतिम शॉट पर 9.8 अंक के साथ बाहर हो गए। दक्षिण कोरिया के इस निशानेबाज को अंततः रजत पदक जीता जबकि चीन के शेंग लिहाओ ने 253.3 अंक के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य ने कहा, ''मैं अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हूं। मैंने पूरी स्पर्धा के दौरान निरंतर प्रदर्शन किया, यहां तक कि क्वालीफिकेशन के दौरान भी। यह मेरे पहले एशियाई खेल हैं और इन खेलों में मेरा पहला पदक।'' उन्होंने कहा, ''कभी कभी निशाना खराब भी था और यह खेल का हिस्सा है।'' ऐश्वर्य ने स्वीकार किया कि कांस्य पदक के शूट ऑफ में रुद्रांक्ष के खिलाफ वह दबाव में थे। उन्होंने कहा, ''शूट ऑफ के दौरान काफी दबाव था लेकिन मैंने 10.8 अंक जुटाने में सफल रहा।'' इससे पहले रुद्रांक्ष, ओलंपियन दिव्यांश पंवार और ऐश्वर्य की तिकड़ी ने क्वालीफिकेशन दौर में 1893.7 के कुल स्कोर के साथ चीन और दक्षिण कोरिया की मजबूत टीमों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कुल स्कोर का पिछला विश्व रिकॉर्ड 1893.3 अंक का था जिसे एक महीने से भी कम समय पहले चीन की टीम ने अजरबेजान के बाकू में विश्व चैंपियनशिप के दौरान बनाया था। दक्षिण कोरिया ने कुल 1890.1 अंक के साथ रजत पदक जीता जबकि 1888.2 अंक के साथ कांस्य पदक चीन की झोली में गया। रुद्रांक्ष ने बाद में कहा, ''हमने (टीम ने) अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और स्वर्ण पदक जीता। हमें शुरुआत में नहीं पता था लेकिन हमें बताया गया कि यह विश्व रिकॉर्ड है। हमने कहा कि फिर तो यह स्वर्ण पदक होना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''यह आसान नहीं था लेकिन टीम स्पर्धा में हमने चीन को हराया।'' रुद्रांक्ष ने कहा, ''मैं थोड़ा निराश हूं कि मैं व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया। लेकिन मैं बेहद खुश हूं कि मैंने टीम स्वर्ण पदक जीता। टीम के मेरे दो साथी 10 मीटर एयर राइफल के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज हैं।'' भारत के एयर राइफल निशानेबाजों ने दबदबे वाला प्रदर्शन किया। उन्नीस साल के रुद्रांक्ष ने 632.5, तोमर ने 631.6 और दिव्यांश ने 629.6 अंक बनाए। रुद्रांक्ष और तोमर ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में भी जगह सुनिश्चित की। भारत के तीनों निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। दिव्यांश हालांकि निराश होंगे क्योंकि वह एशियाई खेलों के उस नियम के कारण फाइनल में जगह नहीं बना पाए जिसके तहत एक देश के सिर्फ दो निशानेबाजों को ही फाइनल में जगह मिल सकती है। रुद्रांक्ष क्वालीफिकेशन में तीसरे और तोमर पांचवें स्थान पर रहे। दिव्यांश आठवें स्थान पर रहे और अगर यह विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप या और कोई महाद्वीपीय प्रतियोगिता होती तो तीनों भारतीय निशानेबाज फाइनल में जगह बनाते। इस नियम का फायदा कजाखस्तान के इस्लाम सातपायेव को मिला जिन्होंने नौवें स्थान पर रहने के बावजूद दिव्यांश की जगह फाइनल में जगह बनाई। चीन के शेंग लिहाओ 634.5 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहे जो क्वालीफिकेशन में एशियाई खेलों का रिकॉर्ड है। दक्षिण कोरिया के पार्क हाजुन ने 632.8 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। भारतीय तिकड़ी की हालांकि स्वर्ण पदक की राह आसान रही।

रुद्रांक्ष ने 104.8, 106.1, 103.8, 105.5 106.7 और 105.6 की सीरीज बनाई जबकि तोमर ने 104.1, 105.5, 105.3, 105.7, 105.7 और 105.3 अंक जुटाए। तोक्यो ओलंपिक 2020 में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले दिव्यांश की सीरीज 104.8, 104.3, 104.6, 104.7, 106.3 और 104.9 अंक की रही। रुद्रांक्ष के पिता बालासाहब पाटिल ने अपने बेटे के स्वर्ण पदक जीतने के बाद पीटीआई से कहा, ''मेरा बेटा खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध था। उसे अपनी क्षमताओं पर काफी भरोसा है और हांगझोउ के लिए रवाना होने से पहले रुद्रांक्ष ने कहा था कि वह देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने को लक्ष्य बनाएगा।'' उन्होंने कहा, ''हांगझोउ के लिए रवाना होने से पहले उसने अपनी निशानेबाजी की मामूली खामियों को दूर किया। पिछले दो महीने में उसने कड़ी मेहनत की।'' भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने रुद्रांक्ष को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए बाकू जाने वाली टीम में शामिल नहीं किया था क्योंकि महासंघ अन्य निशानेबाजों को भेजकर देश के लिए अधिक पेरिस ओलंपिक कोटा स्थान हासिल करना चाहता था। पिछले साल काहिरा में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर रुद्रांक्ष पहले ही देश के लिए ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

मुश्किल समय में सही मानसिकता बनाए रखना महत्वपूर्ण: श्रेयस अय्यर

इंदौर। जब किसी को बार-बार चोटों से जूझना पड़ता है तो संदेह पैदा हो सकता है, लेकिन श्रेयस अय्यर का कहना है कि यह अपनी क्षमताओं पर उनका अटूट विश्वास था जिसने उन्हें अकेलेपन के दौर से उबरने में मदद की। भारत ने एशिया कप जीता जिसमें अय्यर ने पीठ की सर्जरी के कारण छह महीने बाद वापसी की लेकिन टूर्नामेंट के बीच में पीठ में ऐंठन के कारण उन्हें दो सप्ताह के दौरान केवल एक बार बल्लेबाजी करने का मौका मिला। हालांकि पाकिस्तान के खिलाफ भारत के शुरुआती मैच में उन्होंने नौ गेंद पर 14 रन बनाए जिससे उन्हें बहुत आत्मविश्वास मिला और वह एक और मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आखिरकार पिछले हफ्ते मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में यह मौका आया लेकिन वह रन आउट हो गए। विश्व कप के लिए भारत के मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे अय्यर ने हालांकि रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में दबाव के बीच शतक जड़ा। अय्यर ने 90 गेंदों पर 105 रन की मैच विजयी पारी खेलने के बाद कहा, ''मैं मजबूती से वापसी करने के लिए बेताब था। मैं पिछले मैचों में मिली शुरुआत को अच्छी पारी में बदलने का इंतजार कर रहा था। आज मुझे मौका मिला, मैं आभारी हूं।'' उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मैं अपनी क्षमताओं पर संदेह नहीं कर रहा था क्योंकि मुझे पता था कि मैं नेट में शानदार बल्लेबाजी कर रहा हूं, साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ मुझे जो शुरुआत मिली थी। बस एक पारी की बात थी और मुझे पता था कि यह करीब है, शुक्र है कि मैं इसे बड़ी पारी में बदल पाया। अय्यर को इस बात की पूरी जानकारी थी कि उन्हें किस तरह की प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है लेकिन एशिया कप के अधिकांश मैच नहीं खेल पाने के बावजूद वह शांत रहने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर यह काफी उतार-चढ़ाव भरा था। ईमानदारी से कहूं तो मैं खुद को धन्यवाद देना चाहता हूं।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय महिला रग्बी टीम लगातार चार हार के बाद आठवें स्थान पर रही

हांगझोउ। भारतीय महिला रग्बी टीम एशियाई खेलों में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए चार मैचों में से एक भी जीत दर्ज करने में नाकाम रही। भारत को पूल एफ के अपने तीसरे मैच में सोमवार को यहां विश्व रैंकिंग में 35 वें स्थान पर काबिज सिंगापुर ने 15-0 से हराया। इससे पहले रविवार को टीम को हांगकांग ने 38-0 और जापान ने 45-0 के बड़े अंतर से हराया था। भारतीय टीम इस तरह ग्रुप चरण के मैचों में एक भी अंक नहीं बना सकी। सातवें और आठवें स्थान के मैच में भी भारतीय टीम ने निराश किया। टीम को कजाखस्तान ने 24-7 से शिकस्त दी। भारतीय टीम ने पहली बार 2010 ग्वांगझोउ एशियाई खेलों में भाग लिया था। टीम तब सातवें स्थान पर रही थी।

जूडो खिलाड़ी गरिमा चौधरी एशियाई खेलों से बाहर

हांगझोउ। भारतीय जूडो खिलाड़ी गरिमा चौधरी सोमवार को यहां महिला 70 किग्रा वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में फिलिपीन्स की रयोको सेलिनास के खिलाफ इप्पोन से हारकर एशियाई खेलों से बाहर हो गईं। तेइस साल की रयोको ने नॉकआउट दौर में गरिमा को सिर्फ दो मिनट दो सेकेंड में इप्पोन के जरिए 10-0 से हराया। गरिमा तीसरी बार एशियाई खेलों में हिस्सा ले रही हैं। वह 2010 में रेपेचेज दौर में हार गईं थी जबकि जकार्ता में 2018 में उन्हें प्री क्वार्टर फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इप्पोन में जूडो खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी को मैट पर काफी ताकत और गति से गिराता है जिससे कि वह अपनी पीठ के बल गिरे। साथ ही कोई खिलाड़ी अगर अपने प्रतिद्वंद्वी को 20 सेकेंड तक गिराकर रखता है या उसका प्रतिद्वंद्वी इस दौरान हार मान ले तो भी इप्पोन दिया जाता है।

भारत को नौकायन में दो और कांस्य पदक, पांच पदक जीतकर अभियान खत्म किया

हांगझोउ। भारत के नौकायन खिलाड़ियों ने दो स्पर्धाओं में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कांस्य पदक जीते और सोमवार को यहां एशियाई खेलों की वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में अपने अभियान का अंत पांच पदक के साथ किया। भारत ने पिछले सत्र की तुलना में अपने पदकों की संख्या में इजाफा किया जब वह तीन पदक जीतने में सफल रहा था। हालांकि भारत इस बार स्वर्ण पदक जीतने में नाकाम रहा जबकि जकार्ता में पांच साल पहले नौकायन में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक मिले थे।

भारत यहां कुल पांचवें स्थान पर रहा जो 2018 के प्रदर्शन से एक स्थान बेहतर है। चीन की टीम 11 स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ शीर्ष पर रही जबकि उज्बेकिस्तान दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। दिन की शुरुआत जसविंदर सिंह, भीम सिंह, पुनीत कुमार और आशीष गोलियान की टीम ने पुरुष फोर स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ की जिसके बाद सतनाम सिंह, परमिंदर सिंह, जाकर खान और सुखमीत सिंह ने पुरुष क्वाड्रपल स्कल्स में कांस्य पदक अपने नाम किया। क्वाड्रपल स्कल्स में भारतीय टीम ने छह मिनट 8.61 सेकेंड का समय लिया। चीन (6:02.65) को स्वर्ण जबकि उज्बेकिस्तान (6:04.64) को रजत पदक मिला। भारतीय टीम शुरुआत में चौथे स्थान पर थी लेकिन 2000 मीटर की रेस के अंतिम 500 मीटर में वापसी के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता। पुरुष फोर स्पर्धा में भी भारतीय चौकड़ी 2000 मीटर के अंतिम 500 मीटर से पहले चौथे स्थान पर चल रही थी लेकिन शानदार वापसी करते हुए छह मिनट 10.81 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रही।

चीन (6:10.04) ने बेहद मामूली अंतर से भारतीय टीम को पछाड़कर रजत पदक जीता। स्वर्ण पदक उज्बेकिस्तान की टीम के नाम रहा जिसने छह मिनट 4.96 सेकेंड का समय लिया। भारत के बलराज पंवार हालांकि पुरुष एकल स्कल्स में चौथे स्थान पर रहते हुए एशियाई खेलों में अपना पहला पदक जीतने से चूक गए। करनाल के 24 साल के बलराज 1500 मीटर तक शीर्ष तीन में शामिल थे लेकिन अंतिम 500 मीटर में चौथे स्थान पर पिछड़ गए।

उन्होंने सात मिनट 8.79 सेकेंड का समय लिया। हांगकांग के हिन चुन च्यु (7:00.55) ने बलराज को पछाड़कर कांस्य पदक जीता। चीन के लियांग झेंग (6:57.06) ने स्वर्ण जबकि जापान के रयुता अराकावा (6:59.79) ने रजत पदक अपने नाम किया। भारत की महिला टीम ने सबसे अधिक निराश किया जो महिला ऐट स्पर्धा में पांच टीम की स्पर्धा में सात मिनट 5.71 सेकेंड के समय के समय के साथ अंतिम स्थान पर रही। चीन ने छह मिनट 33.61 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। सोनाली स्वेन, रितु कौड़ी, प्रिया देवी थांगजाम, वर्षा कट्टाथारा, अश्वती पादिनजरायिल, मृणमयी सलगांवकर, तेंडेनथोई देवी हाओबिजम, रूकमणि और गीतांजलि गुरुगुबेली की टीम अन्य प्रतिद्वंद्वियों को कोई चुनौती पेश नहीं कर पाई। यहां तक की चौथे स्थान पर रही थाईलैंड की टीम ने भी भारतीय टीम को 15 सेकेंड से अधिक अंतर से पछाड़ा।

बोपन्ना और युकी की अप्रत्याशित हार, अंकिता और रूतुजा प्री क्वार्टर फाइनल में

हांगझोउ। एक बड़े उलटफेर में स्वर्ण पदक के दावेदार शीर्ष वरीयता प्राप्त रोहन बोपन्ना और युकी भांबरी सोमवार को टेनिस पुरूष युगल में निचली रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वियों से हारकर एशियाई खेलों से बाहर हो गए । भांबरी खेल के आखिरी हिस्से में लय हासिल करने के लिये जूझते नजर आये । उजबेकिस्तान के सर्जेइ फोमिन और खुमोयुन सुल्तानोव ने यह मुकाबला 2 . 6, 6 . 3, 10 . 6 से जीता । यह हार भारतीय जोड़ी को बहुत खलेगी क्योंकि बोपन्ना युगल में शीर्ष दस खिलाड़ियों में है और भांबरी भी शीर्ष सौ में हैं जबकि उजबेक टीम शीर्ष 300 में भी नहीं है ।

दूसरे सेट में 3 . 4 स्कोर पर भांबरी ने डबलफाल्ट किया जिससे एक ब्रेक प्वाइंट गंवा दिया । बैकहैंड पर उनके कमजोर शॉट से उजबेक टीम ने बढत बना ली । सुपर टाइब्रेकर में उजबेक टीम ने 3 . 0 की बढत बना ली और जल्दी ही इसे 5 . 1 कर लिया । बोपन्ना की सर्विस पर शानदार सर्विस रिटर्न के दम पर यह बढत 6 . 1 की हो गई । फोमिन ने बैकहैंड पर विनर लगाकर चार मैच प्वाइंट बनाये । भारतीय जोड़ी ने पहला बचा लिया लेकिन सुल्तानोव ने विनर लगाकर मुकाबला जीता । भारतीय कोच जीशान अली ने कहा कि बोपन्ना को मैच में भांबरी से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला । उन्होंने कहा ,'' इस स्तर पर ऐसे मैच में इतनी गलतियां नहीं कर सकते । आपको मौकों को भुनाना आना चाहिये । रोहन ने अच्छा खेला लेकिन उसे अपने साथी से सहयोग नहीं मिला जो इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहा था ।'' बोपन्ना और भांबरी अब मिश्रित युगल में खेलेंगे ।

भांबरी और अंकिता रैना को शीर्ष वरीयता मिली है जबकि बोपन्ना और भोसले को दूसरी वरीयता मिली है । इससे पहले भारत की शीर्ष एकल खिलाड़ी अंकिता रैना ने शानदार शुरूआत करते हुए महिला एकल टेनिस के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि रूतुजा भोसले को निचली रैंकिंग वाली अरूजान सगनडिकोवा के खिलाफ जीतने में काफी पसीना बहाना पड़ा । रैना ने दूसरे दौर के मैच में एक भी गेम नहीं गंवाया और 51 मिनट में उजबेकिस्तान की 17 वर्ष की सबरीना ओलिमजोनोवा को 6 . 0, 6 . 0 से हराया । एकल में 198वीं रैंकिंग वाली 2018 की कांस्य पदक विजेता रैना का सामना अब हांगकांग की आदित्या पी करूणारत्ने से होगा ।

क्रिकेट विश्व कप में नंबर वन टीम के रूप में उतरेगा भारत

नई दिल्ली। इंदौर में दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया पर मिली 99 रनों की शानदार जीत के बाद, भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में नंबर वन टीम के रूप में उतरेगी। इंदौर में भारत की जीत ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि वे आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में नंबर 1 टीम के रूप में क्रिकेट विश्व कप में उतरेंगे।

श्रृंखला की शुरुआत से पहले भारतीय टीम को रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के लिए कम से कम दो जीत की आवश्यकता थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में पहला वनडे जीतने के बाद भारत वनडे रैंकिंग शिखर पर पहुंच गई। वे अब सभी प्रारूपों में नंबर एक टीम के रूप में सर्वोच्च स्थान पर बने रहेंगे, टेस्ट और टी20 में भारतीय टीम पहले ही शीर्ष स्थान पर कब्जा कर चुकी है। भारत 117 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान 115 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया 110 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। पुरुष क्रिकेट इतिहास में यह केवल दूसरी बार है जब किसी टीम ने सभी प्रारूपों में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले, केवल दक्षिण अफ्रीका ने अगस्त 2012 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता

हांगझोउ। युवा तेज गेंदबाज टिटास साधू के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने सोमवार को श्रीलंका को 19 रन से हराकर एशियाई खेलों की महिला क्रिकेट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता । बल्लेबाजी के लिये कठिन पिच पर भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 116 रन बनाये । जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 97 रन ही बना सकी । चार दिन बाद अपना 19वां जन्मदिन मनाने जा रही साधू ने चार ओवर में छह रन देकर तीन विकेट लिये । लेग स्पिनर देविका वैद्य ने चार ओवर में 15 रन देकर एक विकेट चटकाया । बायें हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ और आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने खराब शुरूआत की लेकिन बाद में लय पकड़ ली । भारत शुरू से ही स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन क्रिकेट का स्तर और पिच दोनों खराब रहे । साधू ने पहले दो ओवर में ही तीन विकेट निकाल दिये जिनमें श्रीलंकाई कप्तान चामारी अटापट्टू का विकेट शामिल है । भारतीय महिला टीम को झूलन गोस्वामी के संन्यास के बाद एक तेज गेंदबाज की कमी खल रही है । साधू ने प्रतिभा की बानगी पेश की लेकिन कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उसकी असल परीक्षा होगी । भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दीप्ति से गेंदबाजी की शुरूआत कराई लेकिन अटापट्टू ने उसे आते ही छक्का और चौका जड़ा । दूसरे ओवर में साधू ने अनुष्का संजीवनी (1) को मिडआफ पर हरमनप्रीत के हाथों लपकवाया । उसने इसके बाद विष्मी गुणरत्ने (0) को आउट किया और अगले ओवर में अटापट्टू को रवाना किया । तीन विकेट 14 रन पर गंवाने के बाद हसिनी परेरा (25 रन) ने श्रीलंका को 50 रन के पार पहुंचाया । राजेश्वरी ने उनका विकेट लिया । निलाक्षी डिसिल्वा (23 रन) और ओषाडी रणसिंघे (19) ने पांचवें विकेट के लिये 38 रन जोड़े । पूजा वस्त्राकर ने डिसिल्वा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा जबकि दीप्ति ने रणसिंघे का विकेट लिया । इससे पहले भारत के लिये स्मृति मंधाना (45 गेंद में 46 रन) और जेमिमा रौड्रिग्ज (40 गेंद में 42 रन) ने दूसरे विकेट के लिये 73 रन जोड़े ।

भारत को महिला हैंडबॉल में जापान ने हराया

हांगझोउ। भारतीय महिला हैंडबॉल टीम को एशियाई खेलों के अपने शुरूआती मैच में सोमवार को यहां जापान से हार का सामना करना पड़ा। जापान ने ग्रुप बी के इस मुकाबले को 41-13 के बड़े अंतर से अपने नाम किया। भारत के लिए सिर्फ मोनिका अपने खेल से प्रभावित कर सकी। मोनिका ने चार गोल कर भारत को मैच के चौथे मिनट में बढ़त दिला दी थी। जापान ने हालांकि इसके बाद शानदार वापसी करते हुए 30 मिनट के पहले हाफ में 21-4 की बढ़त बना ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी 20 अंक बनाकर भारत पर एकतरफा जीत दर्ज की। भारत के लिए प्रियांक और पी ठाकुर ने तीन-तीन गोल किए, जबकि एम शर्मा, भावना और एस ठाकुर ने एक-एक गोल किया। भारतीय टीम ग्रुप चरण में अपने अगले मैच में बुधवार को हांगकांग से भिड़ेगी जबकि जापान का सामना नेपाल से होगा।

कनाडा की संसद में हिटलर समर्थक के सम्मान पर विवाद

भारी हंगामे के बाद संसद के स्पीकर को मांगनी पड़ी माफी

ओट्टावा। कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार लगातार शर्मनाक हरकतें कर रही है और कनाडा की संसद उन शर्मनाक हरकतों का हिस्सा बन रही है। अब कनाडा की संसद में हिटलर समर्थक एक पूर्व सैनिक को सम्मानित किये जाने का मामला सामने आया है, जिसके लिए बाद में कनाडाई संसद के स्पीकर को माफी तक मांगनी पड़ी है। हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कनाडा का दौरा किया।

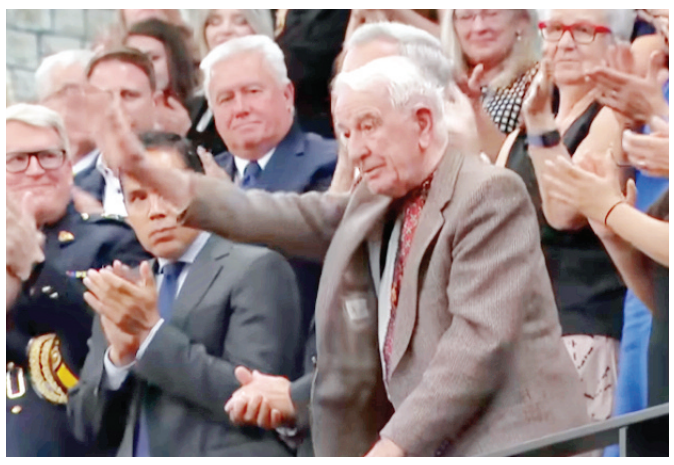

इस दौरान जेलेंस्की ने कनाडा की संसद को संबोधित भी किया। जेलेंस्की के संसद में संबोधन के दौरान द्वितीय विश्व युद्ध का हिस्सा रहे एक पूर्व सैनिक यारोस्लोव हुंका को यूक्रेनी नायक के तौर पर सम्मानित किया गया। हुंका ने यूक्रेन की तरफ से रूस के खिलाफ युद्ध लड़ा था। इस दौरान कनाडा के सभी सांसदों ने हुंका का खड़े होकर अभिवादन किया। हालांकि बाद में पता चला कि हुंका ने हिटलर की नाजी सेना में भी अपने सेवाएं दीं। जब यह जानकारी सामने आई तो हंगामा हो गया। एक नाजी समर्थक को युद्ध के नायक के तौर पर सम्मानित किये जाने को बेहद शर्मनाक करार दिया जा रहा है। इस संबंध फ्रेंड्स ऑफ साइमन वीजेंथल सेंटर ने बयान जारी कहा कि जब दुनिया में यहूदी विरोध बढ़ रहा है, ऐसे में यह बेहद पीड़ादायक है कि कनाडा की संसद में नाजी सेना की एक डिवीजन में सेवा दे चुके एक सदस्य को सम्मानित किया गया। यह डिवीजन यहूदियों और अन्य की हत्याओं के लिए जिम्मेदार थी।

आलोचनाओं के चलते कनाडा की संसद के स्पीकर ने घटना पर माफी मांगी। स्पीकर ने यहूदी समुदाय से भी विशेष तौर पर माफी मांगी। इस घटना को लेकर विपक्ष ने कनाडा की सरकार को घेर लिया है। कनाडा के विपक्षी नेता पिएरे पोलिवरे ने पीएम जस्टिन ट्रूडो से माफी की मांग की है। पिएरे ने सवाल उठाते हुए कहा कि 'हाउस ऑफ कॉमन्स में बुलाए जाने और सम्मानित किए जाने से पहले क्या किसी भी सांसद को इस व्यक्ति के अतीत की जांच करने का मौका नहीं मिला? इसके लिए जस्टिन ट्रूडो को व्यक्तिगत रूप से माफी मांगनी चाहिए और दूसरों पर इसका दोष मढ़ने से बचना चाहिए, जैसा कि वह हमेशा करते हैं।

जयशंकर की वैश्विक नेताओं संग बैठकें, आपसी संबंधों को विस्तार देने पर चर्चा

न्यूयार्क। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र से इतर विभिन्न देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की और उनके साथ बहुपक्षवाद में सुधार एवं जी20 में सहयोग को लेकर चर्चा की ।

जयशंकर ने मेक्सिको, बोस्निया एवं हर्जेगोविना और आर्मीनिया के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। जयशंकर ने कहा कि मेक्सिको की विदेश मंत्री एलिसिया बार्सेना से मिलकर उन्हें 'वाकई खुशी' हुई। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि हमने व्यापार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और पारंपरिक चिकित्सा पर केंद्रित हमारी विशेष साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। बहुपक्षवाद को बेहतर बनाने और जी20 में साथ मिलकर काम करने को लेकर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उन्होंने बोस्निया एवं हर्जेगोविना के विदेश मंत्री एल्मेडिन कोनाकोविच से भी मुलाकात की और व्यापार एवं अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते हुए द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर चर्चा की।

जयशंकर ने कोनाकोविच के साथ बैठक को 'अच्छा'' बताया और कहा कि व्यापार एवं अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते हुए द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर चर्चा की। जयशंकर ने आर्मीनिया के अपने समकक्ष अरारत मिर्जोयान से मुलाकात की। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि हमने दोनों देशों के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की पुष्टि की।' जयशंकर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस और संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस से सोमवार को मुलाकात करेंगे। जयशंकर ने शनिवार को कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट से मुलाकात की थी और उनके साथ द्विपक्षीय विकास साझेदारी की प्रगति व म्यांमा की स्थिति पर चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र से इतर मुलाकात की। जयशंकर ने कहा, ''कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट से मुलाकात करके खुशी हुई। मानेट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुभकामनाएं दीं। हमारी विकास साझेदारी की प्रगति पर चर्चा हुई।'' उन्होंने कहा, ''रक्षा और सांस्कृतिक सहयोग के विस्तार पर भी चर्चा हुई। म्यांमा पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।'' जयशंकर ने शनिवार को मिस्र, गिनी बिसाऊ, साइप्रस और युगांडा के अपने समकक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। जयशंकर ने शुक्रवार को अमेरिका की अपनी नौ दिन की यात्रा की शुरुआत की। विदेश मंत्री न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक सत्र में हिस्सा लेंगे और 'ग्लोबल साउथ' पर एक विशेष कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

ईरान में आतंकी साजिश नाकाम, 28 गिरफ्तार

तेहरान। ईरान की खुफिया विभाग ने राजधानी में कई भीड़भाड़ वाले स्थानों को निशाना बनाने वाली आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है और इस सिलसिले में 28 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। ईरान के खुफिया मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित बयान में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को बाधित करने, लोगों के बीच भय पैदा करने और पिछले शरद ऋतु के दंगों की बरसी पर अशांति फैलाने के उद्देश्य से एक साथ 30 जगहों पर विस्फोट की योजना बनाई गई थी। बयान में कहा गया कि खुफिया बलों ने तेहरान, अल्बोर्ज और पश्चिम अजरबैजान प्रांतों में आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया और आतंकवादी नेटवर्क के सभी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। बयान में कहा गया है कि गिरफ्तार किए गए लोग इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह से जुड़े थे और उनमें से कुछ का सीरिया के 'तकफ़ीरी आतंकवादियों' से संपर्क था या अफगानिस्तान, पाकिस्तान और इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र की ओर यात्रा रिकॉर्ड है। इस दौरान बड़ी मात्रा में विस्फोटक, बम, उन्हें बनाने की सामग्री, 100 डेटोनेटर, टाइम बम बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, 17 अमेरिकी पिस्तौल, उनकी गोलियां, स्मार्ट संचार और उपग्रह उपकरण, सैन्य पोशाकें, आत्मघाती जैकेट और विदेशी मुद्रा बरामद किए गए हैं।

लीबिया में बाढ़ के कारण 64 फिलिस्तीनियों की मौत

रामल्लाह। पूर्वी लीबिया में विनाशकारी बाढ़ के कारण कम से कम 64 फिलिस्तीनियों की मौत हो गयी, जबकि 10 अन्य अभी भी लापता हैं। फिलिस्तीन के विदेश मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के राजनीतिक सलाहकार अहमद अल-दीक ने कहा कि हम लीबिया में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फिलिस्तीनी समुदाय की स्थितियों पर नजर रख रहे हैं, ताकि इससे होने वाले बड़े नुकसान का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहाकि हम उनके (पीड़ितों के) परिवारों और रिश्तेदारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। उम्मीद है कि लापता लोग जीवित पाए जाएंगे। उल्लेखीय है कि विनाशकारी भूमध्यसागरीय तूफान डेनियल ने 10 सितंबर को पूर्वी लीबिया में तबाही मचाई थी, जिससे भीषण बाढ़ आई। इसके कारण हजारों लोगों की जान चली गई और क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को व्यापक क्षति हुई।

फ्लोरिडा में कुत्ते की बिक्री पर गोलीबारी, तीन की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में डॉग की बिक्री के विवाद के दौरान हुई गोलीबारी में तीन साल के बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जैक्सनविले शेरिफ के कार्यालय सहायक प्रमुख जेडी स्ट्रोनको ने कहा है कि बच्चे सहित पांच लोग शनिवार रात लगभग 10 बजे एक डॉग की बिक्री के संबंध में कुछ लोगों से मिलने के लिए एक लग्जरी अपार्टमेंट परिसर में गए थे।

वैश्विक मसलों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं दक्षिणी देश: रुचिरा

न्यूयार्क। वैश्विक मसलों के निर्णय लेने में विश्व का दक्षिणी भाग प्रभावी भूमिका अदा कर सकता है। विश्व की ज्यादातर समस्याएं दक्षिणी भाग के देश पैदा नहीं करते लेकिन उन समस्याओं का प्रभाव उन पर भी पड़ता है। यह बात संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा काम्बोज ने कही है।

जनवरी 2023 में नई दिल्ली में आयोजित दक्षिणी भाग के देशों के नेताओं के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि वैश्विक समस्याएं दक्षिण में पैदा नहीं होतीं बल्कि उनका प्रभाव दक्षिणी देशों को झेलना पड़ता है। विश्व के दक्षिणी भाग में भारत, चीन, ब्राजील, इंडोनेशिया सहित 78 देश आते हैं। इनमें ज्यादातर विकासशील देश हैं। पीएम मोदी की बात को दोहराते हुए रुचिरा काम्बोज ने कहा, दक्षिण के देश विश्व व्यवस्था बनाने में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। ये देश वैश्विक निर्णयों में भी अहम भागीदारी निभा सकते हैं। कहा, विश्व का दक्षिणी भाग तेजी से उभर रहा है। इसके साथ सहयोग को बढ़ावा मिलना चाहिए और विश्व व्यवस्था में उसकी भागीदारी बढ़नी चाहिए। ऐसे में जबकि यूरोप के पुराने विवाद फिर से सिर उठा रहे हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है, तब समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासों का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए। काम्बोज ने कहा, कोविड महामारी के दौर में जिस प्रकार से बहुआयामी सहयोग बढ़ा, उससे स्थितियों को नियंत्रित करने में काफी मदद मिली।

पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर भी हमें इसी प्रकार के सहयोग की दरकार है। समस्याओं के निस्तारण के लिए हमें अपना दायरा बढ़ाने की जरूरत है। दक्षिणी भाग के देशों की विकास की भागीदारी विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय प्रतिनिधि ने कहा, जहां तक दक्षिणी भाग में भारत की भूमिका का प्रश्न है तो हमारा क्षेत्रीय देशों से घनिष्ठ संबंध रहा है। हम सांस्कृतिक और वैचारिक दृष्टि से बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं। जी 20 देशों के शिखर सम्मेलन में भी भारत ने विकासशील देशों के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई है।

चार महीने से लापता पाकिस्तानी पत्रकार इमरान रियाज पहुंचे घर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चर्चित पत्रकार इमरान रियाज खान साढ़े चार माह गायब रहने के बाद वापस लौट आए हैं। वे इसी वर्ष 11 मई को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये जाने के बाद से लापता थे। जानकारी के मुताबिक इमरान रियाज खान पाकिस्तान के जाने-माने पत्रकार हैं जो विभिन्न प्रतिष्ठानों में काम कर चुके हैं। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का करीबी माना जाता है। इमरान खान की सरकार गिरने के बाद रियाज ने अपना यूट्यूब चैनल शुरू कर शाहबाज शरीफ की सरकार और पाकिस्तान की सेना को ललकारना शुरू कर दिया था। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नौ मई को गिरफ्तार किये जाने के बाद रियाज ने पाकिस्तानी सेना और पाकिस्तानी खुफिया संगठन आईएसआई पर तंज कसे थे। इसके बाद 11 मई की रात उन्हें सियालकोट एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। 15 मई को एक अधिकारी ने लाहौर उच्च न्यायालय को बताया कि रियाज को हलफनामा लेकर रिहा कर दिया गया है, किन्तु रियाज लापता थे। 16 मई को रियाज खान के पिता ने सियालकोट के सिविल लाइंस थाने में इमरान रियाज खान के अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। गायब होने के साढ़े चार माह बाद अचानक उनके वापस लौटने की जानकारी सामने आई है। सियालकोट पुलिस ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि पत्रकार इमरान रियाज खान का पता लगा लिया गया है। वह सुरक्षित हैं और अब अपने परिवार के साथ हैं। पंजाब के महानिरीक्षक उस्मान अनवर और सियालकोट के जिला पुलिस अधिकारी हसन इकबाल ने इसकी पुष्टि की है कि इमरान अब 'घर पर सुरक्षित' हैं।

इमरान जाएंगे अदियाला जेल, कोर्ट ने दिया आदेश

इस्लामाबाद। पचास दिन से अटक जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अब जेल में अधिक सुविधाएं मिल सकेंगी। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने उन्हें अटक जेल से हटा कर रावलपिंडी की अदियाला जेल भेजने के निर्देश दिए हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में सजा होने के बाद पांच अगस्त को गिरफ्तार कर अटक जेल में रखा गया था।

बाद में इस्लामाबाद हाई कोर्ट से भ्रष्टाचार मामले में उनकी सजा निलंबित होने के बावजूद वे जेल से बाहर नहीं आ सके थे। दरअसल वे बाहर आते उससे पहले ही उनके खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इमरान पर प्रधानमंत्री रहते गुप्त दस्तावेज लीक करने का आरोप है। 13 सितंबर को उनकी न्यायिक हिरासत 26 सितंबर तक बढ़ा दी गयी थी।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने अटक जेल में पूर्व प्रधानमंत्री को अपेक्षित सुविधाएं न मिलने की बात कह कर उन्हें अटक जेल से हटाने की मांग की थी। इमरान की पत्नी बुशरा बीबी ने भी इमरान खान की जान को खतरा बताया था। इस मामले में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर कर इमरान खान को अटक जेल से उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल भेजने की मांग की थी। हाई कोर्ट ने अधिकारियों से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पंजाब प्रांत के अटोक जेल से निकाल कर रावलपिंडी की अदियाला जेल में रखने का आदेश दिया है।

चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में ट्रंप से 10 अंक पीछे हैं बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका में मीडिया संस्थानों के नए चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों के अनुसार, 2024 में होने वाले आम चुनावों में लोकप्रियता के मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पीछे हैं। 'वॉशिंगटन पोस्ट' और 'एबीसी न्यूज' के सर्वेक्षण के परिणामों में यह दावा किया गया है। सर्वेक्षण के अनुसार, 'ट्रंप को 51 और बाइडन को 42 अंक मिले हैं।'' अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने के दावेदारों में ट्रंप अपने प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे हैं।

रिपब्लिकन पार्टी की नामांकन प्रक्रिया जनवरी में न्यू हैम्पशायर प्राइमरी और आयोवा कॉकस से आधिकारिक रूप से आरंभ होगी। रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने के अन्य दावेदारों में से साउथ कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर निकी हेली और उद्यमी विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता हालिया सप्ताह में बढ़ी है। इसके बावजूद ट्रंप उनसे बहुत आगे हैं और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनके पार्टी का उम्मीदवार बनने की पूरी संभावना है। 'वॉशिंगटन पोस्ट-एबीसी न्यूज' द्वारा रविवार को जारी सर्वेक्षण परिणामों में कहा गया है कि रिकॉर्ड संख्या में अमेरिकियों का कहना है कि बाइडन के कार्यकाल में उनकी स्थिति खराब हुई है।

नवाज शरीफ के लौटने पर कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी : मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कार्यवाहक सूचना मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने रविवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ जेल की सजा से लंदन नहीं भागे और अगले महीने स्वदेश लौटने पर उनके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। शरीफ (73) ने हाल ही में कहा था कि वह 21 अक्टूबर को पाकिस्तान लौटने को लेकर उत्साहित हैं और जनवरी 2024 में होने वाले चुनावों में अपनी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

सोलांगी ने कहा कि नवाज तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं और एक बड़े राजनीतिक दल के नेता हैं। मंत्री ने कहा कि नवाज जेल की सजा से विदेश नहीं भागे, बल्कि उन्होंने अदालत व पूर्व सरकार से विदेश जाने की मंजूरी ली थी। सोलांगी ने कहा कि वह इस सवाल का जवाब नहीं दे सकते कि नवाज को अग्रिम जमानत मिली है या फिर वह अदालत गए हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि इसका जवाब खुद पीएमएल-एन सुप्रीमो देंगे या फिर देश का कानून व संविधान। सोलांगी ने कहा कि संविधान के मुताबिक, देश निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा ही चलाया जाएगा। आय की घोषणा नहीं करने पर उच्चतम न्यायालय ने नवाज शरीफ को सार्वजनिक पद रखने के लिए आजीवन अयोग्य करार दिया था, जिसकी वजह से उन्हें 2017 में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। नवाज ने इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी, जिस पर लाहौर उच्च न्यायालय ने उन्हें चार सप्ताह की मंजूरी प्रदान की थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटे और 2019 से लंदन में रह रहे हैं।

यूक्रेन ने 11 रूसी क्रूज मिसाइलें गिराई, 19 ड्रोन भी तबाह किए

कीव। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद दोनों ओर से जोरदार युद्ध चल रहा है। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूस के हमले तेज हो रहे हैं और यूक्रेनी सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है। यूक्रेन की वायु सेना ने दावा किया है कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों ने रात भर में रूस द्वारा लॉन्च किए गए 12 क्रूज मिसाइलों में से 11 मिसाइलों को ढेर कर दिया। साथ ही, रूस द्वारा लॉन्च किए गए 19 ड्रोनों को भी मार गिराया। यूक्रेन की वायु सेना ने रूसी हमले का जबर्दस्त प्रतिरोध करने की जानकारी देते हुए कहा कि रूस ने यूक्रेन पर दो जहाज रोधी मिसाइलों से भी हमला किया।

गाजा पट्टी में मिला 2000 साल पुराना सबसे बड़ा कब्रिस्तान

गाजा सिटी। गाजा पट्टी में रोमन युग के कब्रिस्तान से दर्जनों प्राचीन कब्रें और सीसा निर्मित दो ताबूत मिली हैं। यह स्थल करीब 2000 साल पुराना है और पुरातत्वविद इसे गाजा में पाया गया अब तक का सबसे बड़ा कब्रिस्तान बता रहे हैं।

पिछले साल उत्तरी गाजा पट्टी में जबालिया के पास मिस्र द्वारा वित्त पोषित एक आवास परियोजना के निर्माण के दौरान श्रमिक इस स्थल पर आए थे। इसके बाद कर्मचारियों ने फ्रांसीसी विशेषज्ञों के सहयोग से 2,700 वर्ग मीटर क्षेत्र में खुदाई करने का काम किया। पुरातत्वविदों के लिए यह स्थल अब 'सोने की खान' साबित हो रहा है। पुरातत्वविदों का कहना है कि इस स्थल पर जनवरी में 60 कब्रों की खोज एक बड़ी कामयाबी थी, लेकिन यह संख्या बढ़कर अब 135 हो गई है। खुदाई का नेतृत्व करने वाले फ्रांसीसी पुरातत्वविद रेने एल्टर ने कहा कि शोधकर्ताओं ने 100 से अधिक कब्रों का अध्ययन किया है। एल्टर ने सीसे से बने ताबूत की ओर इंगित करते हुए कहा- एक में अलंकृत अंगूर के पत्ते हैं, तो दूसरे में डॉल्फिन की छवियां हैं। उन्होंने इसे असाधारण खोज के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि गाजा में पहली बार सीसा निर्मित ताबूत की खोज की गई है।

'ड्रोन की आधुनिक फौज तैयार कर रहा है यूक्रेन'

रीजन। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को 19 महीने होने को आए हैं और अब यूक्रेन सरकार अपनी ड्रोन युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए एक अरब डॉलर से अधिक खर्च करने की योजना बना रही है। लड़ाई के दौरान ड्रोन का इस्तेमाल कई मायनों में बेहतर साबित होता है। चाहे खुफिया जानकारी लेने के लिए हो या बम गिराने के लिए, ड्रोन किफायती हैं और सैनिकों की जान बचाने वाले साबित हुए हैं।

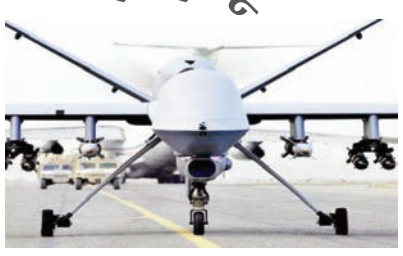

इसके अलावा ड्रोन पारंपरिक गोला बारूद की तुलना में अधिक सटीक हैं। साथ ही इसका प्रभाव बेहद ज्यादा है मसलन युद्ध क्षेत्र की वास्तविक जानकारी, टैंक और पोतों को तबाह करने और रूस को रोकने में ये कारगर साबित हुए हैं। यूक्रेन के डिजिटल ट्रांस्फॉर्मेशन मंत्री मिखाइलो फेडरोव का कहना है कि सरकार अत्याधुनिक 'ड्रोन की सेना' तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसका महत्व इस साल के अंत तक स्पष्ट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस साल 10,000 से अधिक नए ड्रोन पायलट प्रशिक्षित किए जा चुके हैं।

फेडरोव ने कहा कि जल्द ही युद्ध का एक नया चरण शुरु होगा। दूसरी ओर रूसी सेना भी ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ाने पर विचार कर रही है। 2021 में यूक्रेन पर आक्रमण से पहले ही रूस ने तेजी से ड्रोन निर्माण शुरू किया था लेकिन अधिकारियों का मानना है कि यह पर्याप्त नहीं है। यूक्रेन भी तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।